शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 100 | गुवाहाटी | सोमवार, 6 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अजमल, कांग्रेस के शरीर में भसानी सादुल्ला का खून : भाजपा — पेज 3
जनजातीय समाज को कांग्रेस ने अंधेरे में रखकर लूटा, अब गुमराह कर... — पेज 4
जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान, ठगा सा महसूस कर रहा... — पेज 5
मतदान के दिन जनता तोड़ेगी गहलोत के काले जादू का तिलिस्म : अमित गोयल — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जीवन न तो भविष्य में है, और न ही भूतकाल में है, जीवन तो सिर्फ वर्तमान में ही है।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

बीएचयू में फिर बवाल

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय कैंपस बंटवारे का विरोध कर रहे दो छात्र संगठनों में रविवार को झड़प हो गई। एबीवीपी और एआईएसए संगठन के छात्रों के बीच जमकर बवाल हो गया। बताया जा रहा है कि इस बीच पुलिस ने एक रिसर्च स्कॉलर को हिरासत में लिया है और उसे लंका थाना ले गई है। खबर है कि रविवार को एआईएसए तथा बीएसएम (भगत सिंह छात्र मोर्चा) के बाहरी गुंडों ने परिसर में हिंदुत्व विरोधी नारे लगाए तथा छात्रों के साथ मारपीट कर अराजकता फैलाने का प्रयास किया। इसी का विरोध कर रही एबीवीपी की छात्राओं पर भी हमला किया है, जिससे उन्हें काफी गंभीर चोट आई है।

मिजोरम में विस चुनाव प्रचार समाप्त, मतदान कल

एजल (हि.स.)। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार शाम को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। रविवार होने की वजह से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मिजोरम में सुबह से ही कहीं भी कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हुआ। राज्य में मंगलवार को 40 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा। राज्य में चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करवाने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है, वहीं दूर-दराज के मतदान केंद्रों के लिए चुनावकर्मी तथा पीठासीन अधिकारियों को रवाना किया जा चुका है। वहीं, दुर्गम इलाकों में डाक द्वारा वैलेट पेपर भेजे गए हैं। इसके साथ ही मतदान अधिकारियों के घर-घर जाकर मतदान करवाने की व्यवस्था भी की गई है। मिजोरम पुलिस के साथ ही पड़ोसी राज्यों से तथा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनियां राज्य में तैनात की गई हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के मिजोरम चुनाव प्रभारी किरेन रिजिजू ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस चुनाव में राज्य में भाजपा एक -शेष पृष्ठ दो पर

फल और सब्जियों का निर्यात करेगा अरुणाचल

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश से कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एपीएएमबी) ने दुबई स्थित लुलु हाइपरमार्केट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि एमओयू पर शुक्रवार को नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 कार्यक्रम के मौके पर हस्ताक्षर किए गए। सोशल मीडिया एक्स से बात करते हुए खांडू ने कहा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि अरुणाचल प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड (एपीएएमबी) ने खाड़ी देशों में संतरे और सब्जियों की आपूर्ति के लिए लुलु हाइपरमार्केट एलएलसी, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात के साथ पांच साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता खाड़ी देशों को संतरे और सब्जियों की आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि और बाजार जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समझौता ज्ञापन हमारे किसानों को वैश्विक स्तर पर बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा और कृषि को उनके लिए अधिक आकर्षक बनाएगा। उन्होंने कहा कि मैं इस ऐतिहासिक समझौते में शामिल सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। एमओयू, जो पांच साल के लिए है, मुख्य रूप से लुलु हाइपरमार्केट के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राज्य से खाड़ी देशों में संतरे, कद्दू और कुछ अन्य उत्पादों के निर्यात को कवर करता है, जो 200 से अधिक हाइपरमार्केट के साथ अग्रणी और विविध -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत जैसे कई मुख्यमंत्रियों को खरीद सकते हैं : अजमल

गुवाहाटी (हि.स.)। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि डॉ हिमंत विश्व शर्मा जैसे कई मुख्यमंत्रियों को खरीदने की क्षमता उन्हें अल्लाह ने दी है। उन्होंने कहा कि 2026 से पहले असम से वे हिमंत को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा कि हिमंत और भाजपा को उखाड़ने की क्षमता कांग्रेस में नहीं है। क्योंकि, कांग्रेस के नेता रात को हिमंत के पास लाइन लगाकर रुपए लेते हैं। जबकि, अजमल को खरीदने की क्षमता हिमंत में नहीं है। -शेष पृष्ठ दो पर

जो हम असम में कर रहे हैं, वही वादा छत्तीसगढ़ में करते हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भाजपा छत्तीसगढ़ के चुनाव में कोई हवा-हवाई घोषणाएं नहीं कर रही है। बल्कि, वही घोषणाएं भाजपा द्वारा की जा रही है, जो योजनाएं असम तथा अन्य भाजपा शासित राज्यों में लागू की गई है। मुख्यमंत्री आज छत्तीसगढ़ के भटापाड़ा में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूपेश बघेल को कांग्रेस नेताओं की हत्या करने वाले नक्सलियों से बदला लेना चाहिए, लेकिन उल्टे मुख्यमंत्री बघेल सीआरपीएफ पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ पर सवाल उठाकर भूपेश बघेल -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में मवेशियों की तस्करी का प्रयास नाकाम, तीन गिरफ्तार

धुबड़ी। असम पुलिस की फायरिंग में पशु तस्कर घायल हुए हैं। धुबड़ी से सामने आए इस मामले में तस्करी के आरोप में 2 साथियों के साथ कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चेतावनी देने के बाद पुलिस ने तस्करी के आरोपी व्यक्ति को गोली मार दी। घायल होने के बाद उसके दो साथियों के साथ पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक असम के धुबड़ी जिले में रविवार को पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों कथित तौर पर बांग्लादेश में मवेशियों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि तीन संदिग्ध पशु तस्करों पर एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने पड़ोसी देश में गोवंश की तस्करी करने के लिए धुतुरामरी गांव में एक वाहन को रोका, जिसमें तीनों यात्रा कर रहे थे। अधिकारी ने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-बांग्लादेश सीमा पर अब अपराध को रोंकेगी मधुमक्खियां

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी सहित अन्य अपराधों को रोकने के लिए एक अनूठा प्रयोग कर रहा है, जिसके तहत वहां वह मधुक्खियों के छत्ते लगा रहा है। बीएसएफ की इस पहल से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपने तरह की इस पहली योजना को बीएसएफ की 32वीं बटालियन ने नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में शुरू किया है, ताकि सीमा पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और स्थानीय लोगों को मधुमक्खी पालन से जोड़ा जा सके। भारत और बांग्लादेश 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जिसमें से 2,217 किमी लंबी सीमा पश्चिम बंगाल से लगी हुई है। इस परियोजना के लिए बीएसएफ ने आयुष मंत्रालय को भी शामिल किया है। मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल को मधुमक्खी के छत्ते और मिश्र धातु से बने स्मार्ट बाड़ पर उन्हें ठीक से लगाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान की है। इस परियोजना की परिकल्पना करने वाले बीएसएफ की 32वीं बटालियन के कमांडेंट सुजीत कुमार ने बताया कि इसने केंद्र के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत यह पहल की है। साथ ही, -शेष पृष्ठ दो पर

भूटान नरेश के स्वागत में काजीरंगा में कई कार्यक्रम संपन्न

गोलाघाट (हि.स.)। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक के सम्मान में काजीरंगा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज दी गई जानकारी के अनुसार राजा ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया। ज्ञात हो कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है, जो एक सींग वाले भारतीय गैंडों की दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का बसेरा है। राजा भारत की आधिकारिक तीन दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी 3 नवंबर को पहुंचे थे। यात्रा के पहले चरण में राजा का असम में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने राजा के सम्मान में एक सांस्कृतिक संध्या और रात्रिभोज का आयोजन किया। इससे पूर्व भारत की आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन राजा ने असम के शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगू के नेतृत्व -शेष पृष्ठ दो पर

कार और ट्रक में टक्कर तीन की मौत, चार घायल

उदालगुड़ी। असम के उदालगुड़ी जिले में रविवार सुबह एक ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सैकिया चुबुरी इलाके में ओरंग, भेरगांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर हुई। दरअसल, कार सामने से आकर ट्रक में टकरा गई। उदालगुड़ी जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद वहां चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को रेस्क्यू करने की कोशिश की और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कार तिनसुकिया से डिमाकुची की ओर आ रही थी। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो -शेष पृष्ठ दो पर

सबसे प्रदूषित शहरों में से तीन भारत के

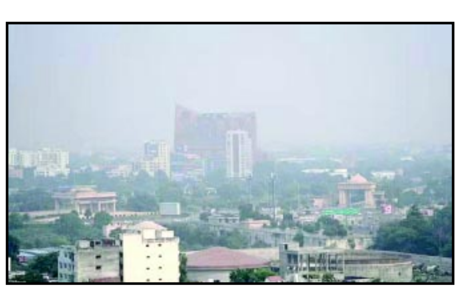

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली इन दिनों भारी वायु प्रदूषण से जूझ रही है और गैस चैंबर बनी हुई है। स्विस ग्रुप आईक्यू एयर ने एक डाटा जारी किया है, उसके मुताबिक दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली के साथ ही भारत के कोलकाता और मुंबई जैसे शहर भी शामिल हैं। नई दिल्ली इस सूची में शीर्ष पर है और यहां एक्यूआई सुबह साढ़े सात बजे 483 दर्ज किया गया। इसके बाद पाकिस्तान के लाहौर शहर का नंबर है, जहां सुबह एक्यूआई 371 दर्ज किया गया। कोलकाता और मुंबई में एक्यूआई -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देश के अलग-अलग भागों में भेजा गया राम लला के सामने पूजित अक्षत

अयोध्या। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के बाल्यकाल की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के समय अयोध्या ही नहीं देश के 5 लाख गांव और उसके आसपास विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही जय श्री राम के उद्घोष से गूंजायमान होंगे और फिर सूर्यास्त होते ही देश भर के सनातन धर्मावलंबियों के 5 करोड़ घर और उसके आसपास दीप मालिकाओं से वातावरण रोशनी से जगमग हो उठेगा, संपूर्ण देश में प्राण प्रतिष्ठा और उससे जुड़े कार्यक्रमों की व्यापकता स्थापित करने के लिए आज श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूजित अक्षत कलश वितरण कार्यक्रम के माध्यम से 100 की संख्या में पूजित किए गए कलश का वितरण किया, जिसमें उत्तर प्रदेश के विभाग संगठन प्रभारी और 45 संगठनात्मक प्रांत प्रमुख शामिल हैं। कलश धारक प्रदेश स्तर पर इस आशय का मंथन करेंगे कि उनके प्रदेश में कितने जनपद हैं और हर जनपद को कितना अक्षत वितरित किया जाना है। तदनुसार अक्षत जिलों में पहुंचेगा। जिसे 31 दिसंबर तक अवश्य किया जाना है और फिर 1 से 15 जनवरी तक जिला प्रभारी मूल्यांकन के बाद घर-घर चार-चार दाने अक्षत पहुंचा कर रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को आनंदोत्सव के रूप में मनाने का आग्रह करेगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा गांव-गांव होने वाले आनंद उत्सव में लोग मंदिरों में एकत्र हो। टीवी के माध्यम से दूरदर्शन से प्रसारित होने वाले अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को देखें, जिस भगवान की मूर्ति स्थापित हो। उनकी आराधना करें और अपने-अपने ढंग से पूजा अर्चना करें। साथ ही मंगल ध्वनि से देवता को जागृत करें। उन्होंने जानकारी दी कि अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त 4 हजार प्रमुख संत और ढाई हजार के करीब देश के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले विशिष्ट जन्म मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया पूजित कलश और अक्षत ले जाने वालों में केरल, अरुणाचल प्रदेश,अंडमान निकोबार और सिक्किम के प्रांत प्रमुख भी शामिल है। उन्होंने बताया प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न होने के बाद देश के अलग-अलग प्रांत को अलग-अलग तिथियां दी जाएगी और वे संबंधित तिथि पर अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर सकेंगे। इससे पहले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन अयोध्या के सभी संत और धर्माचार्य को रामलला के दर्शन करने के लिए व्यवस्था की जा रही है और दूसरे दिन अयोध्या और उसके आसपास के लोग रामलला के दर्शन कर सकेंगे।

इजराइल-हमास संघर्ष पर विदेश मंत्री ने ईरानी समकक्ष से बात की

नई दिल्ली (हि.स.)। इजराइल और हमास संघर्ष के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को अपने ईरानी समकक्ष अमीर-अब्दुल्लाहियन से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि ईरानी विदेश मंत्री से पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की चिंता पर चर्चा की। उन्होंने तनाव को रोकने और मानवीय सहायता प्रदान करने के महत्व से अवगत कराया। साथ ही भविष्य में इन परिस्थितियों को लेकर संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि हमास के आतंकी हमले के बाद इजराइल गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है। इसके चलते वहां मानवीय संकट पैदा हो गया है। अमेरिका ने इजराइल से युद्ध विराम की अपील की है, जिसे इजराइल ने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि हमास जब तक हमारे सारे बंधकों को नहीं छोड़ देता, अस्थाई संघर्ष विराम नहीं हो सकता।

शर्मनाक : फिलिस्तीन समर्थकों ने तोड़े अमेरिका के राष्ट्रीय स्मारक

वाशिंगटन। इजराइल और हमास आतंकियों के बीच 7 अक्तूबर से भीषण जंग जारी है। इस युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,448 हो गई है। इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग से दुनिया में हलचल मची हुई है। इस जंग में अमेरिका ने इजराइल को समर्थन दिया है जिसके बाद फिलिस्तीन नागरिक यूएस के विरोध में आ गए हैं। इसी बीच अमेरिका में रहने वाले ने फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रीय स्मारकों को तोड़ दिया है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इजराइल और हमास के बीच छिड़ी जंग के बीच अमेरिका के लिए शर्मनाक दिन है, क्योंकि यहां फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने एंड्रयू जैक्सन की मूर्ति, द जनरल मार्क्विस डी लाफायेट की मूर्ति, बेंजामिन फ्रैंकलिन की मूर्ति सहित अमेरिका के राष्ट्रीय स्मारकों को तोड़ दिया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कैसे फिलिस्तीन समर्थक इन मूर्तियों के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। इन लोगों ने फिलिस्तीनी झंडे थामे कई लोगों ने फिलिस्तीन जीतेगा के नारे लगाए। इसके अलावा इन प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस में भी सेंध लगाने की कोशिश की है। अमेरिका के अलावा फ्रांस की राजधानी पेरिस, जर्मनी की राजधानी बर्लिन और अन्य यूरोपीय शहरों में फिलिस्तीनी समर्थक हजारों लोगों में गाजा में इजराइली मबारी रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन इजराइल-हमास युद्ध में हताहतों की बढ़ती संख्या और गहराते मानवीय संकट को लेकर यूरोप के खासकर उन देशों में बढ़ रहे असंतोष को दर्शाता है, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। मध्य लंदन में प्रदर्शनकारियों ने *संघर्ष विराम अभी करो* और *मुझे विश्वास है कि हम जीतेंगे* जैसे नारे लगाते हुए सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। पेरिस में कुछ प्रदर्शनकारियों ने *गाजा में नरसंहार रोको* के बैनर दिखाए और फिलिस्तीनी झंडे थामे कई लोगों ने *फिलिस्तीन जीवित रहेगा, फिलिस्तीन जीतेगा* के नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने *मैक्रों की मिलीभगत* के नारे लगाते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर भी निशाना साधा। गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,448 हो गई है। गाजा में 24,173 और वेस्ट बैंक में 2,200 फिलिस्तीनी घायल हुए है। इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्तूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है। इन हमलों में करीब 2,50,000 इजराइली और गाजा में 15 लाख से अधिक फिलिस्तीनी विस्थापित हुए हैं।

शरणार्थियों का निष्कासन : पीएम अखुंद ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

काबुल (हि.स.)। पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के अमानवीय तरीके से निष्कासन पर अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद ने परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। पीएम अखुंद ने पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के निष्कासन की कार्रवाई को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया। एक वीडियो संदेश में अखुंद ने पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों को अमानवीय तरीके से निष्कासन नहीं करने और उन्हें प्रताड़ित किए बिना सम्मानजनक तरीके से अपने देश लौटने के लिए पर्याप्त समय देने की अपील की है। अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि उनके पास बिना दस्तावेज रह रहे शरणार्थियों को निष्कासित करने का ही विकल्प है तो वे उन्हें अपमानित क्यों किया जा रहा है। उनकी संपत्ति क्यों चुरा रहे हैं और उनके घरों को ध्वस्त क्यों कर रहे हैं। अखुंद ने अफगान शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार होने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आप पड़ोसी हैं, आपको भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। तालिबान ने शनिवार को अफगानिस्तान के निजी क्षेत्र से पाकिस्तान से निकाले जा रहे लोगों की मदद करने की अपील की। सबसे ज्यादा अफगान प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि बिना दस्तावेज के रहने वाले लोगों का सबसे बड़ा समूह यहीं है। जबरन निकाले जा रहे लोग बहुत बुरी स्थिति का सामना कर रहे हैं। उनके सामने कोई विकल्प नहीं है।

बिजली खपत बढ़ी, अप्रैल से अक्तूबर में लगभग 984.39 अरब यूनिट पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली। सरकार ने बताया है कि अप्रैल से अक्तूबर की छमाही में भारत की बिजली खपत बढ़कर 984.39 अरब यूनिट हो गई है। मुख्य रूप से आर्थिक गतिविधियों और मौसम की स्थिति में सुधार के कारण चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि में बिजली की खपत 9.4 प्रतिशत बढ़ी। भारत की बिजली खपत एक साल पहले की तुलना में लगभग 84 यूनिट बढ़ी। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल से अक्तूबर अवधि में बिजली की खपत 899.95 बिलियन यूनिट थी। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान बिजली की सबसे अधिक मांग लगभग 241 गीगावॉट से अधिक रही। 2022 की समान अवधि में बिजली की मांग केवल 215.88 गीगावॉट थी। अक्तूबर में देश की बिजली खपत लगभग 22 प्रतिशत बढ़कर 138.94 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गई। त्योहारों और बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों के कारण बिजली की मांग बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक साल पहले इसी महीने में बिजली की खपत 113.94 अरब यूनिट थी। अक्तूबर 2021 में 112.79 बिलियन यूनिट की मांग दर्ज की गई थी। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बिजली की खपत काफी बढ़ गई है। अक्तूबर 2023 में, टाटा पावर-दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के परिचालन क्षेत्र में बिजली की खपत लगभग 10.16 प्रतिशत बढ़कर 845 एमयू (मिलियन यूनिट) हो गई, जबकि अक्तूबर 2022 में 767 मिलियन यूनिट मांग दर्ज की गई थी। टाटा के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य रूप से इस साल सर्दियों की शुरुआत में देरी के कारण मांग अधिक बनी हुई है। अक्तूबर के महीने में त्योहारी गतिविधियों के कारण भी मांग में वृद्धि हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि इस साल हल्की गर्मी रही, जिसके कारण अप्रैल-मई के दौरान बिजली की खपत पिछले साल की समान अवधि की तुलना में काफी कम थी। प्रवक्ता ने बताया कि अत्यधिक आर्द्र परिस्थितियों के कारण जुलाई से मांग बढ़ने लगी थी। बिजली मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि गर्मियों के दौरान देश की बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंची। अधिकतम आपूर्ति जून में हुई, जब कुल बिजली खपत 224.1 गीगावॉट की नई ऊंचाई पर जा पहुंची। जुलाई में बिजली की मांग गिरकर 209.03 गीगावॉट हो गई। अगस्त में अधिकतम मांग 238.19 गीगावॉट तक पहुंच गई। इस साल सितंबर में बिजली की डिमांड लगभग 241 गीगावॉट थी। उद्योग विशेषज्ञों की राय में व्यापक वर्षा के कारण इस साल मार्च, अप्रैल, मई और जून में बिजली की खपत प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि अगस्त और सितंबर में बिजली की खपत बढ़ी, जिसका मुख्य कारण आर्द्र मौसम और त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक गतिविधियों का बढ़ना भी है। उन्होंने कहा कि अक्तूबर महीने में बिजली खपत में दोहरे अंक की वृद्धि त्योहारों और बेहतर आर्थिक गतिविधियों का प्रभाव दिखाती है। बता दें कि अक्तूबर में नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दशहरा के त्यौहार थे।

पृष्ठ एक का शेष

मिजोरम में विस ...

बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि मिजोरम में आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। मिजोरम का यह चुनाव अब तक का सबसे निर्णायक राज्य विधानसभा चुनाव होने जा रहा है, क्योंकि पहली बार भाजपा चुनाव में प्रमुख भूमिका निभा रही है। इससे पहले भाजपा एक या दो सीटें जीतने के लिए लड़ रही थी, लेकिन इस चुनाव में हम एक बड़ी ताकत हैं, क्योंकि हम राज्यों के विभिन्न हिस्सों में कई सीटें जीतने जा रहे हैं। रिजिजू ने आगे कहा कि लोगों का भाजपा में विश्वास है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने मिजोरम के लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भाजपा पर्याप्त सीटें जीतती है, तो वे सरकार गठन में भूमिका निभा सकते हैं। इस चुनाव के बाद से भाजपा मिजोरम में एक प्रमुख फेक्टर बनी रहेगी। अगर हम कई सीटें जीतने में कामयाब होते हैं, तो हम सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अन्यथा, हम मिजोरम के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे।

फल और सब्जियों ...

व्यापार समूहों में से एक है। विश्व और 8.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार। समझौता ज्ञापन पर एपीएएमबी के सीईओ ओकित पालिंग और कंपनी के सीएमडी जुल्फिकार कदवथ ने हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने कहा कि यह सहयोग कृषि समुदाय के लिए नए रास्ते खोलेगा, किसानों और उत्पादकों के लिए अपनी पहुंच बढ़ाने और अपने उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के अवसर पैदा करेगा। लुलु हाइपरमार्केट राज्य से विभिन्न प्रकार के कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात की सुविधा के लिए एपीएएमबी के साथ मिलकर काम करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों की समग्र भलाई को बढ़ाना है। एपीएएमबी सिंगापुर स्थित निर्यातकों के साथ भी सक्रिय चर्चा में है और गुवाहाटी से सिंगापुर तक कार्गो उड़ान का लाभ उठाने की योजना बना रहा है।

हिमंत जैसे कई ...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस उन पर भाजपा के साथ मिलने का आरोप लगाती है। लेकिन, भाजपा, नरेंद्र मोदी और अमित शाह उनके नंबर वन दुश्मन हैं। जबकि, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा को उन्होंने डबल दुश्मन करार दिया। बदरुद्दीन अजमल ने आज ये बातें ग्वालपाड़ा जिले के गोरू सटका में एक स्कूल के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस कार्यक्रम में एआईयूडीएफ के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार और ट्रक ...

गई और चार अन्य घायल हो गए। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल, पुलिस ने मामले की शिकायत दर्ज कर ली है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

जो हम असम ...

नक्सलियों को संदेश देना चाहते हैं कि वे नक्सलियों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के जरिए युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने के बदले उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए पांच लाख रुपये की राशि दे रही है। इनमें से 50 फीसदी राशि माफ कर दी जाएगी। जबकि, 50 फीसदी राशि पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां दे रहे हैं तो दूसरी तरफ उन्हें स्वरोजगार करने के लिए रुपए दे रहे हैं। राज्य की माता एवं बहनों को प्रत्येक माह निर्धारित तारीख को उनके खाते में 14 सौ रुपए दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बनने के बाद वह सभी योजनाएं लागू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान जहां भाजपा की कई योजनाओं की चर्चा की, वहीं कांग्रेस नेताओं पर एक से बढ़कर एक आरोप लगाए।

बांग्लादेश में मवेशियों ...

कि तस्करों ने मौके से भागने के लिए पुलिस टीम पर गोलीबारी की। असम पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले धुबड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में गौहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, वाहन और गोवंश को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अवैध सीमा पार व्यापार को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त और जांच तेज कर दी है।

भारत-बांग्लादेश सीमा ...

बीएसएफ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए आयुष मंत्रालय से औषधीय पौधे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, जिनमें फूल आते हैं और इन्हें इन मधुमक्खियों के छत्तों के आसपास लगाया जा सकता है, ताकि मधुमक्खियां प्रचुर मात्रा में परागण कर सकें। सुजीत कुमार ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर मधुमक्खियों के छत्ते लगाने की परिकल्पना को दो नवंबर को मूर्त रूप देना शुरू किया गया। बीएसएफ यह सुनिश्चित करेगा कि मधुमक्खी के छत्ते मधुमक्खी पालन में लगे स्थानीय लोगों के लिए सुलभ हों और इस पहल के लिए ग्रामीणों से बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

भूटान नरेश के ...

में गुवाहाटी में असम में शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत भूटान के छात्रों से मिले। उसके बाद उन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करने के लिए गोलाघाट जिले की यात्रा की। असम की वित्त मंत्री अजंता नेउग ने जोरहाट हवाई अड्डे पर राजा का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहां से वे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान सड़क मार्ग से पहुंचे। काजीरंगा के कोहरा वनांचल में उनके सम्मान में विभिन्न प्रकार की तैयारियां पहले से ही की गई थीं। काजीरंगा में उन्होंने जीप तथा हाथी की सफारी की। राजा के स्वागत में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। काजीरंगा में राजा रात्रि भोज में शामिल हुए। राजा काजीरंगा के वन्य प्राणियों को देखकर काफी रोमांचित हुए।

सबसे प्रदूषित शहरों ...

क्रमश: 206 और 162 रहा। आईक्यू एयर के डाटा के मुताबिक बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक्यूआई 189 रहा और पाकिस्तान के कराची में 162। चीन के शेनयांग शहर में सुबह एक्यूआई 159, होंगझू में भी 159, कुवैत में 155 और वुहान में 152 एक्यूआई रहा। दिल्ली में वायु प्रदूषण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है कि स्थानीय लोगों की आंखों में जलन और गले में परेशानी जैसी समस्याएं हो रही हैं। दिल्ली के कुछ इलाकों में एक्यूआई 500 के पार चला गया। बता दें कि 0-50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है। वहीं 400-500 के बीच का एक्यूआई सेहत के लिए काफी नुकसानदायक माना जाता है। जो लोग पहले से ही गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, उनके लिए इतना प्रदूषण जानलेवा साबित हो सकता है। प्रदूषण को देखते हुए सरकार भी सक्रिय हो गई है और कंपनियों को उत्पादन रोकने के निर्देश दे दिए गए हैं। स्कूलों की छुट्टियां कर दी गई हैं। सभी निर्माण कार्य भी रोक दिए गए हैं और लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है। कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की छूट दे दी है। दिल्ली में क्रिकेट विश्वकप के सोमवार को होने वाले मैच को लेकर भी आशंका पैदा हो गई है।

परमाणु हमले के विकल्प पर भड़के नेतन्याहू, इजराइली मंत्री को किया निलंबित

येरुशलम। आतंकी संगठन- हमास के ठिकानों पर गत एक महीने से सैन्य कार्रवाई हो रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू गाजा में इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) को कार्रवाई के आदेश दे चुके हैं। खबर के अनुसार, पीएम नेतन्याहू गाजा पर परमाणु हमले को *एक विकल्प* बताने वाले मंत्री को बर्खास्त कर दिया है। नेतन्याहू ने बैठक में परमाणु हमले पर चर्चा का प्रस्ताव देने वाले मंत्री को निलंबित कर दिया। इजराइल की परमाणु नीति को लेकर सरकार में शामिल धुर दक्षिणपंथी ओत्जमा येहुदित पार्टी के इजराइली मंत्री एलियाहू ने कहा कि हमास शासित गाजा पट्टी पर परमाणु बम गिराना एक विकल्प था। हालांकि, सरकारी बैठकों में परमाणु हमले की चर्चा से नाराज प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंत्री को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया। नेतन्याहू के सामने परमाणु हमले की चर्चा के बारे में एक रेडियो साक्षात्कार में, विरासत और येरूशलम मामलों के मंत्री अमीचाई एलियाहू ने कहा कि गाजा में कोई गैर-लड़ाकू नहीं हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी को मानवीय सहायता प्रदान करना विफलता होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके विचार में गाजा में कोई गैर-लड़ाके नहीं हैं तो क्या गाजा पट्टी पर परमाणु हमला भी एक विकल्प है? इस पर एलियाहू ने जवाब दिया कि यह एक तरीका है। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों से सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी सदस्य क्रोधित हो गए और उन्हें सरकार से बर्खास्त करने की मांग उठने लगी। हंगामे के बाद एलियाहू अपने बयान से पीछे हट गए और इसे प्रतीकात्मक टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी दिमाग वाले व्यक्ति के लिए यह स्पष्ट है कि परमाणु के बारे में टिप्पणी प्रतीकात्मक थी। हमें वास्तव में आतंक के प्रति एक सशक्त और असंगत प्रतिक्रिया प्रदर्शित करनी चाहिए। एलियाहू ने कहा कि इससे नाजियों और उनके समर्थकों को साफ संदेश मिलेगा कि आतंकवाद सार्थक नहीं है। यही एकमात्र सूत्र है जिससे लोकतंत्र आतंक से निपट सकता है। एलियाहू ने तनाव कम करने के लिए कहा कि यह स्पष्ट है कि इजराइल बंदियों को जीवित और अच्छे स्वास्थ्य में वापस लाने के लिए सब कुछ करने के लिए बाध्य है। खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एलियाहू को सरकारी बैठकों से अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया। पीएमओ से जारी बयान में कहा गया है कि एलियाहू युद्धकालीन निर्णय लेने में शामिल सुरक्षा कैबिनेट का हिस्सा नहीं है, न ही उसका इस्लामवादी हमास के खिलाफ युद्ध का निर्देशन करने वाली युद्ध कैबिनेट पर प्रभाव है। नेतन्याहू ने टिप्पणी को वास्तविकता से अलग कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल और आईडीएफ (इजराइल रक्षा बल) गैर-शामिल लोगों को नुकसान से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के उच्चतम मानकों के अनुसार काम कर रहे हैं। हम जीत तक ऐसा करना जारी रखेंगे। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने एलियाहू के बयानों को

कांग्रेस के *कुराज* से जनता ही नहीं, पार्टी के नेता भी त्रस्त : शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेताओं को इस बात का अहसास हो चुका है कि जनता ने पार्टी को सत्ता के सिंहासन से नीचे उतारकर पटकने का मन बना लिया है। यही वजह है कि कई मंत्रियों ने टिकट लेने से ही इंकार कर दिया है। भाजपा मीडिया सेंटर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के कई विधायक दूसरी पार्टी का दामन थाम रहे हैं। ये इस बात का द्योतक है कि कांग्रेस के कुराज से ना केवल जनता बल्कि खुद पार्टी के नेता भी त्रस्त हैं। जिस तरह कांग्रेस में एक व्यक्ति पूरी पार्टी से बड़ा होकर, पूरी पार्टी को एक तरफ रखकर कार्य कर रहा है, उसकी वजह से बहुत से नेता नाराज होकर पार्टी छोड़ रहे हैं। महादेव बेटिंग एप घोटाले के जांच की आंच छत्तीसगढ़ तक पहुंचने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि राजस्थान में घोटालों की सूची बहुत लंबी है।

मुर्दाघर के बाहर चार माह से कुत्ता कर रहा अपने मालिक का इंतजार

कोझिकोड। फिल्मों में अक्सर आपने देखा होगा कि कुत्ता कैसे अपने मालिक की मौत के बाद भी उसके इंतजार में बैठा रहता है। कुछ ऐसी ही घटना केरल के कोझिकोड में देखने को मिली। जहां एक कुत्ता अपने मालिक की मौत के बाद से मुर्दाघर के बाहर इंतजार कर रहा है। शायद उसे पता नहीं है कि उसका मालिक अब इस दुनिया में नहीं है। इस कुत्ते को लेकर सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रियाएं आ रही है। कोई इसे इंसान का साथी कह रहा है तो कोई इसे सच्ची वफादारी का नाम दे रहा है। केरल के कन्नूर जिला अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर एक कुत्ता पिछले चार महीने से इतंजार कर रहा है। अस्पताल में आने-जाने वाले लोग अक्सर इस कुत्ते को वहीं बैठा देखते हैं, जहां वह अपने मालिक का चार माह से इतंजार कर रहा है। हालांकि किसी को भी इस कुत्ते के बारे में नहीं पता है। जिला अस्पताल के अधिकारी ने कुत्ते के मालिक की पहचान करने में असमर्थ रहे हैं। कुत्ते के निरंतर निगरानी और बेबसी से अंदाजा लगाया गया कि वह अपने मालिक का इंतजार कर रहा है। अस्पताल के परिचारक राजेश कुमार ने सबसे पहले लगभग चार माह पहले मुर्दाघर के पास बैठे देखा था। उन्होंने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पहले दिन हमने कुत्ते की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन अगले दिन जब वह वहां था तो हमारा ध्यान उस पालतू कुत्ते पर पड़ा। जब हमने स्थानीय लोगों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि यह कुत्ता किसी मरीज के साथ अस्पताल आया था, जिसकी मौत हो गई। राजेश ने कहा कि उसके मालिक की अभी पहचान नहीं हुई है। आमतौर पर यह कुत्ता शवगृह में शवों को ले जाने वाले रैंप पर दिखाई देता है। हालांकि यह मोर्चरी गेट से आगे नहीं बढ़ता, बल्कि वहीं खड़े होकर इंतजार करता है। हालांकि कुत्ता अक्सर पास के फिजियोथेरेपी विभाग की इमारत में जाता है, लेकिन रात में मुर्दाघर में लौट आता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कुत्ता इलाके में आवारा कुत्तों के साथ घुलता-मिलता नहीं है। डॉ. माया गोपालकृष्णन कुत्ते को खाना देते हैं।

अजमल, कांग्रेस के शरीर में भसानी सादुल्ला का खून : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। मौलाना भसानी और सर सैयद सादुल्ला सहित असमिया विरोधी राजनीतिक ताकतें, जो मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग के साथ मिलकर असम तथा असमिया के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक अस्तित्व को हमेशा के लिए नष्ट करने की गहरी साजिश में शामिल थे। दरअसल बदरुद्दीन अजमल के विचारों और कार्यों में अभी भी जिन्ना के जीन मौजूद हैं। अजमल के ऐसे विचार और चरित्र को असम का समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। सादुल्ला और भसानी ने 1940 से पहले यही बात कही थी। स्वतंत्रता के बाद भारत में मुस्लिम लीग के सादुल्लाह का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया गया और उन्हें नेता बनाया गया। इसी तरह, भसानी पूर्वी पाकिस्तान के नेता बने। यह बातें आज प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रंजीब शर्मा ने एक बयान में कही है। शर्मा ने अपने बयान में कहा कि राज्य के मूल निवासियों ने असम को नष्ट करने की चाहत रखने वाले राजनीतिक आंदोलन के ध्वजवाहक बदरुद्दीन अजमल को खारिज कर दिया है। इसलिए, पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी दक्षिण और उत्तर असम में तीन सीटों पर ही सिमट कर रह गई है। इसी तरह, दक्षिण और मध्य असम में, कांग्रेस और अजमल मुस्लिम-बहुल निर्वाचन क्षेत्रों तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अजमल पहाड़ी और मैदानी इलाकों के आदिवासी इलाकों में मौजूद नहीं हो सकती हैं। शर्मा के मुताबिक अजमल लगातार कांग्रेस की मदद से असम में मुसलमानों का प्रभुत्व बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए पिछले विधानसभा चुनाव में अजमल और कांग्रेस के बीच दाढ़ी, टोपी और लुंगी की सरकार बनाने की चुनावी डील हुई थी। लेकिन, दोनों पार्टियां गुप्त व अघोषित समझौते के जरिए मूलवासियों को उनके अधिकार से वंचित करने की गहरी साजिश में लगी हुई हैं।

ढेकियाजुली : सड़क हादसे में 3 की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली पुलिस स्टेशन के भेरगांव सैकिया सुबुरी में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 आज सुबह हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार व्यक्ति घायल हो गए। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आज सुबह तेज रफ्तार ट्रक (एएस-17सी-6814) और तिनसुकिया से पानेरी डिमाकुची की ओर जा रहे एक चार पहिया वाहन (एएस-01ईके-8549) से टकरा गया। दुर्घटना में 24 वर्षीय ज्योतिष बारेक, 20 वर्षीय पूजा सपर और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

ऑयल इंडिया- एनएफआर नॉर्थ-ईस्ट हाफ मैराथन आयोजित

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक पहल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। नॉर्थ ईस्ट हाफ मैराथन का तीसरा चरण रविवार को बड़े उत्साह के साथ पूरा हुआ। हाफ मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम तथा रोजगार राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने ऑयल इंडिया- एनएफआर नॉर्थ ईस्ट हाफ मैराथन को आज बोगीबील ब्रिज, डिब्रूगढ़ से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और जिला प्रशासन, पीएसयू के विभिन्न अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति थे। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने बताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके उद्घाटन के बाद, बोगीबील के प्रतिष्ठित स्थल पर यह सबसे बड़ा आयोजन था। इस आयोजन में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर से भारी भागीदारी देखी गई। ऑयल इंडिया- एनएफआर नॉर्थईस्ट हाफ मैराथन, डिब्रूगढ़ को ऑयल इंडिया, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, रेलटेल, प्लासर, एलएंडटी, साई, असम एथलेटिक एसोसिएशन, असम पुलिस और विक्रन फाउंडेशन सहित अन्य ने सहयोग किया। विजेताओं में 6.5 लाख रुपए के पुरस्कार वितरित किए गए। इस स्पर्धा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित क्यूरेटर राहुल बाली द्वारा क्यूरेट किया गया था। प्रतिभागियों ने तीन अलग-अलग दौड़ श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की- पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी दौड़ हुई। पुरुषों की 21 किमी हाफ मैराथन त्रिलोक केआर ने एक घंटा 08 मिनट 44 सेकेंड में पूरी कर जीती। इसके अलावा नोडिया पातर ने 01:37:05 समय में महिलाओं की दौड़ जीती। मोनोबी सिन्हा ने पुरुषों की दौड़ 01:10:04 समय में पूरा कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि माया मेधी महिलाओं की दौड़ में 01:40:20 समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों श्रेणियों के लिए 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार राशि, पदक और प्रमाण पत्र देकर पुरुस्कृत किया गया।

मस्जिद के इमाम की हत्या मामले में एक गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के माकुम के कलाबाड़ी स्थित मस्जिद के इमाम हत्या मामले में पुलिस ने हत्या के महज कुछ घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि रविवार की सुबह फजर की नमाज की आजान के बाद मस्जिद के इमाम तजिबुर इस्लाम की बड़ी बेरहमी से धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई। घटना जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पूरी घटना के बारे में एक व्यक्ति स्वयं को चश्मदित बताकर घटना की जानकारी मीडिया और पुलिस को दी। इब्राहिम अहमद ने बताया कि फजर की अजान के बाद मस्जिद के इमाम सुन्नत नमाज भी अदा नहीं कर सके उससे पहले ही एक व्यक्ति हाथ में धारदार हथियार लेकर ईमाम पर हमला कर

दिया। मैंने इमाम को बचाने की काफी कोशिश की लेकिन हत्यारा इमाम की हत्या कर मौके से फरार हो गया। पुलिस को चश्मदित इब्राहिम अहमद पर शक हुआ पुलिस ने सख्ती से इब्राहिम से पूछताछ की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि फिलहाल जांच प्रारंभिक स्तर पर है। इसलिए विस्तृत जानकारी साझा नहीं किया गया है। इब्राहिम ने ही मस्जिद की इमाम की हत्या की है।

परशुराम सेवा सदन में कंप्यूटर कक्षा सहित वास्तु भंडार का लोकार्पण किया गया

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन (ब्राह्मण भवन) में जरूरतमंद लोगों एवं मातृशक्ति को आर्थिक रूप से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सीखो कमाओ और बढ़ो योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कंप्यूटर एवं आधुनिक शिक्षा से जुड़े उपकरणों से सुसज्जित शिक्षाकक्ष का विधिवत उद्घाटन वैदिक मंत्रोचार के साथ श्याम सुंदर पारीक, तेजपाल शास्त्री, संपत मिश्र, बजरंग दाधीच और मुकेश पंडित ने फीता काटकर किया। इस शिक्षाकक्ष में अकाउंटिंग, सॉफ्टवेयर, ज्योतिष विज्ञान, फैशन डिजाइनिंग, वीडियो एवं फोटोग्राफी जैसे अनेक अर्थ अर्जन एवं स्वरोजगार में सहायक विषयों की शिक्षा प्रदान की जाएगी। तीन कंप्यूटर के इस कक्ष में एक कंप्यूटर ज्योतिष चर्चा के लिए रहेगा। इसके अलावा वस्तु भंडार में नए बर्तन लाकर वस्तु भंडार का भी शुभारंभ किया गया। जिसमें समारोह आदि में काम आने वाले बर्तन आदि उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर गत दिनों पितृ पक्ष में परशुराम सेवा सदन में विप्र समाज के 71 से भी अधिक मनीषी पंडित पुरोहितों के

समूह द्वारा भागवत साप्ताह का आयोजन किया गया था। इस कार्य में शैष बची धनराशि एक लाख अड़सठ हजार सात सौ रुपया की राशी कथा आयोजन कर्ता विप्र समाज ने श्री मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट को अर्पित किया। ब्राह्मण सभा ट्रस्ट ने सभी मनीषी पुरोहितों का सम्मान किया। इस अवसर पर दिनेश परीक, दिनेश बायला, चंद्र प्रकाश शर्मा शिवकुमार पारीक परमेश्वर भाटीवाल, अनिल मटोलिया सहित कई गणमान्य विप्र समाज के सदस्य उपस्थित थे।

सम्मेलन की कामरूप शाखा का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा ने फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में अपने शाखा सदस्यों के बीच पारिवारिक व आत्मीय संबंध को और अधिक मजबूत करने के लिए दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसका शुभारंभ सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा,उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, महामंत्री विनोद लोहिया,निवर्तमान महामंत्री अशोक अग्रवाल, सलाहकार अरुण अग्रवाल व कृष्ण कुमार जालान ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, शाखा मंत्री संजय खेतान,शाखा कोषाध्यक्ष उमाशंकर गट्टानी उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष के स्वागत भाषण के पश्चात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा और महामंत्री विनोद लोहिया ने कामरूप शाखा के कार्यों की सराहना करते हुए सभी को

दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शाखा मुखपत्र कामरूप दर्पण का विमोचन अतिथियों के कर कमल से किया गया। मुखपात्र के संपादक मंडली रतन अग्रवाल सीए,कंचन शर्मा, रतन अग्रवाल ने स्मारिका में प्रकाशित लेख व कविताओं के लेखकों को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक सेवा में चयन होने के लिए पूजा पिंचा के माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। असम बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने वाले हितार्थ और हार्वीका महनोत को भी मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विनोद शर्मा और सीमा दास ने गीत संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इससे पहले शाखा की महिला सदस्योंओ ने राजस्थानी देशभक्ति गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतिभा एक खोज के विजेताओं के अलावा नंदिनी पटवारी, हितार्थ सिंघानिया, विज्ञाता मुंदडा और प्रीत अग्रवाल ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा रूद्र गौड़, मयंक शर्मा, अंकित अग्रवाल और बाबूलाल नवलखा ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश मुंदड़ा ने किया तथा संयोजक विनोद शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

होजाई व रंगिया में सुधाकंठ भूपेन हजारिका की याद में मनाया गया स्मृति दिवस

होजाई (होसं)। होजाई शंकरदेव कृष्टि विकास केंद्र द्वारा आयोजित भूपेन हजारिका मृत्यु दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन शंकरदेव कृष्टि विकास केंद्र के अध्यक्ष केशव काकती ने सर्वप्रथम झंडा उतोलन कर किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आए वरिष्ठ पत्रकार जियाऊर रहमान, होजाई जिला वन विभाग अधिकारी कनक वैश्य, वन संरक्षक चमपक डेका, समाजसेवी नजरुल इस्लाम, लंका हाईस्कूल शिक्षक प्रताप चंद्र हातिमरीया, समाजसेवी गोपाल साहू, समाजसेवी राज गुप्ता सहित वरिष्ठ लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद सभी अतिथियों ने भूपेन हजारिका के मूर्ती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पितकी। शंकरदेव कृष्टि विकास केंद्र के सभागार में कार्यक्रम के शुरुआत में उपस्थित होजाई जिला वन विभाग अधिकारी कनक वैश्य को फुलाम गामोछा औ सराई से सम्मानित किया गया। साथ ही शहीद जय चन्द्र सिंह स्मारक *वृक्ष मित्र बटा* श्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा शिक्षागुरु प्रताप चंद्र हातिमौरीया को भी देवकुंवरी साहू स्मारक शिक्षाप्रद बटा पुरस्कार दिया गया। वहीं शंकरदेव कृष्टि विकास केंद्र के सभागार को बनवाने में सहयोग राशि के तौर पर सहायता करने वाले पूर्व शिक्षागुरु गोपाल साहू तथा प्रकृतिप्रेमी जयबाबू सिंह को भी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। जिन्होंने अपने शिक्षक जीवन की सभी जमापूंजी लंका-लमडिंग रोड के किनारे विभिन्न प्रकार के पौधरोपण कर डिवाइडर पर फुलों का बागीचा लगाया। इस दौरान उन्हें भू फुलाम गामोचा से सम्मानित किया गया। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार समूचे राज्य के साथ-साथ कामरूप जिला प्रशासन ने भी रविवार को डॉ. भूपेन हजारिका का स्मृति दिवस मनाया। इस मौके पर सुबह जिला आयुक्त कार्यालय के सामने बनी सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर जिले के अतिरिक्त आयुक्त कमल बरुवा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने भारत रत्न व संगीतकार की स्मृति में एक संक्षिप्त भाषण भी दिया। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इससे पहले जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय ने स्थायी लाउडस्पीकर के माध्यम से भूपेन हजारिका के कालजयी गीतों की प्रस्तुति की।

उत्सव की *दिवाली एडिट* प्रदर्शनी आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी त्योहारों के मद्देनजर *उत्सव* की ओर से एक दिवसीय *दिवाली एडिट* नामक प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन शुक्रवार को किया गया, जिसमें युवतियों एवं महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। पलटन बाजार स्थित होटल नंदन में आयोजित इस एक दिवसीय फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का उद्घाटन जानी मानी फिटनेस सलाहकार तथा मुख्य अतिथि रुचि भारद्वाज बोरा ने किया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में वुमानियाज की संस्थापक दिव्या सियोटिया, उत्सव प्रदर्शनी की संस्थापक नेहा अग्रवाल व स्वीटी अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। आयोजक नेहा अग्रवाल ने बताया कि उनकी इस एक दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री में वोकल फॉर लोकल

को प्राथमिकता दी गई है। स्थानीय महिलाओं के स्टॉलों के अलावा दिल्ली, कोलकाता, रायपुर, जयपुर आदि के भी स्टॉल लगाए गए थे। प्रदर्शनी में युवती एवं महिलाओं ने पारंपरिक व वेस्टर्न परिधानों के अलावा फैंसी दीये, बंदनवार, घरेलू साज-सज्जा से जुड़ी वस्तुएं आदि की खरीददारी की। आयोजक स्वीटी अग्रवाल ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य इस प्रदर्शनी सह बिक्री के माध्यम से महिला उद्यमियों को एक मंच पर लाकर उनके कलेक्शन व डिजाइन को लोगों तक पहुंचाना है। आगमी दिवाली के मद्देनजर महिलाओं एवं युवतियों की मांग को ध्यान में रखते हुए एक दिवसीय फैशन एंड लाइफ स्टाइल एक्जिविशन का आयोजन किया गया था, जिसकी सभी ने खुले दिल से सराहना की।

मिस नॉर्थ-ईस्ट इंडिया 2023 किड्स मिस सेकेंड रनर-अप का खिताब ऋचा ईयामीन खान के नाम

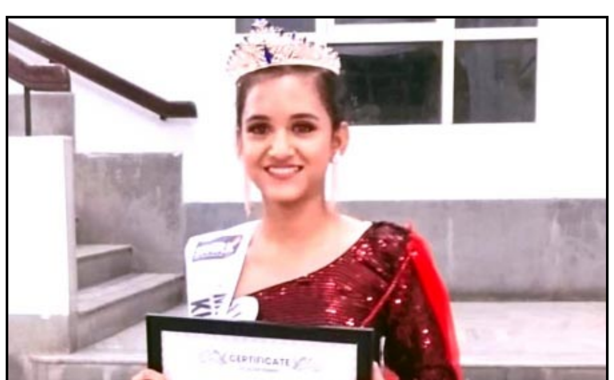

रंगिया (विभास)। जीता *मिस नॉर्थईस्ट इंडिया 2023* किड्स मिस सेकेंड रनर-अप का खिताब रंगिया नगर के वार्ड नंबर 7 के निवासी राजीव खान उर्फ जोंटी की इकलौती बेटी ऋचा ईयामीन खान ने गुवाहाटी के माछखोवा में आयोजित हुए *मिस नॉर्थईस्ट इंडिया 2023* किड्स मिस सेकेंड रनर-अप में खिताब अर्जित किया। फातिमा कॉन्वेंट की सातवीं कक्षा की छात्रा ऋचा ईयामीन खान की इस सफलता से परिवार के लोगों सहित स्कूल के शिक्षकों और छात्रों के साथ-साथ सभी उत्साहित हैं।

अल्फा (स्व) कैडर ने किया आत्मसमर्पण

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिला के नहरकटिया में एक और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) स्वाधीन (स्व) के कैडर ने आत्मसमर्पण किया है। अल्फा (स्व) कैडर माधव चेतिया उर्फ सूरज असम ने नाहरकटिया स्थित जयपुर सैन्य छावनी में आत्मसमर्पण किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि अल्फा (स्व) सदस्य ने बीती रात जयपुर में भारतीय सेना के शिविर में हैंड ग्रेनेड के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। माधव चेतिया वर्ष 2021 में अल्फा (स्व) में शामिल हुआ था। माधव मूल रूप से असम के शिवसागर जिला दिसांगमुख गांव का रहने वाला है। इस बीच, जयपुर में सेना छावनी ने अल्फा (स्व) सदस्य को नामरूप पुलिस को सौंप दिया है। नामरूप पुलिस अल्फा (स्व) कैडर को गुप्त स्थान पर रखकर उससे पूछताछ जारी रखे हुए है। ज्ञात हो कि दो दिन पूर्व भी एक अल्फा (स्व) कैडर ने म्यांमार कैंप से भागकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। कैडरों के आत्समर्पण करने को लेकर यह कहा जा रहा है कि युवाओं का अल्फा से अब मोहभंग होने लगा है।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन की कार्यकारिणी सभा आयोजित

गुवाहाटी। आज प्रात: 11.15 बजे से छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन में पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन की कार्यकारिणी सभा संपन्न हुई। सर्वप्रतम गणेश वंदना पंडित श्री भागीरथ जी रिंगवा द्वारा प्रस्तुत की गई। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज की सभा का मुख्य उद्देश्य आगामी दीपावली मिलन समारोह के आयोजन और प्रांत की सभी शाखा सभाओं का पुर्नगठन करना है। कन्हैयालाल पीपलवा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आगामी दीपावली मिलन समारोह हमारी अपनी संस्था कांडल विप्र संगठन, गुवाहाटी के तत्वावदान में संपन्न किया गया, उस पर चर्चा में भाग लेते हुए राजकुमार सोनी, रामस्वरूप जोसी ने इसका समर्थन करते हुए कहा कि सर्वप्रतम आज खांडल विप्र संगठन, गुवाहाटी शाखा की एक अडप्ट केटी बनाई जाए और उस कमेटी के अधीन यह दीपावली मिलन समारोह संपन्न

करवाया जाए। उपस्थित सभसादों सर्वसम्मति से गोवर्दन रिंवा (अध्यक्ष) महेश जोशी (मंत्री) पवन पीपलवा (कोषाध्यक्ष) और जुगल भढाढरा तथा रामरतम छोरिछा (सदस्य) के रूप में नियुक्ति की गई। आगे सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी दीपावली मिलन समारोह 14 नवंबर, 2023 वार शनिवार सांय 4 बजे से छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन में आयोजित होगा। जिसमें `क सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का कार्यभार श्रीमति मंगलता मंगलोहरा को संयोजिका के रूप में दिया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष गोवर्दन रिंगवा ने उपस्थित सभी समासदों से समस्त कांडल बंधुओं से संपर्क कर उस आयोजन को सफल बनाने के लिए निवेदन किया। आज की सभा में गुवाहाटी से विनोद कुमार पीपलवा भी उपस्थित रहे। सभी सभासदों को धन्यवाद देते हुए प्रांतीय महामंत्री लक्ष्मीपत माटोरिया ने सभा समाप्ति की घोषणा की। उस आशय की जानकारी प्रांतीय महामंत्री (संगठन) प्रभुदयाल ने दी।

जनजातीय समाज को कांग्रेस ने अंधेरे में रखकर लूटा, अब गुमराह कर लूटने की तैयारी में : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश के सिवनी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जनजातीय समाज की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जनजातीय समाज को पहले अंधेरे में रखकर लूटा और अब गुमराह कर कर लूटने की तैयारी कर रही है। नरेन्द्र मोदी ने चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा की सत्ता में वापसी पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भी इस बात का स्पष्ट अंदाजा है इसलिए वह चुनाव लड़ने का केवल ढोंग कर रही है। इसका मकसद केवल चंदा इकट्ठा करना है। वहीं कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की नहीं बल्कि अपने बेटे को सेट करने की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस के दो बड़े नेता इस बात पर तकरार कर रहे हैं कि किसका बेटा कांग्रेस का मुखिया बनेगा। इस दौरान परिवारवाद पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उपलब्धियों के नाम पर यहां केवल दादा-दादी और नाना नानी के किस्से सुना जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना को 5 साल का विस्तार दिए जाने को एक उपलब्धि बताया और कहा कि कोरोना काल में ही इस बात पर उन्होंने मन बना लिया था कि किसी गरीब का चूल्हा बुझने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों तक देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन दिया जाएगा। केंद्र सरकार इस पर लाखों करोड़ों रुपये खर्च करेगी। कांग्रेस की सरकार में लाखों करोड़ों रुपये के घोटाले होते थे लेकिन उनकी सरकार में लाखों करोड़ों रुपये खर्च करके लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने किसानों के लिए यूरिया की कीमत बढ़ने नहीं देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका और पड़ोसी देशों में यूरिया 3000 से 4000 में मिल रहा है जबकि भारत में इसकी कीमत 300 के आसपास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार एक ही परिवार का गुण गाती है। भाजपा सरकार ने जनजातीय महापुरुषों को स्थान दिया है। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। भोपाल के रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलावती पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिन कारीगरों को कांग्रेस सरकार ने कभी पूछा भी नहीं, सरकार उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना लेकर आई है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि देश में मोबाइल की कीमतें काफी कम है और डाटा की कीमतें भी अन्य देशों के मुकाबले बहुत कम है। यह सब उनकी सरकार के फैसलों के चलते हुआ है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विकास का काम नहीं करती, लेकिन गरीब की जेब जरूर साफ कर देती है। कांग्रेस वाले कर्जमाफी की झूठी घोषणाएं करते हैं। पांच साल पहले भी इनके नेता कहते थे 10 दिन में कर्ज माफ करेंगे। 10 दिन तो छोड़िए, डेढ़ साल का समय इनको मिला, लेकिन ये किसान का कर्ज नहीं माफ कर पाए।

भुज में संघ की कार्यकारी मंडल की बैठक, नेपाल भूकंप त्रासदी पर जताया दुःख

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के उद्घाटन सत्र में ही नेपाल में आए भूकंप से हुई त्रासदी और लोगों की मौत पर दुःख जताया गया। इसके साथ ही बीते दिनों में जीवन लीला पूर्ण करने वाले समाज जीवन के महत्वपूर्ण लोगों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार कार्यकारी मंडल की बैठक रविवार दिनांक 05 नवंबर को प्रातः 9:00 बजे प्रारंभ हुई। बैठक का आयोजन भुज (जि. कच्छ, गुजरात) स्थित श्री कच्छी लेवा पटेल समाज, सरदार पटेल विद्या संकुल में किया जा रहा है। बैठक में हाल ही में नेपाल में आये भूकंप में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पिछले दिनों भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, नागपुर में आयी हुई बाढ़ और उससे प्रभावित समाज के विभिन्न लोगों के लिए स्वयंसेवकों द्वारा की गई सहायता और सेवाकार्य की जानकारी इस बैठक में दी गई। इसके अलावा देश और समाज के लिए विशेष योगदान देने वाले महानुभाव, जिनका गत कुछ अंतराल में देहावसान हुआ है, ऐसे

सभी महानुभावों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उस में प्रमुख रूप से रा. स्व. संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय रंगाहरि, मदनदास देवी, जयंत सहस्त्रबुद्धे, हरिभाऊ बझे और समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे कि प्रसिद्ध पत्रकार वेदप्रताप वैदिक, प्रसिद्ध चिंतक-लेखक तारिक फतेह, सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ. बिंदेश्वर पाठक, क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री व संस्थापक सदस्य कमांडर बालाकृष्ण जयसवाल, उत्तराखण्ड आन्दोलनकारी एवम महिला आयोग की अध्यक्ष सुशीला बलूनी, पद्म भूषण एन. विठ्ठल (आईएएस) सहित अन्य को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मातृश्री धनबाई प्रेमजी गंगाजी भुडिया कॉम्युनिटी हॉल में कार्यकारी मंडल की बैठक का शुभारंभ सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करके किया। बैठक में देशभर से संघ दृष्टि से 45 प्रांतों व 11 क्षेत्रों के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य तथा कुछ विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्रियों सहित लगभग 382 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। बैठक के प्रारंभ में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बैठक में आए हुए सभी अपेक्षित प्रतिनिधियों का स्वागत किया। बैठक में संघ शताब्दी की दृष्टी से कार्य विस्तार के लिए बनी योजना की समीक्षा, संघ प्रशिक्षण अभ्यास क्रम विषयों पर चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त सरसंघचालक मोहनजी भागवत के विजयादशमी उद्बोधन में आए विषयों प्रकृति विरुद्ध जीवनशैली, जलवायु परिवर्तन का विश्व पर प्रभाव, सुरक्षा, स्व आधारित युगानुकूल नीति आदि विषयों पर चर्चा होगी। सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, गौसेवा, ग्राम विकास व अन्य गतिविधियों में चल रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी ली जाएगी। यह बैठक 7 नवंबर को सायंकाल 6 बजे संपन्न होगी।

हाटी समुदाय ने सुक्खू सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, आंदोलन की चेतावनी

शिमला, (हि.स.)। सिरमौर जिले के हाटी समुदाय को केंद्र सरकार को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर हिमाचल प्रदेश सियासत गरमा गई है। हाटी समुदाय को केंद्र सरकार को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए पूरी संवैधानिक प्रक्रिया के बाद राष्ट्रपति ने अधिसूचना जारी कर दी गई है। हालांकि अब तक प्रदेश में यह कानून लागू नहीं हुआ है। इससे खफा हाटी समुदाय ने प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सिरमौर हाटी विकास मंच ने सुक्खू सरकार पर संविधान और संसद का अपमान करने का आरोप लगाया और गिरीपार इलाके की जनता के लिए जल्द से जल्द अनुसूचित जनजाति दर्जा देने को लेकर बने कानून को लागू करने की मांग की। हाटी नेताओं ने अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया को भी जल्द शुरू करने की मांग की है सिरमौर हाटी विकास मंच के प्रवक्ता रमेश सिंगटा ने रविवार को शिमला में पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जानबूझकर प्रदेश के हाटी समुदाय को जनजाति दर्ज देने को लेकर बने कानून को लागू करने में देरी कर रही है। सिंगटा ने कहा कि सरकार संविधान और संसद का अपमान कर रही है। उन्होंने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि अब बातचीत का दौर खत्म हुआ

और अब हाटी समुदाय सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा। सिंगटा ने कहा कि हाटी समुदाय राज्य सरकार को दिवाली तक का समय देता है, अगर दिवाली तक हाटी समुदाय को ट्राइबल दर्जा लागू नहीं किया जाता है तो हाटी समुदाय सड़कों पर उतरेगा और राज्यपाल का दरवाजा भी खटखटाएगा।

उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति समुदाय अगर ट्राइबल का हिस्सा नहीं बनना चाहता है तो उनकी इच्छा है और हाटी समुदाय को इसमें कोई आपत्ति नहीं है। मगर जिन लोगों को केंद्र सरकार की ओर से यह सौगात दी गई है, उनके लिए राज्य सरकार जल्द से जल्द कानून को लागू करें ताकि लाभार्थी व्यक्ति भी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि हाटी मामले में राज्य सरकार पूरी तरह से कन्फ्यूज्ड है। इसे लटकाने के लिए कभी लॉ डिपार्टमेंट को फाइल भेजी गई तो कभी जनजातिय मंत्रालय को। राज्यसरकार ऐसा इसलिए कर रही है ताकि किसी तरह इस मुद्दे को आम चुनाव तक टाला जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार हाटी समुदाय से जुड़े छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकारी नौकरियों के विज्ञापन जारी कर रही है। लेकिन एसटी सर्टिफिकेट न बनने से वे इसके लिए पात्र नहीं हो पा रहे हैं। इससे छात्रों में रोष और बढ़ गया है। बता दें कि जहां एक तरफ हार हाटी नेता जल्द से जल्द कानून को लागू करने और लाभार्थी व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति सर्टिफिकेट बनाने की सेवा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार अधिसूचनाओं में विरोधाभास के चलते देरी होने को वजह बता रही है। दरअसल इसी क्षेत्र की अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा ट्राइबल दर्ज न लेने को लेकर न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है।

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण की वजह से प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक रहेंगे बंद

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते प्राथमिक स्कूल शुक्रवार (10 नवंबर) तक बंद रहेंगे। हालांकि छठवीं से 12वीं तक के स्कूलों को ऑनलाइन क्लास लेने का विकल्प दिया गया है। दिल्ली सरकार की शिक्षामंत्री आतिशी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर कहा कि वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बहुत खराब बना हुआ है। इसलिए दिल्ली में प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। ग्रेड 6-12 के लिए स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाओं में शिफ्ट होने का विकल्प

दिया गया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के ऊपर बना हुआ है। इसके चलते राजधानी की आबोहवा खतरनाक स्तर तक प्रदूषित है। इसको लेकर कई स्तर की पाबंदी लगाई गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक स्कूल शुक्रवार से ही बंद हैं।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दी चेतावनी, कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे तो होगी कार्रवाई

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि यदि वे प्रदर्शन करेंगे तो उनपर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन का अपने कर्मचारियों को प्रदर्शन और हड़ताल करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी देने वाला आदेश उनके साथ नाइंसाफी है। अब्दुल्ला ने कहा कि नेकां सरकारी कर्मचारियों के साथ खड़ी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से कर्मचारियों की समस्याएं और मुद्दे सुलझाने का आग्रह किया। नेकां अध्यक्ष ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि यह उनके खिलाफ नाइंसाफी है। नेकां उनके साथ खड़ी है। हम सरकार से अपील करते हैं कि उन्हें उनके मूल अधिकार दिए जाएं। अगर सरकार चलाने वाले ही काम नहीं करेंगे, तो सरकार कैसे चलेगी? मैं उपराज्यपाल से अपील करता हूं कि वह इस पर ध्यान दें और कर्मचारियों की मुश्किलें दूर करने की कोशिश करें। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शुक्रवार को कर्मचारियों को उनके प्रस्तावित आंदोलन के साथ आगे बढ़ने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा था कि इस तरह के कृत्यों को लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, जेएईएफ की जम्मू शाखा ने संभागीय आयुक्त रमेश कुमार के साथ बैठक के बाद शनिवार को अपना आंदोलन स्थगित करने का फैसला किया। उसने कश्मीर शाखा से भी फैसले का पालन करने का अनुरोध किया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के सरकारी कर्मचारियों ने 20 अक्टूबर को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू करने की धमकी दी थी और कहा था कि चार नवंबर को जम्मू और श्रीनगर में एक साथ विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने चंद्रगिरि में जैन मुनि विद्यासागर से लिया आशीर्वाद

रायपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के आस्था के केंद्र डोंगरगढ़ पहुंचकर माता बम्लेश्वरी के दर्शन करने के बाद चंद्रगिरि में जैन मुनि विद्यासागर से आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एक्स पोस्ट के जरिए इस फोटो साझा करते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर धन्य महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी सुबह माता बम्लेश्वरी के दर्शन करने पहुंचे। उनके साथ डॉ रमन सिंह भी

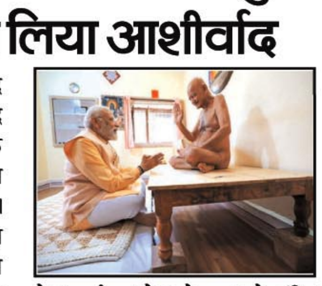

थे। कार्यक्रम के मद्देनजर पूरे मंदिर क्षेत्र की दुकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए थे। सुरक्षा कारणों से लोगों ने मंदिर क्षेत्र में मीडिया का प्रवेश निषेध किया गया है।

अब तीनों सेनाओं में सभी रैंक की महिलाओं को मिलेगा एक समान अवकाश

– रक्षामंत्री ने महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए दी छुट्टियों को मंजूरी

– महिलाओं को पेशेवर और पारिवारिक जीवन में बेहतर संतुलन बनाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। अब तीनों सेनाओं में सभी रैंक की महिलाओं को मातृत्व और बच्चों की देखभाल के लिए एक समान अवकाश मिलेगा। छुट्टी के नियमों में विस्तार करने और एक समान रूप से लागू करने पर सशस्त्र बलों की सभी महिलाओं को अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के बराबर मातृत्व, बाल देखभाल और बाल गोद लेने की छुट्टियों के नियमों के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को समान रूप से छुट्टियां मिलेंगी, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक में कार्यरत हों। रक्षा मंत्रालय का यह फैसला सशस्त्र बलों में सभी महिलाओं की समावेशी

भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। छुट्टी नियमों में विस्तार देने से सशस्त्र बलों से संबंधित महिलाओं को पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों से निपटने में काफी मदद मिलेगी।

इससे सेना में महिलाओं की कार्य स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर और पारिवारिक जीवन के क्षेत्रों में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का हमेशा से मानना रहा है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में अपने पुरुष समकक्षों के बराबर होना चाहिए। इसीलिए तीनों सेनाओं ने महिलाओं को सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के रूप में शामिल करके एक आदर्श बदलाव की शुरूआत की है। महिला अग्निवीरों की भर्ती से सशस्त्र बल देश की भूमि, समुद्र और हवाई सीमाओं की रक्षा के लिए महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति से सशक्त होंगे। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन में ऑपरेशनल रूप से तैनात होने से लेकर युद्धपोतों पर तैनात होने के साथ-साथ आसमान पर हावी होने तक भारतीय महिलाएं अब सशस्त्र बलों में लगभग हर क्षेत्र में बाधाओं को तोड़ रही हैं। 2019 में भारतीय सेना में सैन्य पुलिस कोर में सैनिकों के रूप में महिलाओं की भर्ती के माध्यम से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की गई है।

राहुल गांधी ने बाबा केदार के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

देहरादून (हि.स.)। कांग्रेस नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी केदारनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने बाबा केदार के दर्शन कर पूजा अर्चना की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज हेलीकाप्टर से केदारधाम पहुंचे। उन्होंने बाबा के धाम में पूजा-अर्चना कर पुजारियों से भेंट मुलाकात की। यह राहुल गांधी की निजी यात्रा बताई जा रही है। राहुल गांधी ने अपनी इस उत्तराखंड दौरे पर पार्टी पदाधिकारियों से भेंट का कोई कार्यक्रम नहीं रखा है। इस यात्रा को पूरी तरह गोपनीय

रखा गया है। वह कहां रुकेंगे, कहां रहेंगे? इस बात की भी जानकारी नहीं दी गई है। फिलहाल मंगलवार को केदारनाथ से दिल्ली के रवाना होंगे।

नीति आयोग की 'समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार' विषय पर कार्यशाला आज

अजय कुमार

नई दिल्ली। नीति आयोग आज नई दिल्ली के होटल ताज महल में समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा। कार्यशाला का उद्देश्य समावेशी व्यापार के क्षेत्र में घरेलू आउटरीच, स्वामित्व और परिणामों के कार्यान्वयन को बढ़ाना और व्यापक बनाना है यह कार्यशाला नई दिल्ली में जी-20 के दौरान विभिन्न विषयों पर आयोजित होने वाली 10 फीडर विषयगत कार्यशालाओं की श्रृंखला का हिस्सा है।

कार्यशाला में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) के मानचित्रण, समावेशी, टिकाऊ और लचीले जीवीसी को बढ़ावा देने, समावेशी व्यापार, गैर-टैरिफ उपायों (एनटीएम) में पारदर्शिता, वित्त व्यापार, बाजार पहुंच, जिलों से निर्यात को बढ़ावा देने, एमएसएमई और अन्य के एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के मुद्दे पर व्यापक चर्चा होगी।

राजस्थान विस चुनाव : भाजपा की पांचवी सूची जारी, पत्रकार गोपाल शर्मा को मिला टिकट

जयपुर, (हि.स.)। विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इस सूची में 15 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी ने राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव और पत्रकार गोपाल शर्मा को भी उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने दो विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीद्वारों को बदल दिया है। पार्टी ने जयपुर की चर्चित सीट किशनपोल से एक नए चेहरे को उतारा है। करीब एक हफ्ते पहले भाजपा में शामिल होने वालीं पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल को टिकट नहीं मिला है। चुनाव के लिए पार्टी अब तक 197 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। अब तीन सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होना शेष है। भाजपा की सूची के अनुसार हनुमानगढ़ से अमित चौधरी, कोलायत से अंशुमान सिंह भाटी, सरदारशहर से राजकुमार रिणवा, शाहपुरा से उपेन यादव, सिविल

लाइन्स से गोपाल शर्मा, किशनपोल से चंद्रमोहन बटवाड़ा, आदर्श नगर रवि नैयर, भरतपुर से विजय बंसल, राजाखेड़ा से निरजा अशोक शर्मा, मसूदा से अभिषेक सिंह, शेरगढ़ से बाबूसिंह राठौड़, मावली से केजी पालीवाल, पिपल्दा से प्रेमचंद गोचर, कोटा उत्तर से प्रहलाद गुंजल और बारां- अटरु से राधेश्याम बैरवा को उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने कोलायत (बीकानेर) से भाजपा के दिग्गज नेता देवीसिंह भाटी के परिवार में पहले से दिए गए टिकट को बदल दिया है। उनकी बहू की जगह उनके पोते को टिकट दिया गया है।

वहीं, बारां-अटरू से सारिका चौधरी की स्थान पर राधेश्याम बैरवा को उम्मीदवार बनाया है। अब बाड़ी, बाड़मेर और पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारों के नाम घोषित होना शेष है। भाजपा ने पहली लिस्ट में 41, दूसरी लिस्ट में 83 और तीसरी-चौथी लिस्ट में 60 उम्मीदवार घोषित किए थे।

मप्र विस चुनाव : अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस और उसकी गारंटियों को बताया झूठा

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठी है। उसकी गारंटियां भी झूठी हैं। कांग्रस ने हिमाचल में सात गारंटियों में से एक को भी पूरा नहीं किया। न 1500 रुपये बहनों के खाते में अभी तक आए, न दूध का दाम 100 रुपये लीटर किया गया। मध्यप्रदेश में अब चुनाव है तो कांग्रेस नया चोला पहनकर नई गारंटियां दे रही है। किसानों का कर्ज माफी की गारंटी पूरी नहीं की गई, युवाओं को रोजगार नहीं दिया गया। जनता समझदार है वो कांग्रेस के झासे में नहीं आएगी। केंद्रीय मंत्री ठाकुर रविवार को भोपाल में भाजपा के प्रदेश मीडिया सेंटर में पत्रकार-वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार ने 15 महीने के शासनकाल में एक भी गारंटी को पूरा नहीं किया। राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में आकर कहा था, सभी किसानों की कर्ज माफ कर दिया जाएगा। दो लाख का कर्ज माफ की गारंटी को पूरा नहीं किया गया। बेरोजगारी भत्ता देने की गारंटी भी फेल हो गई। यहां तक की कांग्रेस ने प्रदेश में कन्यादान योजना तक में 51 हजार रुपये देने का वादा तक पूरा नहीं किया।

युवाओं के साथ भाजपा सरकार – उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को रोजगार देने की दिशा में कई सार्थक कदम भाजपा सरकार ने उठाए। युवाओं को लर्निंग के साथ अर्निंग के तौर पर मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का लाभ युवाओं को मिल रहा है। यह भाजपा सरकार की सोच बताती है कि युवाओं को किस तरह से आगे बढ़ाकर प्रदेश को विकसित राज्य की दिशा में लगातार आगे बढ़ाना है। कांग्रेस के शासनकाल में मध्यप्रदेश बीमारू राज्य था, लेकिन अब भाजपा राज में बेमिसाल बन गया है।

पांच साल 80 करोड़ लोगों को मिलेगा मुफ्त राशन – केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना काल में केवल एक ही बात की चिंता कि कोई गरीब भूखा नहीं सोए। प्रधानमंत्री ने अब आने वाले पांच साल तक और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा की है। उज्ज्वला योजना हो या किसानों के बैंक खाते में सीधे रुपये आने का, इसका फायदा मध्यप्रदेश की जनता को भी बड़े स्तर पर मिल रहा है।

एमपी में महिलाओं का सम्मान, राजस्थान में अपमान – उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण कर रही है उन्हें आर्थिक तौर पर मजबूत बना रही है। वहीं राजस्थान में कांग्रेस सरकार के राज में महिला अत्याचार चरम पर है। महिलाओं का राजस्थान में तिरस्कार किया जा रहा और मध्यप्रदेश में पुरस्कार दिया जा रहा।

छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार करो, भू-पे करो – अनुराग ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में तो अब यह कहावत चल पड़ी है कि भ्रष्टाचार करो भू-पे करो। प्रदेश में 508 करोड़ का महादेव ऐप सट्टा घोटाले ने वहां के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सारी पोल खोलकर रख दी हैं। इसके पहली भी गोबर, गोठान और शराब घोटाला छत्तीसगढ़ में सामने आ चुके हैं। कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार की दुकान फल फूल रही है।

कांग्रेस की सात गारंटियां फेल – उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सात गारंटियां फेल हो गई। महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने की गारंटी पूरी नहीं हुई। एक लाख नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन एक हजार को भी नौकरी नहीं दी गई। गोबर दो रुपये किलो और दूध उत्पादकों से सौ रुपये लीटर दूध खरीदा जाएगा, यह गारंटी भी अधूरी है। वहां 300 यूनिट बिजली फ्री की गारंटी भी पूरी नहीं हो पाई। 680 करोड़ का स्टार्टअप फंड का देने की गारंटी दी गई थी, लेकिन 60 करोड़ भी मिल जाते तो बड़ी बात थी। कांग्रेस सरकार ने मोबाइल क्लीनिक से हर गांव में मुफ्त इलाज की गारंटी दी गई थी, लेकिन लोगों को बाहर इलाज करना पड़ रहा है। बागवानों को कहा गया था कि बागवान खुद फलों का दाम तय करेंगे, लेकिन अभी तक गारंटी पर कांग्रेस सरकार का कोई ध्यान नहीं है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि झूठे दावे, झूठे वादे, कांग्रेस के नहीं है नेक इरादे, इसलिए चुनावों में कांग्रेस पर भरोसा नहीं करें और भाजपा प्रत्याशियों को जिताकर प्रदेश के विकास को जो रास्ता खुला है उसे चालू रखे।

देश के 5 लाख मंदिरों के चारों ओर होगा अयोध्या जैसा आनंदोत्सव : चम्पत राय

अयोध्या, (हि स)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में जब राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो रहा होगा उसे समय देश के 5 लाख मंदिरों के चारों ओर अयोध्या जैसा ही आनंद उत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स-रसंघचालक डॉक्टर मोहन राम भागवत, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। चम्पत राय रविवार को श्रीराम जन्मभूमि के सुग्रीव किला परिसर में आयोजित 'पूजित अक्षत कलश वितरण' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। चम्पत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के 127 प्रकार के संप्रदाय के पूज्य आचार्य, 13 अखाड़े के प्रतिनिधि शामिल होंगे। रामलला के समक्ष पूजित अक्षत देश के सभी हिस्सों में लेकर कार्यकर्ता जाएंगे। एक से 15 जनवरी, 2014 के बीच कार्यकर्ता टोली बनाकर घर-घर जाएंगे और प्राण प्रतिष्ठा के दिन मोहल्ले के नजदीक मंदिर में एकत्रित आने का निमंत्रण देंगे। अयोध्या के कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं उडुपी स्थित पेजावर मठ के स्वामी श्री विश्व प्रसन्न तीर्थ महाराज ने कहा कि राम सिर्फ अयोध्या के ही नहीं बल्कि संपूर्ण गांव के हैं। इसलिए गांव-गांव में 22 जनवरी को राम उत्सव होना चाहिए। कार्यक्रम में अयोध्या के महापौर डॉक्टर गिरीश पति त्रिपाठी, विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर, विहिप के केंद्रीय मंत्री गोपाल जी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महेंद्र दिनेंद्र दास जी महाराज एवं डॉ. अनिल मिश्रा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज, बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनोज वर्मा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री सोहन सिंह, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, अवध के प्रांत संगठन मंत्री राजेश प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनता भाजपा की जनविरोधी नितियों से परेशान, ठगा सा महसूस कर रहा नौजवान : अजय राय

–बसपा सरकार में मंत्री रहे राज बहादुर, सेवानिवृत्त आईपीएस उमेश कुमार सहित सैकड़ों ने पकड़ा कांग्रेस का हाथ

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर बसपा काल में मंत्री रह चुके राज बहादुर सिंह, सेवानिवृत्त आईपीएस उमेश कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इन सभी को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में आये सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान हो चुकी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है। आए दिन अपराधियों द्वारा हत्या, डकैती, बलात्कार, लूट जैसी जघन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश की जनता में घोर निराशा है। नौजवान अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा चलाई गई भारत जोड़ो यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश की जनता के दुख दर्द को समझना तथा भविष्य में उसे दूर करने का प्रयास करने का है, जिससे प्रभावित होकर आज कई राजनैतिक दल एवं आम जनता अपना विश्वास कांग्रेस पार्टी में जता रही हैं। अब देश एवं प्रदेश की जनता को भरोसा हो गया है कि सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो भाजपा के कुशासन से हमें निजात दिला सकती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे पूर्व मंत्री एवं पूर्व आई0पी0एस0 अधिकारी जैसे बुद्धिजीवि लोगों का कांग्रेस पार्टी में आना इस बात का संकेत है कि पार्टी उत्तर प्रदेश में तेजी से मजबूत हो रही है और हर वर्ग व हर समाज की जनता हमारे साथ खड़ी हो रही है। सदस्यता ग्रहण करने के उपरान्त पूर्व आई0पी0एस0 उमेश सिंह ने कहा कि हमारे सदस्यता ग्रहण करने का मकसद पार्टी को मजबूत करना है, ताकि कमजोरों के हक की लड़ाई लड़ी जा सके। जिस तरह से मैंने पुलिस अधिकारी के तौर पर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ काम किया और प्रदेश को अपराधियों से मुक्त रखने का प्रयास किया उसी तरह मैं कांग्रेस पार्टी में निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ काम करुंगा। यह मेरे जीवन की नई पारी है जिसमें मेरी धर्मपत्नी भी मेरे साथ आकर पार्टी को मजबूत करने में अपना योगदान करेंगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व एम0एल0सी0 दीपक सिंह, उप्र कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शहनवाज आलम, प्रदेश प्रवक्ता डा0 सीपी राय, पूर्व विधायक पशुपति नाथ राय आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लखनऊ में दिव्यांगजनों ने की पदयात्रा, मंत्री और अधिकारी भी हुए शामिल

लखनऊ, (हि.स.)। राजधानी लखनऊ में रविवार को दिव्यांगजनों ने पदयात्रा की और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस आयोजन में विभाग के मंत्री व अधिकारी भी शामिल हुए और दिव्यांगजनों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के साथ खड़े होकर उनके हितों का ध्यान रख रही है। दिव्यांगजनों को हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं।

उनके आवागमन को सुगम बनाया जा रहा है। इसके अलावा दिव्यांगजनों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा देकर शिक्षित किया जा रहा है। रोजगार प्रशिक्षण देकर दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। दिव्यांग पेंशन के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मंडल एवं जनपद स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए कायर्क्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। दिव्यांगजन मंत्री ने एमफी० थियेटर, डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क, गोमतीनगर, लखनऊ में आयोजित पदयात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर दिव्यांगजनों का उत्सहवर्धन किया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालिका इण्टर कॉलेज की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत (झूम-झूमों रे सखी री) गाकर स्वागत किया गया तथा स्टेज परफार्मेन्स में राजकीय संकेत विद्यालय के बालकों द्वारा मां तुझे सलाम गीत पर डान्स किया गया। स्वैच्छिक संस्था स्टडी हॉल के दिव्यांग बच्चों ने गीत (के सरा-सरा) गाए। परवरिश स्कूल के ऑटिज्म दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों ने गीत गाए। बचपन डे केयर सेन्टर के दिव्यांग बच्चों ने योग का प्रस्तुतीकरण किया। पदयात्रा में 21 प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित दिव्यांगजन एवं उनके साथ सहयोगी शामिल हुए। कार्यक्रम में कुल 27 विद्यालय व स्वैच्छिक संस्थाओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार लगभग 600 से अधिक व्यक्तियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

समावेशी प्रदेश उत्तर प्रदेश पदयात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम दिव्यांगता के क्षेत्र में जनपद लखनऊ में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं, समाजसेवी कार्यकताओं, दिव्यांगजन के सहयोग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के समन्वय द्वारा समावेशी परिकल्पना से युक्त (समावेशी प्रदेश उत्तर प्रदेश) थीम पर समावेशी परिकल्पना को धरातल पर साकार करने एवं समाज को एक संदेश देने के उद्देश्य से सभी प्रकार के दिव्यांगजनों को लेकर वाकॅथान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण सुभाष चन्द्र शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य आयकर आयुक्त के नेतृत्व में निकली 'वाकाथन रैली'

प्रयागराज, (हि.स.)। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशन में आयकर विभाग द्वारा 30 अक्टूबर से 05 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत रविवार को आयकर विभाग द्वारा वाकाथन रैली का आयोजन किया गया। मुख्य आयकर आयुक्त ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। मुख्य आयकर आयुक्त डॉ शिखा दरबारी ने बताया कि सतर्कता सप्ताह के दौरान आयकर विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य आयकर आयुक्त ने प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वाकाथन रैली का नेतृत्व स्वयं मुख्य आयकर आयुक्त ने किया। रैली आयकर भवन से प्रारम्भ होकर कम्पनी बाग तथा वहां से वापस आकर आयकर भवन में समाप्त हुई। इस दौरान आयकर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राह में आम जनमानस को भ्रष्टाचार के विरूद्ध सतर्क एवं जागरूक रहने सम्बन्धित पर्चियों का वितरण भी किया। रैली में मुख्य आयकर आयुक्त के साथ अपर आयकर आयुक्त शिव कुमार राय, अपर आयकर आयुक्त एके सिंह, सहायक आयकर आयुक्त सौरभ गुहा, आयकर अधिकारी रवि कुमार मेहता, रोमा सोंधी, एनके वर्मा, हरि कृष्ण तिवारी, आयकर कर्मचारी महासंघ के जोनल सचिव योगेश्वर राय सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

पहले एक लक्ष्य निर्धारित करें और फिर लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत रहें : सीडीओ

– महिला कल्याण विभाग के द्वारा मिशन शक्ति 4.0 के अन्तर्गत शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

मुरादाबाद, (हि.स.)। महिला कल्याण विभाग के द्वारा मिशन शक्ति 4.0 के अंतर्गत रविवार को मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव की अध्यक्षता में शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड एवं सामान्य के लाभार्थियों के साथ आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत बाल सेवा योजना कोविड व सामान्य के बालक-बालिकाओं एवं उनके संरक्षकों द्वारा मुख्य विकास अधिकारी से अनेक प्रश्न पूछे गए, जो मुख्यतः भविष्य, उच्च शिक्षा, करियर में सफलता सम्बन्धित विषयों पर आधारित थे। भिन्न स्तरों से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बहुत संजीदगी पूर्वक दिया गया। सीडीओ ने बालक बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए यह कहा कि आप सभी लोग अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें और निरन्तर लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयासरत रहें आप लोगो को कभी किसी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडे तो बेझिजक सरकार द्वारा उलब्ध करायी गयी हेल्प लाइनों जैसे 112, 181, 1090, 1930 एवं 1098 का प्रयोग कर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी द्वारा मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड/सामान्य आदि पर वृहद रुप से प्रकाश डालते हुए लोगों से अनुरोध किया गया कि आप सभी स्वयं एवं अन्य लोगों को योजना के बारे में बताते हुए इसका लाभ अधिक से अधिक लें। इस अवसर यूनिसेफ मंडलीय सलाहकार जीशान अंसारी, संरक्षण अधिकारी शिवांगी त्यागी, सामाजिक कार्यकर्ता डिंपल त्यागी, महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक रेनू आर्य कार्यालय सहायक पुष्पेंद्र उपस्थित रहे।

जामताड़ा में ट्रेन की चपेट में आने से होमगार्ड जवान की मौत

जामताड़ा, (हि.स.)। जिले में एक होमगार्ड जवान की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हो गई। घटना जामताड़ा रेलवे साइडिंग की है। जवान कोयला चोरी रोकने के लिए ड्यूटी पर तैनात था। बताया जाता है कि होमगार्ड जवान उदित सिंह बीते एक महीने से नाइट ड्यूटी कर रहे थे। रेलवे साईडिंग से रेलवे रैक में ट्रेन लोड हो जाने के बाद जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ की होती है, उसके लिए होमगार्ड के जवान को ड्यूटी पर लगाया गया था। इसी दौरान रविवार सुबह कोयला चोरी करने पहुंचे सैकड़ों की संख्या में कोयला चोर को रोकने के लिए जवान ने उन्हें खदेड़ा। इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। होमगार्ड जवान अपने साथी होमगार्ड जवान उदित सिंह के परिजनों के लिए उचित मुआवजा और एक सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। होमगार्ड के जवानों का कहना है कि इतने बड़े रेलवे साइडिंग में होमगार्ड जवान को सुरक्षा के लिए लगाया गया है। कोई सुविधा नहीं दी गई है। करीब 300 से 400 संख्या में प्रतिदिन कोयला चोर रेलवे साइडिंग में कोयला चोरी करने पहुंचते हैं। घटना के दिन होमगार्ड जवान को रात में कोयला चोरी रोकने के लिए सुरक्षा में लगाया गया था। सुबह कोयला चोरी करने पहुंचे कोयला चोरों को खदेड़ने के क्रम में ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

परिसीमन आयोग और आरक्षण के मुद्दे पर महासम्मेलन 26 को

रांची, (हि.स.)। राज्य में परिसीमन आयोग और आरक्षण को लेकर 26 नवम्बर को पुराने विधानसभा भवन में राज्यस्तरीय महासम्मेलन होगा। राज्य में परिसीमन आयोग के तहत विधानसभा की सीटें 81 से बढ़ाकर 150 करने और विधान परिषद का गठन करने, जातिगत जनगणना किए जाने सहित अन्य मांगों को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव ने रविवार को कहा कि कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों सहित दिल्ली, यूपी, बिहार से अनेक लोग और राजनेता पहुंचेंगे। महासम्मेलन में महिला आरक्षण में ओबीसी आरक्षण शामिल करने, राज्य के सात जिलों में ओबीसी को शून्य आरक्षण करने का आदेश को निरस्त कर बाकी जिलों की तरह अविलंब बहाल करने, पूर्व सरकार की ओर से शामिल अन्य भाषाओं की तर्ज पर 16 भाषाओं को द्वितीय राजभाषा में पुनः बहाल करने, मदरसा शिक्षा बोर्ड का गठन करने सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

मारपीट के विरोध में रांची के किशोरगंज चौक की सभी दुकानें बंद

रांची, (हि.स.)। कोतवाली थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित किशोरगंज चौक में शनिवार रात मिठाई दुकान के संचालक और स्टाफ के साथ हुई मारपीट के विरोध में व्यवसायियों ने रविवार को किशोरगंज चौक पर दुकानें बंद रखी है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात किशोरगंज चौक पर एक गुट के 70 से 80 लोगों ने एक साथ प्रीति स्वीट्स के संचालक रुद्र प्रताप नाथ शाहदेव और उनके स्टाफ मनोज यादव पर हमला किया था। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये थे। घटना के बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि शनिवार रात किशोरगंज चौक पर हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले बिल्डर निलेश लाल अपनी कार सड़क किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान स्कूटी सवार युवक ने कार को टक्कर का मार दिया। इसे लेकर दोनों पक्षों में थोड़ी कहासुनी हो गयी। प्रीति स्वीट्स के संचालक और स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप पर मामला शांत हुआ। इस बीच स्कूटी सवार युवकों ने मामले की सूचना फोन कर किसी को दी। इसके बाद एक पक्ष के लोग 70 से 80 की संख्या में तलवार और लाठी डंडे से लैस होकर रात में मौके पर पहुंचे और प्रीति स्वीट्स पर हमला कर दिया। विरोध करने पर होटल संचालक और उसके स्टाफ को जमकर पीटा। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये।

सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं नीतीश : अमित शाह

मुजफ्फरपुर, (हि.स.) । बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के पताही हवाई अड्डा मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को रविवार को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं नीतीश। गृह मंत्री अमित शाह ने आज भारत माता की जय के नारों के साथ लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा की मैं छठ मईया से प्रार्थना करता हूं कि आने वाले समय में बिहार जंगलराज और पलटूराम से मुक्त हो। ये भूमि खुदी राम बोस, जुब्बा सहनी, पंडित सहदेव जैसे क्रांतिकारियों की है। इन तीनों क्रांतिकारियों को मैं प्रणाम करता हूं। अमित शाह ने कहा कि 2025 में इस बार बिहार में भाजपा की सरकार बनानी है। क्योंकि जब आपने लालू के जंगलराज के खिलाफ वोट दिया था ये पलटूराम पीएम बनने के लिए बिहार के जनादेश के साथ धोखा किया है। मोदी जी के नेतृत्व में जी-20 हुआ, जिसमें दिल्ली घोषणा पत्र को सभी देशों ने सर्वसम्मति से स्वीकार करके मोदी जी को सम्मान देने का काम किया है। नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के जनादेश का अपमान किया है जबकि मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा करने का काम किया है। राजद और जदयू धारा-370 हटाने के पक्ष में नहीं थी। कहा था कि धारा-370 हटाओगे तो खून की नदियां बहेगी। लेकिन हमने लालू जी को कहा था कि किसी की हिम्मत नहीं है कि एक पत्थर भी कश्मीर में चलाए। गृहमंत्री शाह ने कहा कि विपक्ष के लोग नरेन्द्र मोदी का लगातार विरोध कर रहे हैं। नीतीश कुमार सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं। श्री जी घोटाला करने वाला नेता आपको चाहिए या फाइव जी देने वाले मोदी जी चाहिए। तेल और पानी कभी इकट्ठा नहीं हो सकते हैं अलग-अलग ही रहते हैं। लालू जी से निकलना चाहते हैं कोई रास्ता नीतीश जी के पास नहीं बचा है। उल्लेखनीय है कि बिहार में भाजपा के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही अमित शाह लगातार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। बीते 16 सितंबर को ही अमित शाह मधुबनी के झंझारपुर पहुंचे थे और लालू-तेजस्वी के साथ साथ उन्होंने राजद पर जोरदार हमला बोला था। एक साल के भीतर सातवीं बार अमित शाह बिहार पहुंचे हैं। अमित शाह के दौरे से विरोधी खेमे में खलबली मच गई है।

गिरिराज सिंह ने विश्वकर्मा योजना में बेगूसराय को शामिल करने के लिए पीएम को दिया धन्यवाद

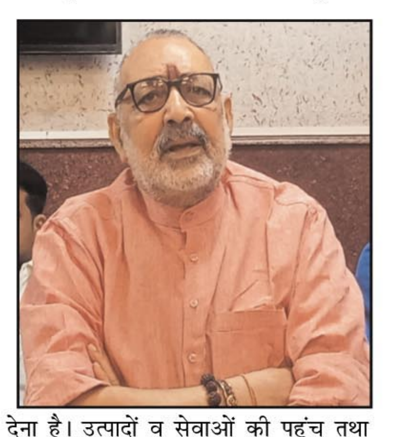

बेगूसराय, (हि.स.)। पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की समृद्ध परंपरा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए पीएम विश्वकर्मा योजना में बिहार के बेगूसराय को भी शामिल कर लिया गया है। बेगूसराय को इस योजना में शामिल करने पर स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। बेगूसराय के दो दिवसीय प्रवास पर आए गिरिराज सिंह ने आज कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में परंपरागत उद्योग करने वाले को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की है। इसके तहत कुम्हार, कारपेंटर, लोहार, धोबी, नाई और नाव बनाने वाले सहित 18 तरह के लोगों के लिए 14 हजार करोड़ की स्वीकृति दी गई है। प्रथम चरण में बिहार के 26 जिले को इसमें शामिल किया गया था। उन्होंने एमएसएमई मंत्री से अनुरोध किया था कि बेगूसराय औद्योगिक केंद्र है। यह प्रधानमंत्री मोदी का आकांक्षी जिला है, इसके चार प्रखंड भी आकांक्षी हैं। इसलिए बेगूसराय को इस योजना से जोड़ा जाए। एमएसएमई के निदेशक ने सूचित किया है कि बेगूसराय को भी विश्वकर्मा योजना में शामिल कर लिया गया है। अब यहां के भी सभी 18 तरह के पारंपरिक रोजगार करने वाले को प्रशिक्षण दिया जाएगा, प्रशिक्षण अवधि का पैसा भी दिया जाएगा। मुफ्त में 15 हजार का किट मिलेगा, नए-नए मशीनों के साथ वे अपने परंपरागत उद्योग को बढ़ावा देंगे। धोबी अगर कपड़ा धोने के लिए वाशिंग मशीन ले लेंगे तो उनके समय और श्रम दोनों चीज की बचत होगी। लोहार भी आधुनिक भट्ठी के माध्यम से अपना परंपरागत कार्य कर सकते हैं, आराम मिलेगा। कुम्हार इलेक्ट्रॉनिक चाक के माध्यम से बर्तन बनाएंगे। सबको आधुनिक मशीनों से जोड़कर गांव में 18 तरह के रोजगार करने वाले को फायदा मिलेगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि इस योजना में बेगूसराय को शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री को जितना धन्यवाद दिया जाए वह कम है। क्योंकि इस योजना का उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा तथा अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा पारंपरिक कौशल के परिवार-आधारित पेशे को मजबूत करना और बढ़ावा देना है। उत्पादों व सेवाओं की पहुंच तथा गुणवत्ता में सुधार करने के साथ वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ सकेंगे। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के कारीगरों एवं शिल्पकारों को सहायता प्रदान किया जा रहा है। कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी। रियायती ब्याज दर के साथ पहली किश्त एक लाख रुपये और दूसरी किश्त दो लाख रुपये तक ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता भी की जाएगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि अब बढ़ई, नाव निमार्ता, अस्त्र बनाने वाला, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निमार्ता, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, चर्मकार एवं जूता कारीगर, राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निमार्ता/जूट बुनकर, पारंपरिक गुड़िया और खिलौना निमार्ता, नाई, माला बनाने वाले, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले को इस योजना से काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार देश के प्रत्येक विश्वकर्मा को समग्र संस्थागत सहायता प्रदान करेगी। पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की समृद्ध परंपरा को बनाए रखना है। नरेन्द्र मोदी का उद्देश्य है कि आज के विश्वकर्मा कल के उद्यमी बनें। इसके लिए, उनके व्यापार मॉडल में स्थायित्व आवश्यक है। ग्राहकों की जरूरतों तथा स्थानीय एवं वैश्विक बाजार को भी लक्षित किया जा रहा है।"

संपादकीय

सिंगुर मामले से राजनेता लें सीख

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और टाटा मोटर्स के बीच विवाद का परिणाम यह है कि न्यायालय ने टाटा के पक्ष में 766 करोड़ रुपये भुगतान करने का आदेश राज्य सरकार को दिया है। सत्ता पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस ने लगभग 17 वर्ष पूर्व टाटा मोटर्स का विरोध करके सिंगुर में नैनो कार बनाने की परियोजना को साकार नहीं होने दिया। तृणमूल कांग्रेस के आंदोलन के कारण पश्चिम बंगाल को दोहरा नुकसान उठाना पड़ा है। पहला, यदि टाटा मोटर्स पश्चिम बंगाल के सिंगुर में नैनो कार बनाने की परियोजना को शुरू करती तब स्थानीय नागरिकों को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलता। कहा जा सकता है कि भारतीय व्यवसायियों का विरोध करने की संकीर्ण राजनीति ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों का रोजगार छीना। दूसरा, एक राजनीतिक दल के आंदोलन के कारण आज जनता की गाढ़ी कमाई से भरे सरकारी खजाने से 766 करोड़ रुपये देने पड़ रहे हैं। अर्थात्‌ तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक महत्वाकांक्षा की बलिवेदी पर पश्चिम बंगाल की जनता का दोहरा नुकसान हुआ है। हमारे राजनेताओं को समझना होगा कि उद्योगपतियों का बेजा विरोध करने से तात्कालिक तौर पर राजनीतिक लाभ मिल सकता है, लेकिन उसका दीर्घकालीन तक नुकसान जनता को उठाना पड़ता है। देश की जनता को भी चाहिए कि वह इस प्रकार की राजनीति का विरोध करे, जिसमें अंततोगत्वा उसे ही नुकसान उठाना है। आजकल अडानी समूह के विरोध में कांग्रेस और राहुल गांधी ने इसी प्रकार का अभियान चला रखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लभगभ सभी भाषणों में अडानी का जिक्र आ ही जाता है। राहुल गांधी किसी और मुद्दे पर भी प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे होंगे, तब भी अडानी को कहीं न कहीं से बातचीत में घसीट ही लाते हैं। उनका तर्क तो यहाँ तक है कि घरों में बिजली का स्विच दबाने भर से लोगों का पैसा अडानी की जेब में पहुंचने लगता है। भारतीय उद्योगपतियों के प्रति इस प्रकार के नकारात्मक अभियान चलाने से भला किसे फायदा पहुँचेगा? स्वाभाविक ही है कि भारतीय उद्योगपति कमजोर होंगे तो विदेशी कंपनियों को उसका सीधा लाभ मिलगा। एक समय तक कांग्रेस और राहुल गांधी की ओर से अडानी के साथ-साथ अंबानी पर भी हमले किए जाते थे लेकिन देखने में आ रहा है कि कुछ समय से अंबानी पर हमले नहीं किए जा रहे हैं? इसका क्या कारण होगा, इसको लेकर अनेक प्रकार की चर्चाएं राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक क्षेत्र की चौपालों तक हैं। सिंगुर टाटा मोटर्स परियोजना के संबंध में न्यायालय का जो आदेश आया है, उससे हमारे राजनेताओं को सबक लेना चाहिए। अपनी राजनीति चमकाने के लिए देश के व्यवसायियों को निशाना बनाने का अभ्यास हमारे नेताओं को छोड़ना होगा। हमें भूलना नहीं चाहिए कि व्यवसायियों के कारण देश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी निर्मित होते हैं। यदि हम अपने राजनीतिक हित साधने या अन्य कंपनियों को लाभ पहुँचाने के लिए भारतीय व्यवसायियों को हतोत्साहित करेंगे, तब उसका नुकसान राजनीतिक दल नहीं उठाते अपितु जनता को ही हर्जाना भुगतना पड़ता है। न्यायालय को चाहिए कि सरकार पर नहीं अपितु जिस राजनीतिक दल के कारण आर्थिक नुकसान पहुंचा, उस पर ही जुर्माना लगाना चाहिए। क्योंकि हम देखते हैं सिंगुर टाटा मोटर्स नैनो कार परियोजना के मामले में ममता बनर्जी को तो सत्ता की मलाई मिल गई लेकिन अगर किसी की हार हुई तो वह पश्चिम बंगाल की जनता है। उसे न उद्योग मिला, न रोजगार, प्रदेश की नकारात्मक छवि बनी और ममता बनर्जी आमार सोनार बांगला गाती रह गईं।

तृणमूल कांग्रेस के आंदोलन के कारण पश्चिम बंगाल को दोहरा नुकसान उठाना पड़ा है। पहला, यदि टाटा मोटर्स पश्चिम बंगाल के सिंगुर में नैनो कार बनाने की परियोजना को शुरू करती तब स्थानीय नागरिकों को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलता। कहा जा सकता है कि भारतीय व्यवसायियों का विरोध करने की संकीर्ण राजनीति ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों का रोजगार छीना। दूसरा, एक राजनीतिक दल के आंदोलन के कारण आज जनता की गाढ़ी कमाई से भरे सरकारी खजाने से 766 करोड़ रुपये देने पड़ रहे हैं। अर्थात तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक महत्वाकांक्षा की बलिवेदी पर पश्चिम बंगाल की जनता का दोहरा नुकसान हुआ है। हमारे राजनेताओं को समझना होगा कि उद्योगपतियों का बेजा विरोध करने से तात्कालिक तौर पर राजनीतिक लाभ मिल सकता है, लेकिन उसका दीर्घकालीन तक नुकसान जनता को उठाना पड़ता है। देश की जनता को भी चाहिए कि वह इस प्रकार की राजनीति का विरोध करे, जिसमें अंततोगत्वा उसे ही नुकसान उठाना है। आजकल अडानी समूह के विरोध में कांग्रेस और राहुल गांधी ने इसी प्रकार का अभियान चला रखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लभगभ सभी भाषणों में अडानी का जिक्र आ ही जाता है। राहुल गांधी किसी और मुद्दे पर भी प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे होंगे, तब भी अडानी को कहीं न कहीं से बातचीत में घसीट ही लाते हैं।

कुछ अलग

दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर पर कम नहीं हुआ है बीजेपी का विश्वास

राजनीति में एक हार से सब कुछ खत्म और एक जीत से सब कुछ हासिल नहीं हो जाता है। जीत-हार राजनीति का हिस्सा है। यह अनवरत जारी रहता है। इस बात का अहसास उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के चलते किया जा रहा है। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फार्मूला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ बीजेपी का गठबंधन हुआ था और घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान सपा की सदस्यता और विधायिकी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे, लेकिन यह भी हकीकत है कि बीजेपी के बैनर तले घोसी से उप चुनाव लड़े दारा सिंह को हार का समाना करना पड़ा था। वहीं ओम प्रकाश राजभर की पार्टी की बात की जाये तो विधान सभा चुनाव में बीजेपी को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी से उतना फायदा नहीं मिला था, जितनी उनसे उम्मीद थी, मगर बीजेपी ने आस नहीं छोड़ी है, उसे आज भी दारा सिंह और राजभर पर भरोसा है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान द्वारा इन दोनों नेताओं को दिवाली से पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जल्द फैसला लिया जा सकता है। सब कुछ ठीकठाक रहा तो सपा का साथ छोड़कर एनडीए में आए सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर को कैबिनेट के अलावा दारा सिंह चौहान को भी मंत्री पद दिया जा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद से ऐसे कयास लग रहे हैं। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेताओं को योगी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। राजभर को एनडीए में और दारा सिंह चौहान को बीजेपी में शामिल होने से पहले पार्टी के नेताओं ने मंत्री पद देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, घोसी में हुए उपचुनाव में बीजेपी की हार के बाद से दोनों ही नेताओं को मंत्री पद मिलने की राह थोड़ी कठिन हो गई थी। उधर, ओपी राजभर ने दावा किया है कि दिवाली से पहले बीजेपी इसकी घोषणा कर सकती है।

जीत-हार राजनीति का हिस्सा है। यह अनवरत जारी रहता है। इस बात का अहसास उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के चलते किया जा रहा है। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फार्मूला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था।

मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे

हवा के रूप में जहर खींचने की विवशता कब तक?

ललित गर्ग

दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी बेहद खराब यानी जानलेवा बनती जा रही है। अभी सर्दी शुरु भी नहीं हुई है, इस मौसम में ऐसा दूसरी बार हुआ है। हालांकि तात्कालिक वजहों से कभी-कभार राहत भले मिल जाए, लेकिन दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, उत्तर भारत के बड़े इलाके में रहने वाले जनजीवन के लिए यह एक स्थायी समस्या एवं जीवन संकट बनती जा रही है, जो बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बेहद खतरनाक एवं जानलेवा साबित हो रही है।

इस वर्ष फिर से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पराली एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी बेहद खराब यानी जानलेवा बनती जा रही है। अभी सर्दी शुरु भी नहीं हुई है, इस मौसम में ऐसा दूसरी बार हुआ है। हालांकि तात्कालिक वजहों से कभी-कभार राहत भले मिल जाए, लेकिन दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, उत्तर भारत के बड़े इलाके में रहने वाले जनजीवन के लिए यह एक स्थायी समस्या एवं जीवन संकट बनती जा रही है, जो बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बेहद खतरनाक एवं जानलेवा साबित हो रही है। सरकारें भले ही इस मुद्दे को लेकर गंभीर नजर आने लगती हैं, भले ही इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान का पूरा एक्शन प्लान तैयार भी है लेकिन इसके प्रभावी परिणाम देखने को नहीं मिलना, कहीं-ना-कहीं सरकार की नाकामी को ही दर्शा रहा है। दिल्ली और पंजाब सरकारें ने अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य दिये, सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। वायु की गुणवत्ता का खराब होना एवं प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। अस्पतालों के बाहर लम्बी कतारें देखने को मिलने लगी है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार लोगों को अगले कुछ दिनों तक खराब वायु में कमी आने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, अगर वायु गुणवत्ता शून्य से 50 के बीच रहे तो इसे 'अच्छा' माना जाता है। अगर एक्यूआई 51 से 100 के बीच रहे तो इसे 'संतोषजनक' और 101 से 200 के बीच एक्यूआई को 'मध्यम' माना जाता है। अगर एक्यूआई 201 से ऊपर चला जाए और 300 तक रहे तो इसे 'खराब', 301 से 400 के बीच रहे तो 'बहुत खराब' और अगर 400 से ऊपर पहुंच जाए तो इसे 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर में 22 अक्टूबर को एक्यूआई 313 यानी बहुत खराब स्तर पर गया था। उसके बाद से हवा की गति धीमी होने और तापमान में गिरावट के कारण वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। इस

गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिये निर्देश जारी किये गये मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। दिल्ली-एनसीआर में जगह-जगह जल छिड़काव करती सरकारी गाड़ियां भी दिखने लगी हैं, जो हवा में धूल की मात्रा कम करती हैं। मगर इन कदमों का स्वरूप ही बताता है कि सरकार समस्या के लक्षणों को कम करने में जुटी है लेकिन अभी तक समस्या को सुलझाने या इसकी गंभीरता को कम करने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। इसके एक प्रमुख कारण के रूप में पंजाब और आसपास के राज्यों में पराली जलाने के चलन को कई साल पहले चिह्नित किया जा चुका है। मगर उस मोर्चे पर राजनीतिक कारणों से खास प्रगति के संकेत नहीं मिल रहे हैं। प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। बीते हफ्ते की ही बात की जाए तो पंजाब में बुधवार को पराली जलाने की 398, गुरुवार को 589 और शुक्रवार को 766 घटनाएं दर्ज की गईं। वैसे सरकारें इसे कम करने का अपने ढंग से प्रयास कर रही हैं। पंजाब के मोगा समेत कई इलाकों में फायर फाइटर्स की टीमें तैनात की गई हैं जो पराली जलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर उसे रोकने का काम करती हैं। यूपी में कहा गया है कि पराली जलाते पाए जाने वाले किसानों को किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का फायदा नहीं दिया जाएगा। लेकिन यहां भी मामला सख्ती के जरिए किसानों को पराली जलाने से रोकने का ही है, जबकि जरूरत उन्हें ऐसे बेहतर विकल्प मुहैया कराने के है जिससे वे खुद इससे मुंह मोड़ने लग जाएं। पराली से खाद बनाकर खेती में उपयोग करने या अन्य उपायों से थर्मल पावर प्लांट और अन्य उद्योगों में ईंधन के तौर पर पराली का इस्तेमाल बढ़ाने जैसे कई सुझावों पर चर्चा होती रही है, लेकिन साफ है वे विकल्प किसानों तक अभी पहुंचाएं नहीं जा सके हैं। वायु की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को भी विराम देना जरूरी है। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में सार्थक पहल करनी होगी, एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। पराली ही तरह पटाखों उत्पन्न प्रदूषण खतरनाक हैं। पराली-पटाखें आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। इस प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

बीजेपी मजबूत फिर भी सतर्क, तो कांग्रेस के कदम सावधान

चुनाव के पहले हुए दो सर्वे में कांग्रेस को राजस्थान की 200 सीटों में से बहुमत की 101 से बेहद कम सीटें, महज 49 से 72 सीटें ही मिलती दिख रही हैं और बीजेपी 121 से 129 तक सीटें मिल रही हैं। ज्यादा सीटें जीतकर साफ तौर पर सत्ता में आती बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस इसीलिए टिकट बंटवारे में बेहद सधे हुए कदमों से आगे बढ़ती दिख रही है और चुनाव से तीन महीने पहले उम्मीदवारों का ऐलान करने की घोषणा करने वाली कांग्रेस तीन सप्ताह पहले भी उम्मीदवार फाइनल नहीं कर पाई है। हालांकि, मतदान में अभी बहुत दिन बाकी है, और कब हालात बदल जाएँ, कहा नहीं जा सकता। ऐसे में बीजेपी मजबूत है, फिर भी सतर्क दिख रही है, तो कांग्रेस के कदम सावधानी दिखा रहे हैं। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी हालांकि अपनी एजेंसियों के सर्वे पर भरोसा करके ही उम्मीदवार तय कर रहे हैं। लेकिन ताजा सर्वे से वे भी सांसत में हैं।

राहुल गांधी और उनकी पूरी कांग्रेस भले ही कह रही हो कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार ने बेहद बढ़िया काम किया है, लोग उनके काम को पसंद कर रहे हैं, इसलिए फिर से उनकी सरकार आ रही है। इसके साथ ही गहलोत के धुर विरोधी सचिन पायलट भी गहलोत सरकार के गुणगान करने में भले ही लग गए हों, लेकिन राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जो अंदेशा आ रहा है, कांग्रेस की नींद उड़ी हुई है। चुनाव के पहले हुए दो सर्वे में कांग्रेस को राजस्थान की 200 सीटों में से बहुमत की 101 से बेहद कम सीटें, महज 49 से 72 सीटें ही मिलती दिख रही हैं और बीजेपी 121 से 129 तक सीटें मिल रही हैं। ज्यादा सीटें जीतकर साफ तौर पर सत्ता में आती बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस इसीलिए टिकट बंटवारे में बेहद सधे हुए कदमों से आगे बढ़ती दिख रही है और चुनाव से तीन महीने पहले उम्मीदवारों का ऐलान करने की घोषणा करने वाली कांग्रेस तीन सप्ताह पहले भी उम्मीदवार फाइनल नहीं कर पाई है। हालांकि, मतदान में अभी बहुत दिन बाकी है, और कब हालात बदल जाएँ, कहा नहीं जा सकता। ऐसे में बीजेपी मजबूत है, फिर भी सतर्क दिख रही है, तो कांग्रेस के कदम सावधानी दिखा रहे हैं। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी हालांकि अपनी एजेंसियों के सर्वे पर भरोसा करके ही उम्मीदवार तय कर रहे हैं। लेकिन ताजा सर्वे से वे भी सांसत में हैं। ऐसे में बीजेपी अध्यक्ष सीपी जोशी के चेहरे की लाली बढ़ रही है, तो गहलोत के गुलाबी अभियान का रंग फुर्र होता नजर आने लगा है। वसुंधरा राजे की चुनावी सक्रियता ने बीजेपी को बढ़ती दी है, तो राहुल गांधी की राजस्थान के प्रति अब तक की उदासीनता से कांग्रेसियों में उत्साह का माहौल बनता नहीं दिख रहा। प्रदेश के विभिन्न इलाकों में कांग्रेस में ले दे कर पायलट के समर्थक सक्रिय है, लेकिन उनमें से भी आधे तो कांग्रेस में पायलट की अवहेलना का रंज भुला नहीं पा रहे हैं। कराए गए सर्वे में जयपुर-धौलपुर में बेहतर बीजेपी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। अगर इन दो प्रमुख इलाकों की बात करें तो यहां कांग्रेस को नुकसान और बीजेपी को साफ तौर पर बड़ा फायदा पहुंचता दिख रहा है। जयपुर-धौलपुर में कुल 48 विधानसभा की क्षेत्र हैं, जिनमें 28 पर बीजेपी जीत दर्ज करती दिख रही है, जबकि कांग्रेस 17 पर जीत सकती है और बची हुई सीटें अन्य के खाते में जाने की उम्मीद है। इसी तरह से, टोंक-कोटा की बात करें तो सचिन पायलट के गढ़ में मुकाबला थोड़ा टाइट नजर आ रहा है, फिर भी यहां की कुल 24 सीटों में से 15 पर बीजेपी जीतती दिख रही है, तो 9 पर कांग्रेस को जीत के आसार नजर आ रहे हैं। दोनों को कांग्रेस को कोई लाभ नजर नहीं आ रहा। एक ओपिनियन पोल में जो तथ्य सामने आए हैं, वे कह रहे हैं कि प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय है। जनता का मूड देखकर कहा जा सकता है कि साफ तौर पर बीजेपी की वापसी हो रही है। इस पोल के मुताबिक कांग्रेस अगर तीन महीने पहले तकरीबन 100 कड़ी टक्कर वाली सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर देती, तो फिर सत्ता में आना आसान होता। लेकिन उम्मीदवारों की घोषणा में देरी से कांग्रेस का नुकसान बढ़ता जा रहा है। कुछ इलाकों में कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला होगा, मगर अंततः बीजेपी ताकतवर होकर उभरेगी। मारवाड़ और मेवाड़ में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है, तो पूर्वी राजस्थान में तो पायलट समर्थक गहलोत को मजा चखाने के मूड में साफ नजर आ रहे हैं। ताजा ओपिनियन पोल के मुताबिक, राजस्थान में बीजेपी को सीधे वॉकओवर मिलता लग रहा है। कांग्रेस कुछ इलाकों में उसे कड़ी टक्कर देगी बीजेपी के खाते में 125 सीटों के आने का दावा है और कांग्रेस को 56 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। बीजेपी की वापसी की वजह यही है कि कांग्रेस के मंत्रियों व विधायकों पर जबरदस्त भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ओपिनियन पोल में यह भी सामने आया है कि कांग्रेस के मंत्रियों व विधायकों का राजनीतिक चरित्र बीजेपी की जीत में सबसे बड़ी ताकत है, और साथ ही जाति फैक्टर का अहम रोल होने वाला है। पिछली बार की तरह गुर्जर कांग्रेस के साथ पूरी तरह से नहीं है। सचिन पायलट को सत्ता से बेदखल करने की गुर्जरों की नाराजगी और जाटों में हनुमान बेनीवाल की सेंध कांग्रेस के लिए घातक साबित हो रही है। राजस्थान की अगड़ी जाति जिसमें ब्राह्मण, बनिया और राजपूत अहम हैं। ओपिनियन पोल कहता है कि 73 प्रतिशत ब्राह्मण, बनिया और राजपूत वोट इस बार बीजेपी को मिल रहा है, जबकि अगड़ी जातियों के सिर्फ 15 प्रतिशत वोट कांग्रेस को मिलने की उम्मीद है। पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी में पिछले पांच सालों में कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा सचिन पायलट दोनों ओबीसी के नेता होने के बावजूद कांग्रेस के लिए ओबीसी का वोट बचाकर रख पाने में असफल रहे हैं। 62 फीसदी ओबीसी वोट बीजेपी को जाता दिख रहा है। वहीं कांग्रेस को यह वोट केवल 32 प्रतिशत तक ही मिल सकता है। गुर्जर अगर एकमुश्त होकर पायलट के समर्थन में जुट जाएं, तो यह आंकड़ा कुछ हद तक बढ़ सकता है। पिछली बार राजपूत वोट बीजेपी से नाराज था, जाट और गुर्जर भी अलग थे।

देश दुनीया से

'डबल इंजन सरकार' की विफलता का सबब है मणिपुर की हिंसा

बीते पखवाड़े दो खबरें सुर्खियों में थीं: विश्व कप क्रिकेट के मैच और गाजा में इस्राइल की निरंकुश बमबारी। इनमें से पहली या दूसरी खबर के प्रति हमारे आकर्षण का ही नतीजा रहा कि एक दुखद घटनाक्रम से जुड़ी तिथि हमारे अनजाने ही निकल गई: मणिपुर हिंसा के छह महीने बीत गए। मणिुपर में हिंसा शुरू होने के कुछ महीने बाद मैंने द टेलीग्राफ में लिखा था, और एक वेबसाइट को इंटरव्यू देते हुए भी कहा था कि हमें इस हिंसा की गंभीरता समझनी चाहिए। अपने इस कॉलम में मैं मणिपुर संकट पर, शायद व्यर्थ ही, ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करूंगा, जो सातवें महीने में प्रवेश कर चुका है। मणिपुर के प्रति मेरी उत्सुकता शुरुआत में एक इतिहासकार की उत्सुकता थी कि 1949 में स्वतंत्र भारत का हिस्सा बनने के बाद से उसकी अब तक की यात्रा कैसी रही है। मणिपुर के प्रति मेरी रुचि कुछ साल पहले उस राज्य की यात्रा करने पर बढ़ी, जब मैं उसके प्राकृतिक सौंदर्य, संगीत और नृत्य की उसकी समृद्ध परंपरा, वहां की स्त्रियों की स्वतंत्रता और तीन मुख्य नस्लीय समूहों- मैतेई, नगा कुकी और कुकी के एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धी संबंधों के बारे में देख-जानकर दंग रह गया। इतिहासकार और पर्यटक, दोनों ही भूमिकाओं में मैं मणिपुर में व्याप्त तनावों को देख पाया था, लेकिन वहां का मौजूदा संकट न सिर्फ अभूतपूर्व है, बल्कि सोचा भी नहीं गया था कि संकट यह रूप लेगा। पिछले कुछ महीनों से मैतेई और कुकी उग्रवादी एक दूसरे से दुश्मनों की तरह पेश आ रहे हैं। वहां जो हिंसा हुई, उसे ऑनलाइन और भी भीषण रूप दिया गया। जैसा कि हम जानते हैं, गोदी मीडिया ने मणिपुर हिंसा के ब्योरों को छिपाया और उनकी अनदेखी की। सौभाग्य से कुछ स्वतंत्र वेबसाइटों ने हमें बताया कि वहां वास्तव में हो क्या रहा है। मैंने भी वहां रहने वाले अपने सहयोगियों के संपर्क में रहते हुए उनसे लगातार बातचीत की। मेरा यह विश्लेषण इन्हीं सबूतों के आधार पर है। ऐसा नहीं है कि मई, 2023 से पहले राज्य में मैतेई और कुकी सौहार्दपूर्ण तरीके से रहते थे। उनका धर्म अलग है, ज्यादातर कुकी ईसाई हैं, जबकि अधिसंख्य मैतेई हिंदू हैं। कुकी पहाड़ों में रहते हैं, जबकि मैतेई का इंफाल घाटी में वर्चस्व है। मैतेई राजनेता जिस वर्चस्ववादी रवैये का प्रदर्शन करते थे, वह कुकियों को क्षुब्ध करता था। जबकि मैतेई शिकायत करते थे कि कुकियों को अनुसूचित जनजाति का जो दर्जा मिला हुआ है, उससे उन्हें नौकरी मिलने में आसानी होती है। नस्लीय और धार्मिक हिंसा हमारे यहां आम है। इसके बावजूद हिंसा के स्तर और ध्रुवीकरण के कारण मणिपुर की हिंसा बेहद गंभीर है। स्वतंत्र विश्लेषकों द्वारा इकट्ठा किए गए सबूत बताते हैं कि इस हिंसा में कुकी को अपेक्षाकृत ज्यादा नुकसान हुआ, क्योंकि मैतेई समुदाय के पास सत्ता की ताकत है, पुलिस और नौकरशाही मैतेई राजनेताओं को ही रिपोर्ट करती है। इस विषमता से जुड़ा एक तथ्य यह है कि राज्य में, एक आंकड़े के मुताबिक, दो सौ से भी गिरजाघरों को ध्वस्त कर दिया गया है। राज्य की इस बदहाली के लिए तीन लोगों को अपनी जवाबदेही स्वीकारनी ही चाहिए। इनमें से पहले हैं राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह, जो स्पष्ट रूप से मैतेई समुदाय के पक्ष में दिखे। बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार का वैचारिक पक्षपात इसकी प्रशासनिक अक्षमता से पूरी तरह मेल खाता दिखा है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा शुरू होते ही राज्य सरकार ने उग्रवादियों को बड़ी मात्रा में हथियार लूटने की अनुमति ही नहीं दी, बल्कि प्रोत्साहित भी किया।

मणिपर में हिंसा शुरू होने के कुछ महीने बाद मैंने द टेलीग्राफ में लिखा था, और एक वेबसाइट को इंटरव्यू देते हुए भी कहा था कि हमें इस हिंसा की गंभीरता समझनी चाहिए। अपने इस कॉलम में मैं मणिपुर संकट पर, शायद व्यर्थ ही, ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करूंगा, जो सातवें महीने में प्रवेश कर चुका है। मणिपुर के प्रति मेरी उत्सुकता शुरुआत में एक इतिहासकार की उत्सुकता थी कि 1949 में स्वतंत्र भारत का हिस्सा बनने के बाद से उसकी अब तक की यात्रा कैसी रही है। मणिपुर के प्रति मेरी रुचि कुछ साल पहले उस राज्य की यात्रा करने पर बढ़ी, जब मैं उसके प्राकृतिक सौंदर्य, संगीत और नृत्य की उसकी समृद्ध परंपरा, वहां की स्त्रियों की स्वतंत्रता और तीन मुख्य नस्लीय समूहों- मैतेई, नगा कुकी और कुकी के एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धी संबंधों के बारे में देख-जानकर दंग रह गया। इतिहासकार और पर्यटक, दोनों ही भूमिकाओं में मैं मणिपुर में व्याप्त तनावों को देख पाया था, लेकिन वहां का मौजूदा संकट न सिर्फ अभूतपूर्व है, बल्कि सोचा भी नहीं गया था कि संकट यह रूप लेगा।

दृष्टिकोण

हनुमान को सूर्यदेव से कैसे मिला ज्ञान, अचंभित करने वाली है पवनपुत्र की मेधा

हनुमान थोड़े बड़े हुए तो महर्षि अगस्त्य ने सुझाव दिया कि हनुमान को शिक्षा के लिए सूर्यदेव के पास जाना चाहिए क्योंकि सूर्यदेव प्रकाश और ज्ञान के सर्वोच्च स्रोत हैं। ग्रंथों में हनुमान द्वारा सूर्यदेव से शिक्षा प्राप्त करने की एक से अधिक कथाएं मिलती हैं। हनुमान जब सूर्यदेव के पास पहुंचे तो सूर्य ने पहले उन्हें टालना चाहा। वे बोले- 'मैं अपने रथ में बैठकर निरंतर आकाश की परिक्रमा करता हूं। तुम्हें पढ़ाने के लिए मुझे रुकना पड़ेगा, जो कि असंभव है। इसलिए तुम्हें शिक्षा देना मेरे लिए संभव नहीं है।' परंतु हनुमान भी निश्चय करके आए थे। वे हंसकर सूर्यदेव से बोले-'आप परिक्रमा करते हुए ही मुझे ज्ञान दीजिए। मैं आपकी गति से आपके रथ के साथ चलूंगा। इससे आपको रुकना नहीं पड़ेगा और मेरी शिक्षा भी पूर्ण हो जाएगी।' आखिर सूर्यदेव को हनुमान की बात माननी पड़ी। हनुमान ने अपना आकार बढ़ाया और स्वयं सूर्य की कक्षा में स्थापित कर लिया। फिर वे सूर्य के रथ की ओर मुख करके उल्टा चलने लगे। हनुमान के उत्साह और उनकी लगन से प्रभावित होकर सूर्य ने उन्हें समस्त ज्ञान प्रदान कर दिया। इस तरह, हनुमान जल्द ही चारों वेद, छहों दर्शन, चौंसठ कलाओं और एक सौ आठ तांत्रिक रहस्यों में पारंगत हो गए। शिक्षा समाप्त हुई तो गुरु-दक्षिणा देने का समय आ गया। सूर्यदेव ने हनुमान से कहा कि विद्यार्थी का निष्ठावान होना ही पर्याप्त है। परंतु हनुमान ने जब दक्षिणा देने का हठ पकड़ लिया, तो सूर्यदेव ने हनुमान से अपने पुत्र सुग्रीव को सहयोग देने और उसकी देखभाल करने को कहा। इस तरह, हनुमान और सुग्रीव के बीच स्नेह-मैत्री का संबंध स्थापित हुआ। इस विषय में एक अन्य कथा यह है कि हनुमान जब शिक्षा पाने सूर्यदेव के पास पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वहां पहले से ही बहुत लोग मौजूद थे। दरअसल, वे सब अंगूठे के आकार वाले बालखिल्य ॠषि थे, जो सूर्य की किरणों का सेवन करते हुए उनके रथ के साथ चलते हैं। हनुमान ने जब सूर्यदेव के रथ के साथ चलने की बात कही तो बालखिल्य ॠषियों को यह पसंद नहीं आया। वे कुपित हो गए और बोले-'हम ॠषि हैं जबकि यह वानर निम्न श्रेणी का जीव है! हम इसके साथ चलकर सूर्य की परिक्रमा नहीं करेंगे!' सूर्यदेव को ॠषियों के शाप का भय था, इसलिए वे कुछ नहीं कह पाए। परंतु हनुमान बलवान होने के साथ कुशाग्रबुद्धि भी थे। उन्होंने तुरंत इस समस्या को हल कर दिया और सूर्य के रथ के आगे चलने की तरकीब सोच ली, ताकि सूर्य से ज्ञान मिल जाए और बालखिल्य ॠषियों से उनकी दूरी बनी रहे। कहते हैं, लंबे समय तक सूर्य के आगे चलने से हनुमान का रंग सांवला हो गया था! एक अन्य कथा के अनुसार, हनुमान इतने बुद्धिमान थे कि उन्होंने पंद्रह दिनों में सूर्यदेव से वेदों का समस्त ज्ञान प्राप्त कर लिया। हनुमान की असाधारण मेधा से अचंभित सूर्यदेव, अपने अद्भुत विद्यार्थी हनुमान को, जो भगवान शिव का अंश भी था, जल्दी छोड़ना नहीं चाहते थे। इसलिए वे जान-बूझकर हनुमान को अपनी दिव्य शक्ति से बीच-बीच में पाठ भुला दिया करते जिसके कारण हनुमान को पाठ फिर से पढ़ना पड़ता था। इस तरह सूर्यदेव ने काफी समय तक हनुमान की शिक्षा पूर्ण नहीं होने दी और उनके सान्निध्य का आनंद लिया।

स्कूलों में फोन पर प्रतिबंध की ओर बढ़ रही दुनिया, छात्रों के तकनीकी रूप से पिछड़ने का भी जोखिम

वाशिंगटन ।
स्कूलों में विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए कक्षा में फोन लाना अगस्त माह में प्रतिबंधित किया गया। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य ने भी ऐसा ही प्रतिबंध साल के शुरू में लगाया। ब्रिटिश सरकार ने अक्तूबर में पूरे देश के स्कूलों में फोन लाने पर रोक की सिफारिश की। इटली पिछले साल ही यह रोक लगा चुका है, तो चीन दो साल पहले ऐसा कर चुका है। पूरी दुनिया में स्कूलों में छात्रों द्वारा स्मार्टफोन लाने पर रोक का चलन तेजी पकड़ रहा है। लेकिन क्या स्कूली किशोरों के हाथों से फोन छीनने के कुछ फायदा हैं या नुकसान भी हो सकते हैं इसे लेकर एक बड़ी बहस भी चल पड़ी है, जिसमें यूनेस्को से लेकर कई देशों के शोध संगठन अपने-अपने दावे कर रहे हैं। यूनेस्को ने हाल में अपनी रिपोर्ट में बताया कि विश्व के हर 4 में से 1 देश में छात्र द्वारा स्कूल में फोन लाने पर कानूनी या नीतिगत रोक है या उपयोग सीमित किया गया है। प्रतिबंध के समर्थकों के अनुसार ऐसा करने से छात्र सोशल मीडिया पर समय बर्बाद नहीं कर रहे, साइबर बुलिंग से बच रहे हैं। प्रतिबंध के विरोधियों का तर्क है कि जो छात्र परिवार की जिम्मेदारी भी उठा रहे हैं, काम कर रहे हैं, उन्हें बड़ा नुकसान हो रहा है। लड़ाइयां स्कूल में, वीडियो सोशल मीडिया पर स्कूलों में छात्रों के बीच लड़ाइयों के सैकड़ों वीडियो रोजाना बनाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर अपलोड भी किए जा रहे हैं। इनसे बच्चों के हितों व स्कूलों की प्रतिष्ठा तक बिगड़ रही है, लड़ाइयों में हिंसा व गंभीरता भी बढ़ रही है। अमेरिका के रोग नियंत्रण व रोकथाम केंद्र के अनुसार 2021 में 16 प्रतिशत स्कूली बच्चों ने खुद को साइबर बुलिंग का शिकार बताया। उन्हें स्कूल में सोशल मीडिया व मैसेजिंग एप के जरिए धमकियां दी जा रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पढ़ाई में पिछड़ने की वजह बन रहा है। स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया व विभिन्न एप के 237 तक नोटिफिकेशन छात्रों को हर दिन औसतन मिल रहे हैं। इनमें एक-तिहाई स्कूली समय में मिल रहे हैं। यह भी पढ़ाई में व्यवधान का अहम कारण है। यूनेस्को अपनी रिपोर्ट में दावा करता है कि स्कूली छात्रों के बीच तकनीक को समझदारी से पहुंचाना जरूरी है। पढ़ाने के तरीकों में नई तकनीक की भूमिका बढ़ रही है। फोन पर रोक या अनुमति से पहले ठोस अध्ययन जरूरी हैं। अहम तकनीकों से छात्रों को परिचित रखना होगा। उन्हें खुद ही यह समझने का मौका देना चाहिए कि तकनीक के साथ कौनसे अवसर और खतरे पेश आ सकते हैं। उनके इसके साथ और बिना जीवन जीने की समझ विकसित करनी होगी।

न्यूज़ब्रीफ

ट्रूडो के बयान के बाद पुलिस की जांच में गड़बड़ी, निज्जर हत्याकांड पर भारतीय उच्चायुक्त ने मांगे सबूत

ओटावा । भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद से ठनी हुई है।

ट्रूडो के बयान से कनाडा और भारत के राजनायिक संबंध में दरार आई है। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने राजनयिक गतिरोध पर नई दिल्ली के रुख को दोहराया। ओटावा से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में ट्रूडो के आरोपों का समर्थन करने वाले सबूत पेश करने को कहा है। एक साक्षात्कार में भारतीय उच्चायुक्त ने शुक्रवार को टिप्पणी करते हुए कहा, निज्जर की हत्या में भारत की खुफिया एजेंसी के संलिप्तता के आरोप में कनाडा या उसके सहयोगियों द्वारा एक भी सबूत पेश नहीं किया गया है। पीएम ट्रूडो के सार्वजनिक बयानों ने कनाडाई जांच को प्रभावित किया है। संजय कुमार वर्मा ने जोर देकर कहा, इस मामले में हमें जांच में सहायता के लिए कोई विशेष या प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा, राजनयिकों के बीच की बातचीत को संरक्षित किया जाता है। इन्हें अदालत में सबूत के तौर पर उपयोग नहीं किया जा सकता है। मुझे लगता है कि यह नफरत फैलाने वाला भाषण है और हिंसा को उकसाने वाला है। साथ ही उन्होंने एक साक्षात्कार में अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। हालांकि उन्होंने बताया, उन्हें धमकियों के वजह से रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) सुरक्षा दी गई है। आरोपों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा, सबूत कहां हैं। जांच के नतीजे कहां है। बता दें भारत ने आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया था। इसी बीच भारत द्वारा एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। साथ ही, भारत के राजनयिक ताकत में समानता पर अपनी चिंताओं व्यक्त करने के बाद कनाडा ने भारत से 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा ने चंडीगढ़, मुंबई और बंगलूरू वाणिज्य दूतावासों में अपनी वीजा और काउंसलर सेवाएं भी रोक दीं।

राजनीति से संन्यास लेने के मूड में पीएम ली शेन लूंग, उप प्रधानमंत्री वोंग को सत्ता सौंपने की कही बात

सिंगापुर । सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली शेन लूंग के एक बयान ने सिंगापुर में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि नवंबर 2025 में होने वाले अगले आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ली उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को सत्ता सौंप देंगे।रिपोर्ट में दावा किया गया कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल 21 नंवबर को पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के 70वें संस्थापना दिवस पर ऐसा किया जाएगा। बता दें 21 नवंबर 1954 को पीएपी का गठन हुआ था। इस वर्ष की राष्ट्रीय दिवस रैली के दौरान पीएम ली ने कहा, उनकी उत्तराधिकार योजनाएं कोविड-19 महामारी की समाप्ति के साथ पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, मंत्रियों और संसद सदस्यों से जुड़े हालिया विवादों से राजनीतिक नवीनीकरण की समय सारिणी में देरी नहीं होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने तब कोई समयरेखा नहीं दी थी।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश के लिए नेतृत्व परिवर्तन हमेशा मुश्किल होता है और कई चीजें गड़बड़ा सकती है। सिंगापुर के नागरिक और सिंगापुर के बाहर के लोग इस विकास पर करीब से नजर रख रहे हैं। ली ने कहा, हमारे इतिहास में सब कुछ इस तीसरे परिवर्तन की सफलता पर निर्भर करता है। मैंने इस पर ध्यान से सोचा है और गहन चर्चाएं की।

अपने दो बच्चों का अपहरण कर हवाईअड्डे पहुंचा आरोपी, एयरपोर्ट पर की गोलाबारी, जलती हुई बोतलें भी फेंकी

बर्लिन । यूरोपीय देश जर्मनी में एक हमले के कारण कई हवाईउड़ानें रोक दी गई हैं। दरअसल, एक कार सवार व्यक्ति ने हवाईअड्डे में हवाई फायर कर दिया था। सुरक्षा की दृष्टि से हवाई उड़ानों को रोका गया है। हालांकि, हमले में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। सभी सुरक्षित हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विदेश मीडिया रिपोर्ट ने संघीय पुलिस प्रवक्ता थॉमस गेरबर्ट के हवाले से बताया कि एक व्यक्ति हैम्बर्ग हवाईअड्डे के सुरक्षा चेक प्वाइंट्स को तोड़ते हुए टर्मिनल वन तक पहुंच गया। टर्मिनल वन के सामने एक युवक कार सहित पहुंच गया था। यहां कार सवार एक व्यक्ति ने हवाई फायरिंग की। आरोपी ने दो जलती बोतलें भी कार से बाहर फेंकी। हालांकि, गोलियां या जलती बोतलें किसी को लगी नहीं। सभी सुरक्षित हैं। पुलिस ने बताया कि कार में दो बच्चे थे। हमें आशंका थी कि कार सवार ने बच्चों को बंधक बनाया है। पुलिस जवान कार्रवाई कर ही रहे थे कि तब तक हमें एक कॉल आया। कॉल पर महिला ने बताया कि उसका पति उसके दो बच्चों को लेकर हवाईअड्डे की ओर निकला है। पति ने अपने ही बच्चे को बंधक बना लिया है।

40 हजार लड़ाके, सुरंगों का जाल गाजा में फंस सकता है इजराइल

वॉशिंगटन ।
इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में जमीनी हमला शुरू कर दिया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि इजराइली सेना जल्द ही हमास का खात्मा कर देगी और पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई खत्म हो जाएगी। हमास से जुड़े दो सूत्रों का दावा है कि हमास के पास इतनी ताकत है कि वह इजराइल को लंबे समय तक रोके रख सकते हैं और इस दौरान अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते इजराइल युद्धविराम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। हमास को ये भी लगता है कि युद्धविराम की शर्तों और इजराइली बंधकों को छोड़ने के बदले वह कई फलस्तीनी कैदियों को भी छुड़ा सकते हैं।

इजराइल को फंसाने की तैयारी में हमास

हमास से जुड़े लोगों ने बताया कि हमास के लोगों ने भारी मात्रा में हथियार, मिसाइलें, खाना और दवाईयों का स्टॉक अपने पास जमा कर लिया है। हमास के पास करीब 40 हजार लड़ाके हैं और गाजा पट्टी में फैले सुरंगों के जाल की मदद से फलस्तीनी संगठन को लगता है कि वह महीनों तक इजराइल को इस लड़ाई में फंसाए रख सकते हैं। हमास की योजना घनी आबादी घनत्व वाले गाजा पट्टी के इलाके में इजराइली सेना के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध लड़ने की है, जिससे इजराइल की सेना को पछाड़ा जा सके। हमास ने कतर की मध्यस्थता के माध्यम से अमेरिका और इजराइल को परोक्ष रूप से यह संदेश दे भी दिया है कि वह इजराइली बंधकों को छोड़ने के बदले इजराइल की जेलों में बंद फलस्तीनी कैदियों की रिहाई चाहते हैं। इतना ही नहीं हमास की योजना है कि युद्धविराम की शर्तों के तहत इजराइल के विस्तार को भी रोका जाए और गाजा पट्टी में जारी इजराइल की नाकेबंदी को भी खत्म कराया जाए। वहीं इजराइल पर युद्धविराम का दबाव बढ़ रहा है और दुनियाभर में इजराइल की कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र ने भी गाजा पट्टी में युद्धविराम की अपील की। वहीं इजराइल रुकने के तैयार नहीं है और इजराइली पीएम ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल युद्धविराम के बारे में नहीं सोच रहे हैं और उनका उद्देश्य हमास का खात्मा है।

लड़ाई लंबी खिंचेगी - जॉर्डन के पूर्व विदेश मंत्री और फिलहाल अमेरिका के कारनेगी एंडोवमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस संगठन के लिए काम करने वाले मारवान अल मौशेर का कहना है कि हमास का खत्मा करना आसान नहीं है। हम एक मुश्किल वक्त में हैं और इस विवाद का हल सैन्य तरीके से नहीं हो सकता। इजराइल और हमास की लड़ाई जल्दी खत्म नहीं होगी। इजराइल के संयुक्त राष्ट्र में पूर्व राजदूत डैनी डेनन का कहना है कि हमने मान लिया है कि यह लड़ाई लंबी और पीड़ादायक होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि अंत में हम ही विजयी होंगे और हमास का खात्मा होगा लेकिन इसकी कीमत क्या चुकानी होगी, इसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इजराइली सेना का भी कहना है कि गाजा में एक मुश्किल शहरी गुरिल्ला युद्ध होगा लेकिन उन्हें विश्वास है कि हमास को खत्म कर देंगे।

इजराइल को अमेरिकी समर्थन के खिलाफ हजारों की भीड़ ने घेरा व्हाइट हाउस, लगे फलस्तीन आजाद होगा के नारे

वाशिंगटन। हमास-इजराइल का युद्ध जारी है। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों को निशाना बना रहा है। इसी बीच व्हाइट हाउस के गेट पर कई फलस्तीनी समर्थकों ने प्रदर्शन किया। उनकी मांग है कि गाजा में तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम हो। साथ ही प्रदर्शनकारियों द्वारा अमेरिका की इजराइल को दी जा रही सहायता को बंद करने की मांग है। फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान व्हाइट हाउस को लाल रंग पोत दिया। इस दौरान वाशिंगटन डीसी शहर के सड़कों में लम्बा जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों द्वारा नदी से समुद्र तक फलस्तीन आजाद होगा जैसे नारे लगाए गए। फलस्तीनी झंडों के साथ काले और सफेद कपड़े पहने हुए प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर युवा लोग थे। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में बह रहे खून के खेल को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए व्हाइट हाउस के गेट पर लाल रंग छिड़क दिया। फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों ने कहा, हमें यहूदी राज्य नहीं चाहिए। 1948 के अरब-इजराइल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, हम 48 चाहते हैं। साथ ही उन्होंने मांग कि गाजा में युद्धविराम और इजराइल को अमेरिकी सहायता तुरंत बंद करनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने लाफायेट पार्क में जनरल मार्क्विस डी लाफायेट प्रतिमा को फलस्तीनी झंडों से ढक दिया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन पर नरसंहार का समर्थन करने का आरोप लगाया है। बात दें सात अक्तूबर को गाजा स्थित आतंकी समूह हमास ने इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दाग दिए। जिसके बाद से ही दोनों के बीच भीषण युद्ध शुरू हुआ।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने की लेबनानी पीएम से मुलाकात, लेबनान-इजराइल सीमा तनाव पर जताई गहरी चिंता

अम्मान ।
इजराइल और हमास युद्ध के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती से जोर्डन की राजधानी अम्मान में मुलाकात की। इस दौरान ब्लिंकन ने इजराइल के साथ लेबनान की दक्षिणी सीमा पर गोलीबारी के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की।

विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि सचिव ब्लिंकन ने पीएम मिकाती को लेबनान को एक ऐसे युद्ध में जाने से रोकने में उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया जो लेबनानी लोग नहीं चाहते हैं। साथ ही क्षेत्र में शांति के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ उनके प्रयासों को भी शुक्रिया अदा किया।

मिलर ने आगे कहा कि ब्लिंकन ने गाजा में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता सुनिश्चित करने के अमेरिकी प्रयासों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लेबनान को क्षेत्रीय और घरेलू दोनों संकटों के माध्यम से देश का नेतृत्व करने के लिए एक राष्ट्रपति का चयन करने की जरूरत है।

राज्य मंत्री अयमान सफादी से भी की मुलाकात

इस बीच, ब्लिंकन ने संयुक्त बैठक से पहले अम्मान में जॉर्डन के विदेश राज्य मंत्री अयमान सफादी से भी मुलाकात की। इससे पहले शुक्रवार को ब्लिंकन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की थी।

इजराइल के पीएम कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन युद्ध शुरू होने के बाद से तेल अवीव के किरया में तीसरी बार मिल रहे हैं।

ब्लिंकन और नेतन्याहू ने निजी तौर पर मुलाकात की और फिर युद्ध मंत्रिमंडल के साथ मिलकर एक विस्तारित बैठक की। इजराइली पीएम कार्यालय ने कहा, विस्तारित बैठक की शुरुआत में, प्रधान मंत्री नेतन्याहू ने ब्लिंकन और उनके प्रतिनिधिमंडल को आईडीएफ प्रवक्ता द्वारा तैयार किए गए फुटेज के क्लिप दिखाए, जो 7 अक्तूबर को हमास द्वारा किए गए भयावहता और नरसंहार को दर्शाते हैं।

ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पीएम बोरिस और मॉरिसन पहुंचे इजराइल, कहा- कठिन समय में आपके साथ खड़े हैं

तेल अवीव ।
पश्चिम एशिया में हमास और इजराइल का युद्ध जारी है। इजराइल द्वारा आतंकी समूह हमास के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। इजराइल और गाजा इस समय पूरी तरह से युद्धग्रस्त क्षेत्र है। इसी बीच, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन अचानक तेल अवीव पहुंचे। इन दोनों के दौरे ने सभी को चौंका दिया है। इजराइल यात्रा के दौरान, जॉनसन और मॉरिसन इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों से मिलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने ता दक्षिणी गाजा सीमा के इलाकों का भी दौरा करेंगे, जो सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास के हमले से तबाह हो गए है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र में पूर्व इजराइली राजदूत डैनी डैनन ने बोरिस जॉनसन और स्कॉट मॉरिसन की यात्रा की मेजबानी की है। उन्होंने कहा, दोनों इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के सैनिकों और इजराइल के दक्षिणी समुदायों से मुलाकात करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने साझा किया कि, इजराइल के बेन गुरियन एयर पोर्ट पर मुझे मेरे दोस्त बोरिस जॉनसन और स्कॉट मॉरिसन मिलें। दोनों इजराइल के सच्चे दोस्त हैं। हम

इजराइल के दक्षिणी समुदायों और सैनिक जवानों से मुलाकात करेंगे। सभी नागरिकों की ओर से मैं आपके दृढ़ समर्थन के लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

इजराइल दौरे पर पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा, इजराइल के लोगों और यहूदी समुदाय के साथ एकजुटता के प्रदर्शन के रूप में इजराइल आने के लिए अवसर मिला। इस अवसर के लिए मैं आभारी हूं। साथ ही उन्होंने ग्राउण्ड जीरो पर क्या है स्थिति इस पर भी बात की। इससे पहले 19 अक्तूबर को ऋषि सुनक युद्धग्रस्त देश के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए तेल अवीव पहुंचे थे। इजराइल में उतरने के बाद, सुनक ने पोस्ट किया था कि मैं इजराइल में हूं, एक राष्ट्र शोक में है। मैं आपके साथ शोक मनाता हूं और आतंकवाद जैसी बुराई के खिलाफ आपके साथ खड़ा हूं।

गाजा के हमास प्रमुख को मारने के लिए रक्षा मंत्री ने खाई कसम, अब तक आतंकियों के 12 बटालियन कमांडर ढेर

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच इजराइल की मीडिया ने बताया कि इजराइली रक्षा मंत्री ने कसम खाई है कि वे इजराइली सेना जल्द ही गाजा के हमास प्रमुख याह्या सिनवार तक पहुंचेगी और उसकी जान ले लेगी। बता दें, इस युद्ध में अब त 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इजराइल की सेना जीतने के लिए लड़ रही है और जब तक हमें जीत नहीं मिल जाती तब तक हमारी सेना लड़ती रहेगी।

हमारे सैनिक सब कुछ करने को तैयार

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने बताया कि मैंने उत्तरी और दक्षिणी सीमाओं का दौरा किया। यहां तैनात रिजर्व सैनिकों ने बताया कि वे जीत तक लड़ने के लिए तैयार हैं। जब तक उन्हें जीत नहीं मिल जाती वे लड़ते रहेंगे। अब चाहे जीत में एक साल ही क्यों न लग जाए, हमारे सैनिक लड़ेगें। गैलेंट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे पास ऐसे लड़ाके हैं, जो सब कुछ करने के लिए तैयार हैं। हमारे देश की आबादी की विशेषता है कि वे दृढ़ संकल्पित हैं। गैलेंट ने आगे कहा कि इजराइली सेना चौकियों और सुरंगों में आतंकवादियों से लड़ रही है। हम उनके बंकरों और सुरंगों सहित बहुत सारी

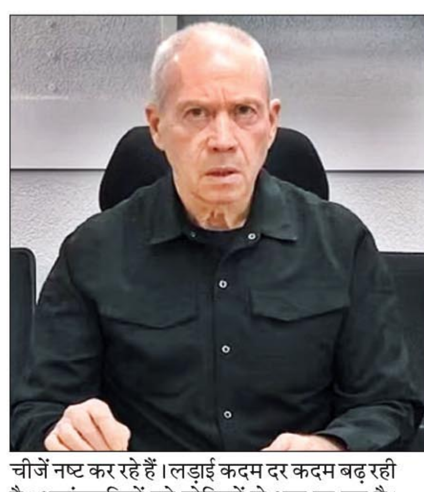

चीजें नष्ट कर रहे हैं। लड़ाई कदम दर कदम बढ़ रही है। आतंकवदियों को गोलियों से भूना जा रहा है। हमास के 12 बटालियन कमांडरों को मार चुके हैं। हमास आतंकी है, उनकी कोई सीमा नहीं है। हमास क्रूर है।

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें। हमाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

चीन को लगा बड़ा झटका

इटली के बाद फिलीपींस भी हुआ बेल्ट एंड रोड परियोजना से बाहर

मनीला ।
चीन पूरी दुनिया में अपना आर्थिक प्रभाव जमाने की कोशिशों में जुटा है और इस लक्ष्य को पाने के लिए उसने एक खरब डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना (बीआरआई) की शुरुआत की थी, जिसमें कई देशों में चीन विकास परियोजनाओं का निर्माण करने वाला है।

हालांकि अब चीन की यह महत्वकांक्षी परियोजना खटाई में पड़ती दिख रही है। दरअसल कई देश इस परियोजना से हटना शुरू हो गए हैं। बीते दिनों इटली ने बीआरआई से बाहर होने का एलान किया था। अब खबर आई है कि फिलीपींस ने भी चीन की बीआरआई परियोजना से अलग होने की घोषणा कर दी है।

इटली के बाद फिलीपींस भी बीआरआई से बाहर

गौरतलब है कि हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में बेल्ट एंड रोड फोरम का आयोजन किया था, जिसमें 23 देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। लेकिन फोरम आयोजित होने के कुछ दिनों के भीतर ही इटली और अब फिलीपींस के बाहर होने से चीन की इस अहम परियोजना को बड़ा धक्का पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलीपींस के परिवहन मंत्रालय ने बेल्ट एंड रोड परियोजना से पूरी तरह बाहर होने की घोषणा की है। फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर भी विवाद चल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी वजह से फिलीपींस ने चीन की परियोजना

से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही हाल के सालों में बेल्ट एंड रोड परियोजना की गति धीमी हुई है। चीन की आर्थिक ताकत कम हुई है और चीन के बढ़ते कर्ज के जाल से भी कई देश सोचने पर मजबूर हुए हैं।

दक्षिण चीन सागर के विवाद का साया

चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की पेट्रोलिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया था, जिस पर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर ने चिंता जाहिर की थी। फिलीपींस में बेल्ट एंड रोड परियोजना के तहत चीन 4.9 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया था। जिसके तहत मिनदानाओ रेलवे प्रोजेक्ट, चिको रिवर पंप इरीगेशन प्रोजेक्ट, कलीवा डैम प्रोजेक्ट, समल आइलैंड-दावाओ सिटी को जोड़ने वाली परियोजना आदि का निर्माण किया जाना था। बताया जा रहा है कि फिलीपींस अब जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के निवेश को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है।

क्या है बीआरआई परियोजना

बेल्ट एंड रोड परियोजना की परिकल्पना साल 2013 में की गई थी और यह परियोजना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दिमाग की उपज मानी जाती है। इस परियोजना के तहत चीन, एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच जमीनी, समुद्री कनेक्टिविटी बना रहा है, जिसके लिए दुनिया के विभिन्न देशों में रेल, सड़क और जल मार्ग बनाए जा रहे हैं। बीआरआई को मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 2018 में चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना अपने चरम पर थी लेकिन अब इसमें 40 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। चीन के बढ़ते कर्ज के जाल से भी कई देश आशंकित हो गए हैं।

मतदान के दिन जनता तोड़ेगी गहलोत के काले जादू का तिलिस्म : अमित गोयल

जयपुर (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल और पूजा कपिल मिश्रा ने कांग्रेस सरकार में व्याप्त कुशासन, भ्रष्टाचार, महिला दुष्कर्म, और युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी के आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला। प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल ने कहा कि कांग्रेस के सी का मतलब करप्शन, क्राइम और चीटिंग है। इन पांच सालों में कांग्रेस के जीते हुए और हारे हुए 200 विधायकों ने *सरकार नाम की लूट है लूट सके तो लूट टाईम पूरा हो जाएगा कुर्सी जाएगी छूट* के ध्येय वाक्य के साथ जमकर लूट मचाई है। कांग्रेस के तत्कालीन चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा के समय एनएचएम भर्ती में डेढ़-डेढ़ लाख रुपए लेकर चहेतों को भर्ती कराया गया। इसके बाद मंत्री ये कहते हैं कि मेरी जानकारी में इस तरह का कोई मामला नहीं आया जबकि खुद मंत्री ने उस समय इस भर्ती को लेकर ट्वीट किया था। कांग्रेस के लोग मानवता के दुश्मन हैं। कोरोना महामारी जैसे गंभीर समय में भी ये लोग लूट करने से नहीं चूके। इन्होने पांच रुपए वाले मास्क को 30 रुपए में बेचा और 35 हजार के ऑक्सीजन कसंट्रेटर को 1.5 लाख में खरीदा। गोयल ने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा और विधायक दिव्या मदेरणा अपनी ही

सरकार पर कुशासन के आरोप लगाते रहे, इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि सरकार की विश्वसनीयता क्या रही होगी। आज कांग्रेस के भीतर एक बौखलाहट है जिसके चलते इनके मंत्री लालचंद कटारिया, हेमाराम चौधरी और विधायक भरत सिंह चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं। भरत सिंह वही विधायक हैं जिन्होने सरकार के खनन मंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री गहलोत को पत्र लिखा, लेकिन मुख्यमंत्री के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। इसके बाद विधायक भरत सिंह ने अपना सिर मुंडवाकर बाल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजे लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रदेश में संतो ने आत्मदाह किये, पुजारियों की हत्या की गई और गरीब, मजदूर और किसानों को भी इस सरकार ने नहीं बख्शा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पूजा कपिल मिश्रा ने कहा कि नारी सुरक्षा सेखिलवाड़, नारी के सम्मान सेखिलवाड़ हमारी संस्कृति और आस्था सेखिलवाड़ है। नारी सुरक्षा सेखिलवाड़ में सदैव कांग्रेस का साथ और कांग्रेस का हाथ है। आज प्रदेश महिला उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में नंबर वन चल रहा है। प्रतिदिन 17 से 18 से बलात्कार, 26 छेड़छाड़ व अपहरण की घटनाएं हो रही है। हाल ही में बीकानेर की एक छात्रा का नहाते समय अश्लील वीडियो बनाया गया उसको धमकियां देकर उसके साथ दुष्कर्म किया, नौकरी के बहाने राजधानी में युवती से गैंगरेप, बीकानेर में ही अश्लील वीडियो बनाने से परेशान होकर युवती ने फांसी लगाई। राजस्थान पुलिस की महिला कांस्टेबल पर क्वार्टर में घुसकर धारदार हथियार से हमला होता है और शादी से इनकार करने पर युवती पर तेजाब फेंक दिया जाता है। महिला अत्याचार की इन सभी घटनाओं को हम भूले नहीं हैं, चाहे वह भीलवाड़ में दुष्कर्म कर भट्टी में फेंकने का मामला हो या करौली में गैंगरेप कर तेजाब डालकर कुएं में फेंकने का मामला हो। मिश्रा ने कहा कि सीकर में एक 40 वर्षीय महिला के साथ गैंगरेप कर हत्या कर दी जाती है, अलवर में मूक-बधिर बालिका के साथ बलात्कार किया गया और अलवर में ही पति के सामने पत्नी के साथ गैंगरेप किया गया। प्रदेश में 35 हजार से अधिक महिलाएं बलात्कार की बलि चढ़ चुकी हैं, और नाबालिंगो के साथ पिछले 52 महिनों में पोक्सो एक्ट के 14854 से ज्यादा मामले दर्ज हुए। प्रदेश के मुखिया गहलोत बेशर्मी से कहते हैं कि पॉक्सो एक्ट में फांसी की सजा का प्रावधान है इसलिए लोग बच्चियों के साथ गैंगरेप करके हत्या कर देते हैं। इतिहास गवाह है कि रामायण, महाभारत से लेकर जब-जब नारी पर अत्याचार अनाचार बड़ा है उसके बाद संग्राम हुआ है। आगामी 03 दिसंबर को भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी और दुष्कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी और नारी का खोया सम्मान लौटेगा।

भारी प्रदूषण की चपेट में पंजाब, सरकार की सलाह मास्क पहनकर निकलें बाहर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के करीब 15 जिले इस समय भारी प्रदूषण की चपेट में हैं। पंजाब सरकार ने रविवार को राज्य की जनता के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के मद्देनजर सरकार ने प्रदेश वासियों को मास्क पहनकर निकलने की सलाह दी है। सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि वह घर से बिना मास्क लगाए न निकलें। साथ ही इस प्रदूषण से होने वाले नुकसान और परहेज के बारे में जानकारी दी गई है। सरकार ने लोगों को सुबह की सैर न करने की सलाह देते हुए कहा है कि सूरज निकलने के बाद ही घर से निकलें। बेहद जरूरी स्थिति में ही घर से बाहर निकलें। सरकार की हिदायतों के अनुसार गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों तथा दमा के मरीजों को घर से बाहर न जाने दें। मामूली खांसी होने पर भी डाक्टर से परामर्श लेकर दवाई लें। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से कहा गया है कि यह प्रदूषण कुछ दिनों का है, लेकिन इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। ऐसे में बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है।

ग्रामीण विकास को लेकर न की जाए राजनीति : देवेंद्र सिंह बबली

रोहतक (हिंस)। विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास के प्रति वचनबद्ध है। सरकार द्वारा गांवों में शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में पहल की है। अधिकारी सरकार के आदेशों की पालना सुनिश्चित करें तथा आपसी तालमेल बढ़ाते हुए निर्धारित अवधि में गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों को धरातल पर उतारें। साथ ही विकास कार्यों के पूरा होने पर उनका भुगतान भी यथाशीघ्र निपटाए। वे रविवार को विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ सरकार की योजनाओं एवं ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी कार्य शैली में बदलाव लाये तथा विकास कार्यों की गति को बढ़ाए। सरकार द्वारा जनता के धन के सदुपयोग के लिए व्यवस्था बनाई है तथा पुरानी व्यवस्था को बदला है। सरकार द्वारा रिजोल्युसन मैनेजमेंट सिस्टम के तहत विकास कार्यों की प्रक्तिया की समय अवधि तथा अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला परिषद के कार्यों के क्तियान्वयन में हुई देरी के जांच के निर्देश दिए। साथ ही गांव निंदाना में व्यायामशाला इत्यादि विकास कार्यों की जांच करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने खंड अनुसार उपलब्ध धनराशि की समीक्षा की तथा अधिकारियों को शेष फंड से विकास कार्य शीघ्र शुरू करवाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरपंचों के साथ बैठक आयोजित कर गांवों की मुख्य समस्याओं की जानकारी हासिल करें तथा गांवों का दौरा भी करें। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों जैसी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में पहल की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने पथ संचालन से दिया एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

कठुआ (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कठुआ जिला इकाई ने नगर में एक विशाल तथा भव्य पथ-संचलन का आयोजन किया। रविवार को शहर के अलग-अलग हिस्सों में पथ संचालन कर एकता व अनुशासन के साथ देशभक्ति का संदेश दिया। रामलीला मैदान से शुरू हुई पथ संचालन में स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाते हुए शामिल हुए। पथ संचालन रामलीला मैदान से शुरू होकर मुखर्जी चौक, शहीदी चौक, वाया शहीद कैप्टन सुनील चौधरी चौक से होते हुए ओल्ड बस स्टैंड, जराई चौक से होते हुए वापस रामलीला मैदान में संपन्न हुई। इसमें कठुआ नगर तथा आसपास के ग्रामीण खंडों की शाखाओं से स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संचालन में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में थे और संघ के घोष (बैंड) की धुन के साथ कदम से कदम मिलाते हुए चल रहे थे। नगर में अनेक स्थानों पर पथ संचलन का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। पथ-संचलन से पहले सभी स्वयंसेवक तथा कार्यकर्ता रामलीला मैदान में एकत्रित हुए। कार्यक्तम में स्वयंसेवकों को माननीय इंद्रजीत जी कठुआ नगर संघचालक, विद्या रतन जी कठुआ विभाग संचालक, प्रोफेसर शुभकरण जी मुख्य अतिथि,अनुराग जी विभाग प्रचारक मुख्य वक्ता ने संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयदशमी के दिन डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार जी ने 1925 में नागपुर में की थी।

गांवों में भगवान राम-राधा कृष्ण व स्वतंत्रता सेनानियों की निकाली झांकी

सोनीपत (हिंस)। करणी सेना, गौ रक्षक तथा हिन्दूवादी संगठनों द्वारा राई विधानसभा के गांव अटेरना, जाखौली, झुंडपुर, पावसरा, मनौली, खुर्मपुर और भैंरा बाकीपुर में रविवार को भगवान राम, राधा-कृष्ण व स्वतंत्रता सेनानियों की झांकी निकाली जिसमें विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक ने कहा कि भगवान राम व कृष्ण ने हमेशा लोगों को सत्य और धर्म पर आगे बढ़ते हुए समाज का कल्याण करने की बात कहीं इसलिए हमें उनके बताए रास्ते पर चलते हुए मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करते चलें। हमारे क्तांतिकारी वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत माता को आजाद करवाने और देश के लिए अनेक यातानाएं सही। हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों कोसदा याद रखना है।

राजस्थान विस चुनाव : कांग्रेस के 23 उम्मीदवारों की छठी सूची जारी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 23 उम्मीदवारों छठी सूची जारी की है। जयपुर की हवामहल सीट से जलदाय मंत्री महेश जोशी का टिकट कट गया है। भरतपुर सीट कांग्रेस ने आरएलडी के लिए छोड़ दी है। यहां से कांग्रेस अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। यह लगातार दूसरी बार है, जब भरतपुर सीट को आरएलडी को दिया गया है। हवामहल से महेश जोशी के स्थान पर आरआर तिवाड़ी को मैदान में उतारा गया है। जोशी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेहद नजदीकी माने जाते हैं। छठी सूची में कई नये चेहरों को मौका दिया गया है। कांग्रेस ने पहली सूची में 33, दूसरी में 43, तीसरी सूची में 19, चौथी सूची में 56 और पांचवीं सूची में पांच प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। अब तक कांग्रेस के 200 विधानसभा सीटों में से 179 सीटों पर प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। अब 21 सीटों पर घोषणा बाकी है। जारी सूची के अनुसार सांगरिया से अभिमन्यू पूनिया, भाद्रा से अजित बेनीवाल, डूंगरगढ़ से मंगलराम गोदारा, पिलानी से पितराम काला, दांतारामगढ़ से वीरेंद्र सिंह, शाहपुरा से मनीष यादव, चौमूं से डॉ. शिखा मील बराला, आमेर से प्रशांत शर्मा, जमवारामगढ़ से गोपाल लाल मीणा, हवामहल से आरआर तिवाड़ी, विद्याधर नगर से सीताराम अग्रवाल, अलवर शहर से अजय अग्रवाल, भरतपुर आरएलडी के लिए रिक्त छोड़ी गई, यहां से सुभाष गर्ग चुनाव लड़ सकते हैं। मालपुरा से घासीलाल चौधरी, मेड़ता से शिवरतन वाल्मीकि, फलोदी से प्रकाश छंगानी, लोहावट से किशनाराम बिश्नोई, शेरगढ़ से मीना कंवर, सूरसागर से शहजाद खान, आहोर से सरोज चौधरी, चोरासी से ताराचंद भागोरा, भीलवाड़ से ओम नारायणीवाल और लाडपुरा से नैमुद्दीन गुड्डू को प्रत्याशी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने करनाल के गांव रतनगढ़ से शुरू की छात्र परिवहन सुरक्षा योजना

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गांव में 50 से अधिक विद्यार्थी होने पर दूर-दराज के स्कूल में जाने के लिए अब परिवहन विभाग की ओर से बस सेवा उपलब्ध करवाई जाएगी। जिस गांव में 30 से 40 विद्यार्थी हैं, वहां पर मिनी बस, जिस गांव में 5 से 10 विद्यार्थी हैं, वहां शिक्षा विभाग विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को करनाल के गांव रतनगढ़ में जनसंवाद कार्यक्तम में बोल रहे थे। उन्होंने यहां छात्र परिवहन सुरक्षा योजना शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना को प्रथम चरण में करनाल जिला और उसके बाद प्रदेश के अन्य जिलों में लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव रतनगढ़ के लोगों की समस्याएं सुनी और जगदीश निवासी जुंडला व दयानंद निवासी रतनगढ़ को पेंशन की सौगात, युवाओं को खेल प्रांगण जैसी सुविधा, रतनगढ़ और दौलतपुर गांव के बीच स्थित डेरे के 10 घरों में जाने के लिए 2 या 3 करम के रास्ते बनाने के लिए जमीन मालिक से बातचीत करने और गांव में बिजली के नए कनेक्शन देने,

गांव निवासी ओम प्रकाश को रेडक्तॉस के माध्यम से रिक्शा देने, गांव की बेटी प्रियंका की मांग पर गांव के साथ लगती ड्रेन को बारिश से पहले पक्का करने, गांव फूसगढ़ निवासी सुरजीत की शिकायत पर सेक्टर 32 के पुलिस इंचार्ज को चेतावनी दी और बेटियों की मांग पर पंचायती राज फंड से मेन रोड से गांव तक सड़क पर लाईटिंग की व्यवस्था करने की सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाल विधानसभा क्षेत्र के 20 वार्डों और 6 पंचायतों सहित 26 जगहों में से 23 जगहों पर जनसंवाद कार्यक्तम के माध्यम से लोगों की शिकायतें सुन चुके हैं और इस दौरान जितनी भी शिकायतें दर्ज करवाई गई हैं उनमें से अधिकतर का समाधान किया गया है। उन्होंने गांव रतनगढ़ के जनसंवाद कार्यक्तम में विद्यार्थियों को गांव से दूर स्कूलों तक जाने के लिए परिवहन व्यवस्था की सौगात दी है जिसकी शुरुआत सोमवार से रतनगढ़ से शुरू कर दी जाएगी। इस गांव में सोमवार को सुबह 7 बजे रोडवेज विभाग की बस विद्यार्थियों का इंतजार करेगी। यह बस विद्यार्थियों को स्कूल ले जाने और फिर घर छोड़ने का काम करेगी। यह योजना करनाल के बाद पूरे प्रदेश में लागू की जाएगी। जहां पर 30 से 40 बच्चे होंगे वहां पर मिनी बस उपलब्ध करवाई जाएगी और जिस गांव में 5 से 10 बच्चे होंगे वहां पर ऑटो रिक्शा जैसी सुविधा मिलेगी। यह सुविधा विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। इसका पैसा जिला शिक्षा विभाग के माध्यम से खर्च किया जाएगा और यह सुविधा छात्र परिवहन सुरक्षा योजना के अंतर्गत उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति की छोटी-छोटी दिक्कतों और परेशानियों को दूर करने के लिए जनसंवाद कार्यक्तमों के तहत गांव व वार्ड में पहुंच रही है। प्रदेश सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से तमाम योजनाओं का लाभ देना का काम किया है। किसानों को अब फर्द ऑनलाइन प्रणाली से मिल रही है। बुजुर्गों की ऑटो मोड से पेंशन बन रही है और सीधा बैंक खाते में पेंशन जमा करवाई जा रही है। सरकार ने 45 वर्ष से ऊपर अविवाहित व्यक्ति, 40 साल से ऊपर विधुर व्यक्ति की भी पेंशन शुरू करने का काम किया है।

राजस्थान भाजपा नेता के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस को दी शिकायत

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष जय इंदर कौर के नेतृत्व में भाजपा पंजाब ने रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-39 पुलिस स्टेशन में भाजपा राजस्थान नेता संदीप दायमा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जय इंदर कौर के अलावा भाजपा प्रतिनिधियों में ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल सिंह बोनी अजनाला, भाजपा पंजाब सचिव कंवर सिंह टोहरा, प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावाल और वकील हरनीत सिंह शामिल थे। शिकायत दर्ज करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए महिला मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पवित्र गुरुद्वारों और मस्जिदों के खिलाफ राजस्थान के नेता संदीप दायमा द्वारा की गई असंवेदनशील नफरत भरी टिप्पणियों ने हमारी भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है और इसे सिर्फ माफी मांगने से माफ नहीं किया जा सकता है। पंजाब बीजेपी ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है और हम इसकी निंदा करते हैं और आज हमने उक्त नेता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और मांग की है कि उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ने आगे कहा कि अध्यक्ष सुनील जाखड़ के नेतृत्व में हमारे राज्य नेतृत्व ने

पहले ही संदीप दायमा के पार्टी में बने रहने के खिलाफ अपना कड़ा विरोध केंद्रीय नेतृत्व को बता दिया है और मैं एक बार फिर उनसे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और तुरंत निष्कासित करने का आग्रह करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि इस संदीप दायमा ने जानबूझकर देश के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने के लिए ऐसा बयान दिया है और उसे सिर्फ माफी मांगकर बच निकलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। भारत जैसे देश में, जो सभी धर्म और आस्था का सम्मान करता है, ऐसी नफरत के लिए कोई जगह नहीं है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर पुलिस देख भागे दो तस्कर, मुठभेड़ में हत्थे चढ़े

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने शनिवार रात तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट मुठभेड़ के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास दो किलोग्राम हेरोइन मिली है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि चौहला साहिब क्षेत्र में महत्वपूर्ण सूचना पर पुलिस ने दो तस्करों को घेरा। आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी और पाकिस्तान की तरफ भागने लगे। यह देख पुलिस को गोली चलानी पड़ी। फायरिंग में एक घायल होकर गिर गया। पुलिस ने दूसरे का पीछा किया। आखिरकार मुठभेड़ में दोनों पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

मोगा में सड़क हादसा, दूल्हा समेत चार की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मोगा में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में दूल्हा समेत चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे लुधियाना-फिरोजपुर मुख्य मार्ग पर गांव अजीतवाल के पास हुआ।मोगा पुलिस का कहना है कि डोली वाली कार की टक्कर एक खड़े ट्रक से हुई है। मृतकों में दूल्हा भी शामिल है। हादसे में जख्मी तीन अन्य लोगों का इलाज चल रहा है। यह कार अबोहर की तरफ से आ रही थी। घायलों व मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस विधायक मलिंगा सहित कई नेता भाजपा में शामिल

धौलपुर (हिंस)। विश्व की सबसे बडी पार्टी भाजपा का राजस्थान में कुनबा बढता जा रहा है। कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेता भाजपा का दामन थाम रहे हैं। इस कड़ी में रविवार को जयपुर में भाजपा मीडिया सेंटर पर धौलपुर के बाडी से कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा सहित कई कांग्रेसी पदाधिकारी भाजपा में शामिल हुए। इनमें धौलपुर कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष मुस्ताक अहमद खान, बाल कल्याण समिति धौलपुर के रवि पचौरी, जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर के सचिव दीप सिंह कुशवाह, यूथ कांग्रेस धौलपुर के सचिव मांगीलाल शर्मा, जिला महामंत्री रामवरण शर्मा भाजपा में शामिल हुए। वहीं आम आदमी पार्टी के युवा विंग राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अनुराग सिंह बराड़ भी ने भी भाजपा का दामन थामा। इस मौके पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने सभी को पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर व मिठाई खिलाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। इस दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भाजपा स्थापना के समय से एक लक्ष्य को लेकर तय मार्ग पर काम कर रही है। अगर देश में कोई पार्टी देश में एक विचारधारा को लेकर काम कर रही है तो वह भारतीय जनता पार्टी ही है। एक विचारधारा, एक लक्ष्य के साथ निरंतर प्रगति के साथ आगे बढ़ने की सोच के चलते ही आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर सामने आई है। हमारा लक्ष्य सबका साथ और सबका विकास है। इस लिए मोदी की नीति और सोच के साथ चलने वालों का पार्टी सदैव स्वागत करती है। भाजपा की सदस्यता गृहण करने के बाद गिर्राज सिंह मलिंगा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में मुझे परेशान किया जा रहा है। सीएम की दवाब वाली राजनीति के चलते मेरे खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवाया गया। एईएन और जेईएन मारपीट मामले में मुझे आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज करवाई गई उसमें भी राजनीति हुई है। दिन में 1.20 बजे इस मामले को लेकर एक रिपोर्ट दर्ज हो जाती है, इसके 12 घंटे बाद पर्चा बयान के आधार पर मेरा नाम जोड़ते हुए एफआईआर दर्ज करवा दी गई। इस मामले को लेकर जब जांच बदलवाने की मांग की गई तो कांग्रेस विधायक होने के बावजूद मुख्यमंत्री ने मेरी नहीं सुनी। ऐसे में भाजपा में मोदी जी की रीति- नीति देखकर, भाजपा की सोच के साथ कार्य करने की इच्छा रखते हुए आज भाजपा पार्टी ज्वाइंन कर ली। आम आदमी पार्टी के युवा विंग प्रदेशाध्यक्ष अनुराग सिंह बराड़ ने कहा कि आम आदमी पार्टी के चार- चार मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें है। देश के सर्वोच्च न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिलना और जांच में सहयोग नहीं करना कई बातों को साफ करता है। ऐसे में नई सोच के साथ युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए सहयोग करने का मन बनाया है। मोदी के लक्ष्य में सहयोग करने के लिए ही आज भाजपा पार्टी ज्वाइंन की है। बराड़ ने कहा कि गंगानगर इलाके में पानी की बूंद- बूंद तक को लेकर लड़ाई हुआ करती थी लेकिन जब से केंद्री में जल शक्ति मंत्री के तौर पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने पदभार संभाला है, किसानों की पानी को लेकर कई समस्याओं का समाधान हो गया। कई वर्षों पुराने विवादों तक को गजेंद्र सिंह शेखावत ने सुलझा दिया।

गेहूं के सब्सिडी वाले बीजों के लिए आए एक लाख से अधिक आवेदन : खुड्डियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब कृषि और किसान कल्याण विभाग को गेहूं के प्रमाणित बीजों पर 50 प्रतिशत सब्सिडी हासिल करने के लिए राज्य के किसानों की तरफ से कुल एक लाख नौ हजार 240 आवेदन मिले हैं। पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने रविवार को बताया कि विभाग के पोर्टल पर अब तक 8736.8 क्विंटल बीजों के 21 हजार 842 बिल अपलोड हो चुके हैं। बीजों के लिए प्रति किसान अधिक से अधिक 5 एकड़ (2 क्विंटल) क्षेत्रफल के लिए सब्सिडी मुहैया करवाई जा रही है। इसके इलावा सब्सिडी वाले बीज मुहैया करवाने में अनुसूचित जातियों, छोटे (2.5 से 5 एकड़) और सीमांत किसानों (2.5 एकड़ तक) को पहल दी जा रही है।

प्रकृति का नियम, जो संघर्ष करेगा वो जरूर चमकेगा : श्रीकांत जाधव

पैरा एशियाई खेलों में सिल्वर मेडलिस्ट प्रमोद को एडीजीपी ने किया सम्मानित

हिसार (हिंस)। हिसार रेंज के एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने कहा है कि जो युवा जी तोड़ मेहनत करता है वह जरुर चमकता है। इसमे किसी को कोई संदेह करने की जरुरत नहीं है, यह प्रकृति का नियम है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपना नियम बनाकर अपने टारगेट पर फोकस करे, चाहे शिक्षा अर्जित करने में, चाहे खेलों में लगन व मेहनत के बल पर अपना टारगेट प्राप्त कर सकते है। सफलता के लिये परम निष्ठा जरूरी है, कोई ताकत लक्ष्य भेदने से रोक नहीं सकती। वे रविवार को महावीर स्टेडियम में हाल ही में चीन में सम्पन्न हुए पैरा एशियाई खेलों मे 1500 मीटर की दौड़ में सिल्वर मेडल प्राप्त कर देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ी प्रमोद के सम्मान में समारोह को संबोधित कर रहे थे। एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने सिल्वर मेडलिस्ट खिलाडी प्रमोद व उसके माता पिता को मंच पर अपने साथ बैठाया व उनका जीवन परिचय लिया। एडीजीपी ने प्रतिभाशाली खिलाड़ी का फूलमालाओं व गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

उन्होंने खिलाडी के पिता राममूर्ति व माता भातो देवी को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी व उन्हे भी गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अभाव में बढ़ा-पला युवा, अपनी मेहनत व इच्छाशक्ति के बल पर आज इस मुकाम पर पहुंचा है। उन सभी खिलाड़ियों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्हें अच्छे कोच व संसाधन उपलब्ध है। उन्होंने कहा दिव्यांग होना अक्षम होना नहीं है, अगर किसी दिव्यांग व्यक्ति में जुनून और खेलने का हौसला है तो वह पैरा एथलीट बनकर खुद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साबित कर सकता है, इसके लिए सही ट्रेनिंग और सही गाइडेंस की आवश्यकता होती है, परंतु प्रबल इच्छा शक्ति किसी सहारे की मोहताज भी नहीं है। एडीजीपी ने इस अवसर पर खिलाड़ी प्रमोद के कोच रहे राजेश कुमार, उप निरीक्षक व भरत सिंह पूनिया को भी अपने कार्यनिष्ठा से करने के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति जिला खेल अधिकारी जगदीप सिंह, पंचायत समिति चेयरमैन विनोद पूनिया, रणधीर सिंह पनिहार, सेवानिवृत प्राचार्य राजपाल, रमेश मेनेजिंग डायरेक्टर ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीय खिलाड़ी नवीन पूनिया सहित अनेक प्रतिभाशाली व युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

नशा समाज का सबसे बड़ा दुश्मन : शंकराचार्य

सिरसा (हिंस)। नशा समाज का सबसे बड़ा दुश्मन है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ-साथ अपने परिवार व समाज का भी नाश करता है। इसलिए नशे का त्याग कर रामनाम का सिमरन कर अपने जीवन का उद्धार करें। यह बात बातें स्वामीश्री 1008 ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री अविमुक्तेस्वरानं दसरस्वती महाराज ने कही। समाजसेवी अमीर चावला रिसोर्ट में स्वामी जी का अभिनंदन किया और आशीर्वाद लिया। स्वामी जी ने कहा कि वर्तमान समय में नशे के प्रचलन के कारण स्थिति बद से बदतर हो गई है। छोटे-छोटे बच्चे नशे की चपेट में है, जिसके कारण समाज का ताना-बाना बिखर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को नशे की प्रवृतित से बचाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयाय करने होंगे। अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने होंगे। स्वामी जी ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें। उनका लगातार ध्यान रखें, ताकि आपको ये पता चल सके कि आपका बच्चा कहां रह रहा है। मोबाइल के दुष्प्रभावों बारे स्वामी जी ने कहा कि जहां तक हो सकेअपने बच्चों को कम से कम मोबाइल चलाने दें, क्योंकि इससे बच्चे सनकी हो रहे हैं। लगातार घटनाएं हो रही है, जिन्हें देखते हुए अभिभावकों को अभी से जागरूक होना पड़ेगा। थोड़ी सी सख्ती आपके बच्चे को बिगाड़ सकती है और उसका भाग्य बना सकती है।

वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा, कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई।
घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहेंगे।

यदि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध रूप से लिवाल रहते हैं, तो इससे बाजार की तेजी को और समर्थन मिल सकता है। हालांकि भू-राजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन उनका बाजार के कुल रुझान पर सीमित प्रभाव पड़ा है। वैश्विक बाजारों का जुझारूपन इस सकारात्मक धारणा को कायम रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। वृहद आर्थिक मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों की घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद की जाएगी। एक अन्य बाजार के विश्लेषक कहते हैं कि वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक घटनाक्रम, एफआईआई के साथ घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख, कच्चे तेल का भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, इजराइल-हमास संघर्ष और दूसरी तिमाही के नतीजे इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में कुछ बड़ी कंपनियां मसलन एचपीसीएल, एनएचपीसी, आईआरसीटीसी, पावर ग्रिड, टाटा पावर, अशोक लेलैंड, कोल इंडिया, हिंडाल्को, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा केमिकल्स अपनी तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। मजबूत वैश्विक संकेतक, स्थिर वृहद आर्थिक आंकड़े और घरेलू कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार मजबूत हुआ है। इसके अलावा फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने का संकेत तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

न्यूज ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक अब डिजिटल रुपी में कर पाएंगे ट्रांजैक्शन

नई दिल्ली। बड़े निजी बैंको में से एक आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों अब डिजिटल रुपी के जरिए ट्रांजैक्शन कर करने की सुविधा दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि बैंक के ग्राहक अब डिजिटल रुपया का इस्तेमाल कर किसी भी मर्चेंट के कोड को स्कैन कर ट्रांजेक्शन कर पाएंगे। डिजिटल रुपी के जरिए ट्रांजैक्शन करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहको को ऐप डाउनलोड करना होगा। बैंक ने यूपीआई के सहयोग से ग्राहकों को यह सुविधा दी है कि ग्राहक मर्चेंट के कोड को स्कैन कर डिजिटल रुपी से ट्रांजैक्शन कर पाएंगे। आपको बता दें कि जरूरी नहीं कि आप जिस मर्चेंट का कोड का इस्तेमाल कर पेमेंट कर रहे हैं, उस मर्चेंट के पास आपकी तरह डिजिटल रुपी ऐप हो लेकिन फिर भी वो मर्चेंट डिजिटल रुपी में पेमेंट प्राप्त कर सकता है। दिसंबर 2022 में शुरू हुआ था पायलट प्रोजेक्ट आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक को दिसंबर 2022 में डिजिटल मुद्रा कि पायलट परियोजना में भाग लेने के लिए चुना था। आईसीआईसीआई बैंक की यह सुविधा देश के 80 शहरों में उपलब्ध है। ऐप के जरिए कैसे करें पेमेंट सबसे पहले अपने प्ले या ऐप स्टोर से ऐप को इंस्टोल कर, लॉग इन कर लें। इसके बाद स्कैन ऑप्शन को क्लिक कर मर्चेंट के यूपीआई कोड को स्कैन करें। इसके बाद अमाउंट दर पिन दर्ज करें। पिन डालने के बाद आपके ट्रांजैक्शन पूरा हो जाएगा। सेविंग अकाउंट से यूजर्स डिजिटल वॉलेट में डाल सकते हैं पैसे ऐप यूजर्स को उनके बचत खाते से अपना डिजिटल वॉलेट लोड करने की सुविधा प्रदान करता है। जहां वो दूसरों को पैसे ट्रांसफर या भुगतान भी कर सकते हैं। जब वॉलेट का बैलेंस कम हो जाता है तो ऐप ग्राहक के बचत खाते से स्वचालित रूप से वॉलेट में पैसे एड कर देता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ राज्यों में बदली

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता रहने से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.50 पैसे सस्ता होकर 103.08 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। एमपी में पेट्रोल के दाम में 0.12 पैसे की वृद्धि हुई है। वहीं राजस्थान 0.45 पैसे महंगा हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एलएंडटी एलटीआईईएल में अपनी100 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली । एलएंडटी ने अपनी अनुषंगी कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड (एलटीआईईएल) में पूरी हिस्सेदारी फ्रांस की एक कंपनी को बेचने की योजना बनाई है। कंपनी यह विनिवेश अपने मूल कारोबार और परिसंपत्तियों पर पूरा ध्यान लगाने की प्रतिबद्धता के कारण कर रही है। एलएंडटी ने कहा कि कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। एलटीआईईएल बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए एकीकृत इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदाता है। हिस्सेदारी का अधिग्रहण फ्रांस की एससिस्टम एसए की सहायक कंपनी एसटीयूपी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड करेगी। कुछ शर्तों के साथ यह समझौता अगले साल 15 जनवरी तक पूरा होने की संभावना है। एलएंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह गैर-प्रमुख एकीकृत परामर्श इंजीनियरिंग क्षेत्र से निकलने और हमारे मुख्य व्यवसायों पर ऊर्जा और ध्यान केंद्रित करने की ओर एक कदम है। इससे न केवल एलएंडटी को फायदा होगा बल्कि एलटीआईईएल और उसके कर्मचारियों को विकास के बड़े अवसर भी मिलेंगे।

दिल्ली में सफल आउटलेट्स पर 25 रुपये किलो मिलेगी प्याज

एनसीसीएफ 20 राज्यों के 54 शहरों में 457 रिटेल स्टोर्स पर बेच रही सस्ती प्याज

नई दिल्ली।
प्याज की बढ़ी कीमतों से कंज्यूमर्स को राहत देने के लिए सरकार अब दिल्ली-एनसीआर की मदर डेयरी सफल आउटलेट्स पर भी इस विकेंड से 25 रुपये किलो की रेट से प्याज बेचेगी। नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एनसीसीएफ और नेफेड 25 रुपये किलो की रेट से बफर प्याज पहले से ही बेच रही हैं।

एनसीसीएफ 20 राज्यों के 54 शहरों में 457 रिटेल स्टोर्स पर सब्सिडाइज्ड रेट पर प्याज बेच रही है। जबकि नेफेड 21 राज्यों के 55 शहरों में 329 रिटेल स्टोर्स पर डिस्काउंटेड रेट पर प्याज बेच रही है। वहीं केंद्रीय भंडार ने भी दिल्ली-एनसीआर में प्याज की रिटेल सेल अपनी आउटलेट्स से शुरू कर दिया है।

तेलंगाना और दक्षिणी राज्यों में भी 25 रुपये किलो बिक रहा प्याज

इसके अलावा हैदराबाद एग्रीकल्चर कोऑपरेटिव एसोसिएशन ने भी तेलंगाना और दूसरे दक्षिणी राज्यों में डिस्काउंटेड रेट (25 रुपये किलो) पर प्याज बेचने की घोषणा की है। कंज्यूमर अफेयर मिनिस्ट्री ने एक नोटिफिकेशन के जरिए इस बात की जानकारी दी है।

सरकार ने कहा- सप्लाई बढ़ाकर कम कर रहे दाम

बढ़ती कीमतों पर कंज्यूमर अफेयर मिनिस्ट्री ने बीते हफ्ते कहा था कि राज्यों के थोक और खुदरा दोनों बाजारों में प्याज का एक्स्ट्रा स्टॉक भेजा जा रहा है। सरकार ने बताया कि अगस्त के बीच में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, उत्तराखंड, बिहार सहित 16 राज्यों में 1.74 लाख टन प्याज का स्टॉक भेजा गया था।

दिसंबर में कम हो सकते हैं प्याज के दाम

कंज्यूमर अफेयर सेक्रेटरी रोहित कुमार सिंह ने पिछले हफ्ते बताया था कि सरकार मध्य अगस्त से बफर प्याज की सप्लाई बढ़ा रही है। साथ ही कीमतें कम करने के लिए खुदरा बिक्री भी बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि कीमतें नवंबर तक बढ़ सकती हैं, लेकिन दिसंबर में इसमें गिरावट आने लगेगी।

सरकार स्टोर कर रही 7 लाख टन प्याज

सरकार के पास फिलहाल 5.06 लाख टन प्याज का स्टॉक है। इसके अलावा 2 लाख टन और प्याज स्टोर करने पर काम कर रही है। सरकार ने कहा है कि इसके बाद आने वाले हफ्तों में प्याज की कीमतों को कंट्रोल किया जा सकेगा।

अक्टूबर में अचानक बढ़े प्याज के दाम

अक्टूबर के तीसरे और चौथे हफ्तों के बाद प्याज की कीमतों में अचानक कई गुना का इजाफा हुआ था। इसके बाद सरकार रेट कंट्रोल करने के लिए सब्सिडाइज्ड रेट पर प्याज बेच रही है।

मिड-अक्टूबर में 40 प्रतिशत तक गिरी प्याज की आवक: रिपोर्ट के मुताबिक, अहमद नगर मंडी से 15 अक्टूबर से 28 अक्टूबर के दौरान प्याज की आवक में 40 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। सामान्य दिनों रोजाना लगभग 400 गाड़ी प्याज की आवक होती है। यह आंकड़ा बीते दिनों 150 कम होकर 250 रह गया है। एक गाड़ी में करीब 10 टन प्याज लोड होता हैं। इस हिसाब से 1500 टन कम प्याज मार्केट में आ रहा है। बेमौसम बरसात से बुआई में देरी: देश में सबसे ज्यादा प्याज उत्पादन करने वाले राज्यों जैसे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश के चलते उत्पादन कम हुआ है। साथ ही बेमौसम बरसात के कारण बुआई में भी देरी हुई है। इससे सप्लाई भी देरी से होगी। बीते सालों में नुकसान के चलते बुआई कम हुई : जानकारों का मानना है कि पिछले दो सालों में दक्षिणी राज्यों कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में खरीफ प्याज की बुआई कम हुई है क्योंकि पिछले दो साल में किसानों को नुकसान हुआ है।

10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 कंपनियों का बढ़ाए मकैप, रिलायंस ने किया टॉप

नई दिल्ली।
पिछले कारोबारी हफ्ते में शेयर बाजार की दस सबसे मूल्यवांन कंपनियों में से नौ कंपनियों के एमकेप में वृद्धि हुई है। इन सभी नौ कंपनियों का संयुक्त एमकैप पिछले सप्ताह 97,463.46 करोड़ रुपये बढ़ा है। इन सभी कंपनियों के एमकैप में से सबसे अधिक बढ़ोतरी रिलायंस इंडस्ट्री के एमकैप में हुई है।

पिछले हफ्ते कितना उछला था सेंसेक्स

पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क 580.98 अंक या 0.91 फीसदी उछला था। बजाज फाइनेंस को छोड़कर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक सहित बाकी नौ कंपनियां टॉप गेनर रहे।

किस कंपनी का कितना बढ़ा एमकैप

पिछले कारोबारी हफ्ते रिलायंस का एमकैप 36,399.36 करोड़ रुपये बढ़कर 15,68,995.24 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 15,305.71 करोड़ रुपये बढ़कर 5,15,976.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 14,749.52 करोड़ रुपये बढ़कर 6,54,042.46 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,657.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,25,842.89 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल का एमकैप 9,352.15 करोड़ रुपये बढ़कर 5,23,087.22 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का एमकैप 6,320.4 करोड़ रुपये बढ़कर 5,89,418.46 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का एमकैप 3,507.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,76,529.86 करोड़ रुपये हो गया। टाटा ग्रुप की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 109.77 करोड़ रुपये बढ़कर 12,26,093.23 करोड़ रुपये और आईटीसी का 62.36 करोड़ रुपये बढ़कर 5,40,699.70 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, बजाज फाइनेंस का एमकैप 5,210.91 करोड़ रुपये घटकर 4,49,604.04 करोड़ रुपये रह गया।

कौन से रही टॉप 10 कंपनी

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहला स्थान मिला इसके बाद दूसरे स्थान पर टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, आईटीसी, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस रहे।

मुश्किलों में घिरी बायजू को फिर हुआ 2250 करोड़ रुपये का घाटा, कर्ज संकट गहराया

नई दिल्ली।
भारतीय शिक्षा स्टार्टअप बायजू को एक बार फिर से बड़ा घाटा हुआ है। ऐसे में पहले ही 1.2 अरब डॉलर के कर्ज में फंसी कंपनी की चुनौतियां बढ़ गई हैं। बंगलूरू स्थित ऑनलाइन शिक्षा देने वाली कंपनी बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट है, जिसने मार्च 2022 में वित्तीय वर्ष के अंत में 2250 करोड़ रुपये का घाटा दर्शाया है। हालांकि कंपनी की आय बढ़कर दोगुनी यानी कि 35.7 अरब रुपये हो गई है।

कोरोना महामारी के बाद धीमी हुई कंपनी की ग्रोथ

एक समय भारत में स्टार्टअप कल्चर की अग्रणी कंपनी होकर उभरी बायजू कोरोना महामारी के दौरान खूब मजबूत हुई लेकिन कोरोना महामारी के बाद के दौर में कंपनी को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल कॉलेज बंद थे तो कंपनी ने खूब निवेश किया। इस दौरान कंपनी को खूब निवेश भी मिला लेकिन जैसे ही कोरोना महामारी के बाद स्कूल कॉलेज खुले तो कंपनी की ग्रोथ भी धीमी हो गई। कंपनी पर 1.2 अरब डॉलर का कर्ज है और लेनदारों से कंपनी का विवाद भी चल रहा है।

कई मुश्किलों में घिरी कंपनी

वित्तीय परिणाम दाखिल करने में देरी के चलते भी नियामक एजेंसी ने बायजू के खातों की जांच हुई, जिसके चलते कंपनी के ऑडिटर डेलॉयट एंड सेल्स को इस्तीफा देना पड़ा। अप्रैल में विदेशी मुद्रा विनियमन में धांधली के चलते कंपनी के बंगलूरू स्थित परिसरों में जांच एजेंसियों ने छापेमारी भी की।

अप्रैल से अक्टूबर के बीच बिजली की मांग 9.4 प्रतिशत बढ़कर हुई 984.39 बिलियन यूनिट, उर्जा मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली।
बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त के अप्रैल से अक्टूबर तक में भारत की बिजली खपत एक साल पहले की तुलना में 9.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 984.39 बिलियन यूनिट हो गई है। बिजली की खपत बढ़ने का मुख्य कारण आर्थिक गतिविधियों में सुधार का होना है। एक साल पहले की समान अवधि में बिजली की खपत 899.95 बिलियन यूनिट थी।

पीक पावर डिमांड भी बढ़ा - एक अन्य संकेतक, पीक पावर डिमांड, की बात करें तो अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान पीक पावर डिमांड लगभग 241 गीगावॉट से अधिक थी, जो 2022 की समान अवधि में 215.88 गीगावॉट थी।

पिछले महीने कितनी थी डिमांड - पिछले महीने अक्टूबर में देश की बिजली खपत त्योहारों और बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों के कारण बिजली की मांग में वृद्धि के कारण लगभग 22 प्रतिशत बढ़कर 138.94 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक साल पहले इसी महीने में बिजली की खपत 113.94 बीयू थी, जो अक्टूबर 2021 में दर्ज 112.79 बिलियन यूनिट से अधिक है।

गर्मियों में 229 गीगावॉट तक मांग पहुंचने की उम्मीद - उर्जा मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक गर्मियों के दौरान देश में बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच सकती है। हालांकि, अधिकतम आपूर्ति जून में 224.1 गीगावॉट की नई ऊंचाई को छू चूकी है, लेकिन जुलाई में गिरकर 209.03 गीगावॉट पर आ गई। अगस्त में अधिकतम मांग 238.19 गीगावॉट तक पहुंच गई। इस साल सितंबर में यह लगभग 241 गीगावॉट थी। अगस्त और सितंबर में बिजली की खपत बढ़ने का मुख्य कारण उमस भरा मौसम और त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक गतिविधियों का बढ़ना भी है।

लोन और डिपॉजिट के मामले में सितंबर तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने किया टॉप

नई दिल्ली।
देश के सरकारी बैंकों में से एक बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान लोन और डिपॉजिट में प्रतिशत के संदर्भ में बाकी सभी पीएसयू बैंकों में पहला स्थान प्राप्त किया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

कितना बढ़ा डिपॉजिट

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जमा और एडवांस में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जो जुलाई-सितंबर की अवधि के दौरान किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा सबसे अधिक है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का एडवांस सितंबर तिमाही में 23.55 प्रतिशत बढ़कर 1,83,122 करोड़ रुपये हो गया।

लिस्ट में और किस बैंक का नाम शामिल

20.29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इंडियन ओवरसीज बैंक, 17.26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और 16.53 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यूको बैंक का नाम शामिल है।

वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) घरेलू एडवांस ग्रोथ में 13.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सातवें स्थान पर रहा। हालांकि एसबीआई का कुल लोन बीओएम के 1,75,676 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 16 गुना अधिक यानी 28,84,007 करोड़ रुपये था।

डिपॉजिट ग्रोथ की बात करें तो बीओएम का जमा वृद्धि के संबंध में, बीओएम में 22.18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और सितंबर 2023 के अंत में 2,39,298 करोड़ रुपये जुटाए गए।

प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, जमा में 12 प्रतिशत की वृद्धि (10,74,114 करोड़ रुपये) के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा दूसरे स्थान पर था, जबकि एसबीआई ने 11.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 45,03,340 करोड़ रुपये दर्ज की।

जमा राशि में बीओएम टॉप

कम लागत पर चालू खाता और बचत खाता जमा राशि जुटाने के मामले में 50.71 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान बरकरार है, दूसरे नंबर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 49.93 प्रतिशत के साथ मौजूद है।

22 प्रतिशत के अधिक बढ़ा कारोबार

लोन और जमा में उच्च वृद्धि के कारण, बैंक के कुल कारोबार में भी 22.77 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की गई, जो 4,22,420 करोड़ रुपये थी, इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने 13.91 प्रतिशत की वृद्धि (19,08,837 करोड़ रुपये) दर्ज की।

दूसरी तिमाही में मुनाफे से घाटे में आई वेदांताः कंपनी को 915 करोड़ का लॉस हुआ, रेवेन्यू 6.4 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे घोषित किए हैं। दूसरी तिमाही में कंपनी मुनाफे से घाटे में आ गई है। कंपनी को सालाना आधार पर 915 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ है। कंपनी को पिछले साल की समान तिमाही में 2,687 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू 6.4 प्रतिशत बढ़कर 38,546 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 36,237 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 52.2 प्रतिशत बढ़कर 11,080 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 7,282 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का एबीटडा मार्जिन सितंबर तिमाही में 28.7 प्रतिशत रहा, पिछले साल की समान तिमाही में यह 20.1 प्रतिशत था। रिजल्ट से पहले वेदांता का शेयर 1.33 प्रतिशत बढ़कर 232.20 रुपए पर बंद हुआ।

आर्या के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी सुष्मिता को मौका मिला

-यह शो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्हें अपने शो आर्या के साथ ओट-ीटी प्लेटफॉर्म पर अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने का शानदार मौका मिला है। टीम के दो शानदार सीजन रहे हैं और अब वे अपने तीसरे सीजन के साथ वापस आ गई हैं, जो 3 नवंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुआ। सुष्मिता सेन ने खुलासा किया है कि वेब सीरीज आर्या उनका बेस्ट काम नहीं है। उनके पास दर्शकों को पेश करने के लिए और भी बहुत कुछ है। एक्ट्रेस ने अपने तीसरे सीजन के साथ आने वाले शो के बारे में बात की, इसका उनकी फिल्मोग्राफी पर क्या प्रभाव पड़ा है और भी बहुत कुछ। उन्होंने कहा, सब कुछ। मेरे पास राम माधवानी जैसा इंस्टिट्यूट था, जो मुझे एक फिल्म के 40 दिन से अधिक नहीं बल्कि तीन सीजन के 60-60-60 दिन और आने वाले समय के बारे में सिखाते थे। एक कलाकार के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं। लेकिन अगर आप कहें कि यह मेरा बेस्ट काम है, तो मैं कहूंगी नहीं। अभी बहुत कुछ आना बाकी है। इसने मेरे अंदर एक कलाकार की प्यास को फिर से जगा दिया है।

मुझे ऐसे महान अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ आप उचित तैयारी के बिना काम नहीं कर सकते। मेरे पास कई हिट गाने, हिट फिल्में थीं, लेकिन मेरे जीवन में कभी आर्या नहीं थी। इसने मेरी फिल्मोग्राफी में बहुत कुछ जोड़ा है। शो के तीसरे सीजन के बारे में बात करते हुए ओटीटी द्वारा लाए गए बदलाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ओटीटी की बहुत बड़ी फैन हूं। इसने मुझे किरदारों को निखारने का समय दिया है। इसने हमें लोगों के घरों तक पहुंचाया, जहां वे कभी भी और कहीं भी हम पर नजर रख सकते हैं। हम देश ही नहीं विश्व स्तर पर अपने काम का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें पहले दो सीजन के लिए बहुत प्यार मिला है। यही वजह है कि हम सीजन 3 लेकर आए हैं। हमने बहुत ईमानदारी से एक कहानी कही है। हम तीसरे सीजन के लिए बहुत उत्साहित हैं। हमें पहले दो सीजन के लिए बहुत प्यार मिला है। यही कारण है कि हम सीजन 3 लेकर आए हैं। हमने बहुत ईमानदारी से एक कहानी कही है। हम तीसरे सीजन के लिए बहुत उत्साहित हैं।

आमिर की बेटी का प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू, मां रीना दत्ता हुईं शामिल

मुंबई (ईएमएस)। आमिर खान और रीना दत्ता की बेटी आइरा खान का प्री-वेडिंग फंग्शन शुरू हो गया हैं। यह जानकारी खुद आइरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर केलवन सेरेमनी की कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करके दी हैं। बता दें कि केलवन सेरेमनी को प्री-वेडिंग फेस्टिविटीज की शुरूआत के तौर पर माना जाता है जहां होने वाले दूल्हा-दुल्हन के परिवार एक दूसरे को बुलाते हैं। इस खास मौके पर आइरा ने मराठी साड़ी के साथ पेशवाई नथ पहनी। वहीं उनके मंगेतर नुपुर ट्रेडिशनल लुक में नजर आए। आइरा ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वे मराठी बोलती नजर आ रही हैं। वो मराठी में कहती हैं, मुझे मराठी आती नहीं है पर पोपाए (नुपुर का निक नेम) के लिए मैं कभी मना नहीं करती, इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग आइरा को एप्रीशिएट करते हैं। आइरा की इस पोस्ट पर ऋचा चड्ढा और रिया चक्रवर्ती ने भी अपना कमेंट किया है। अपनी पोस्ट में जहां रिया ने लिखा- क्यूट, तो वहीं ऋचा और एक्ट्रेस मिथिला पालकर ने इमोजी के जरिए रिएक्ट किया। सेरेमनी में आइरा की मां और आमिर खान की पहली पत्नी रीना दत्ता, नुपुर की मां प्रीतम शिखरे, आमिर की भतीजी जेन मैरी और आइरा की दोस्त व एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी मौजूद रहीं। इसके अलावा कपल के फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स भी नजर आए। आइरा और नुपुर अगले साल 3 जनवरी को शादी करने वाले हैं। दोनों ने परिवार के साथ केलवन सेरेमनी सेलिब्रेट करते हुए शादी के फंक्शन की शुरूआत कर दी है। इस दौरान आइरा ने सोशल मीडिया पर सेरेमनी की टोटल 7 तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया। तस्वीरों में कपल ट्रेडिशनल लुक में रीति-रिवाज निभाते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स कपल की आरती कर रहे हैं। वहीं एक तस्वीर में कपल की मां रीना और प्रीतम साथ नजर आईं। इस मौके पर कपल ने अपने घर को कैंडल और फूलों से बहुत सुंदर तरीके से सजाया है।

मेकर्स ने जारी किए 'डंकी' के दो शानदार पोस्टर्स, सभी किरदारों की दिखी खास झलक

शाहरुख खान के जन्मदिन के खास मौके पर रिलीज हुए डंकी ड्रॉप 1 के पहले टीजर ने यकीनन फैंस का दिल खुश कर दिया था। फिल्म की प्यारी कहानी ने लाखों दर्शकों के दिलों को छू लिया। वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्रेरित, डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है जो इन विभिन्न कहानियों को एक साथ लाती है, और मजेदार और दिल तोड़ने वाले जवाब देती है। निमार्ताओं ने आज डंकी के पोस्टर लॉन्च किए, जिसमें शाहरुख खान, तापसी पन्नू, विक्रम कोचर, अनिल ग्रोवर और विक्की कौशल जैसे पांच किरदारों को एक साथ दिखाया गया है। पोस्टर खुशी को दशार्ते हैं। यह पोस्टर दोस्ती और चुनौतियों के बारे में हैं, जिनसे वे अपने सपनों को हासिल करने के लिए एक साथ गुजरते हैं। जिओ स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति, राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा निर्मित। अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित, डंकी इस दिसंबर में रिलीज होने वाली है।

मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू

बालीवुड फिल्म मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एक महीने से जमी हुई है जो उतरने का नाम नहीं ले रही है। पूजा एंटरटेनमेंट और अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्म ने अपने प्रशंसकों को आकर्षित किया है और अब तक बॉक्स ऑफिस पर बड़े धूमधाम से दिखाई दे रही है। एक महीने के बाद भी इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बना हुआ है। मिशन रानीगंज एक महत्वपूर्ण कहानी का प्रमाण है, और यह दशार्ता है कि एक शक्तिशाली कहानी हमें सम्मोहित कर सकती है। फिल्म जसवंत सिंह गिल की वीरता की कहानी के चारों ओर घूमती है, और अक्षय कुमार ने इसे शानदार तरीके से दर्शकों के सामने पेश किया है, जो एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। फिल्म ने रिलीज के पहले ही सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की थी, और अब भी लोग सिनेमाघरों की ओर आ रहे हैं। इस फिल्म ने दर्शकों को प्रभावित किया है और देश भर में अत्यधिक समीक्षा प्राप्त की है। अपनी आलोचनात्मक प्रशंसा और दर्शकों की पसंद के अलावा, मिशन रानीगंज बॉक्स ऑफिस पर मजबूत नंबर्स दर्ज कर रही है और कथित तौर पर प्रतिदिन 25 लाख रुपए कमा रही है। जैसे-जैसे दिवाली नजदीक आ रही है, यह फिल्म निश्चित रूप से त्योहार के साथ एक अच्छी यात्रा तय करेगी।

टाइगर 3 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से मिला यू/ए सर्टिफिकेट

-फिल्म 12 नवंबर को दिवाली के मौके पर होगी रीलिज

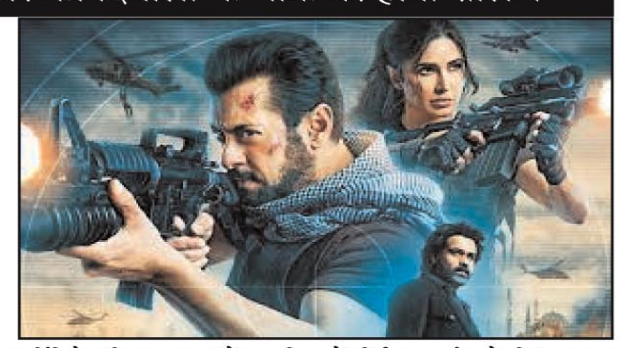

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपर स्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म टाइगर 3 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए (यूनिवर्सल-एडल्ट्स) सर्टिफिकेट मिला है। इसके अलावा फिल्म में किसी सीन पर भी कैंची नहीं चलाई गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएफसी की जांच समिति ने केवल ऑडियो कट के लिए कहा है और फिल्म से कोई भी सीन नहीं हटाया गया है। सीबीएफसी ने सबटाइटल में बेवकूफ शब्द को मशरूफ और मूर्ख शब्द को बिदी से बदलने के लिए कहा है। कुछ डायलॉग्स में रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) का जिक्र किया गया है। सीबीएफसी ने मेकर्स से इन डायलॉग्स में सही एबरिविएशन का इस्तेमाल करने के लिए ही कहा। फाइनली कट लिस्ट में मेंशन किया गया है कि राष्ट्रीय गान के संबंध में मोडिफिकेशन रिक्वेस्ट के मुताबिक बरकरार रखा गया है। बता दें कि इन माइनर चेंजेस किए जाने के बाद टाइगर 3 को 27 अक्टूबर को यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया था। सेंसर सर्टिफिकेट पर मेंशन फिल्म की लंबाई 153 मिनट है जो 2 घंटे और 33 मिनट है। टाइगर 3 कब होगी रिलीज टाइगर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी इंस्टॉलमेंट में, कैटरीना ने जोया की अपनी भूमिका को दोहराया है वहीं सलमान खान टाइगर के रोल में नजर आएंगें। फिल्म में कुमुद मिश्रा, रेवती, रिद्धि डोगरा और अनंत विधात के साथ इमरान हाशमी भी विलेन की भूमिका में हैं। वहीं दूसरी ओर टाइगर-3 में रेवती उसी भूमिका को निभाती नजर आएंगी जिसे पिछले दो फिल्मों एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में गिरीश कर्नाड ने निभाया था। शाहरुख के टाइगर 3 में एक स्पेशल कैमियो में नजर आएंगे। टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है। ये फिल्म 12 नवंबर को दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि टाइगर-3 इस साल की बहुप्रतीक्षित व बहुप्रचारित फिल्म है। टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी इंस्टॉलमेंट टाइगर 3 स्टार-स्टडेड कलाकारों और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स के चलते काफी बज क्रिएट कर रही है। फिल्म के ट्रेलर ने पहले ही प्रशंसकों की एक्साइटमेंट बढाई हुई है।

'बिग बॉस' शो में लिपलॉक करते नजर आये कंटेस्टेंट्स, वीडियो वायरल

बिग बॉस शो का 17वां सीजन दर्शकों के सामने आ चुका है। शो की शुरूआत से ही कंटेस्टेंट्स के बीच की लड़ाई-झगड़े हर किसी का ध्यान खींच रहे हैं। अब शो में कंटेस्टेंट्स ने हद पार कर दी है। नेटिजन्स ने उनके व्यवहार के कारण शो की आलोचना की है। बिग बॉस-17 के हाल ही में खत्म हुए एपिसोड में ईशा मालविश और समर्थ ज्यूरियल कैमरे के सामने लिप-लॉक कर रहे थे। बिग बॉस के घर में लाइट बंद होते ही दोनों शरीर पर चादर ओढ़कर इंटीमेट होते नजर आए। बिग बॉस-17 के मेकर्स ने इस वीडियो की क्लिप शेयर की है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में समर्थ ईशा कैमरे के सामने लिप-लॉक करते नजर आ रहे हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि घर में कैमरे लगे हैं, तो फिर वह अपने शरीर पर एक चादर ले लेते है। फिर अभिषेक चला जाता है। वह उनके चल रहे रोमांस को देखता है। इसके बाद वह कहते हैं कि एक शीट दो..आप दोनों शीट लेकर बैठे हैं। अभिषेक की आवाज सुनकर समर्थ तेजी से चादर से बाहर आते हैं और उन्हें चादर देते हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक यूजर ने कमेंट किया, "यह कितना खराब पारिवारिक शो है।" एक अन्य यूजर ने कहा, "इन दोनों को टेम्पटेशन आइलैंड पर होना चाहिए।

शमार्जी की बेटी एक कॉमेडी फिल्म : ताहिरा

फीचर फिल्म शमार्जी की बेटी का मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया जाएगा। इसको लेकर ताहिरा ने अपनी खुशी जाहिर की है। इस फिल्म की निर्देशक, लेखिका और निमार्ता ताहिरा कश्यप खुराना है। उन्होंने कहा कि यह एक कॉमेडी फिल्म है जिसमें एक अनोखापन है। ताहिरा के निर्देशन में बनी लघु फिल्म टॉफी ने पहले दर्शकों से प्रशंसा बटोरी थी। शमार्जी की बेटी एक फीचर फिल्म निमार्ता के रूप में उनकी पहली फिल्म है। ताहिरा को अपने पति आयुष्मान खुराना के साथ फेस्टिवल में शामिल होते देखा गया और उन्होंने फिल्म के बारे में बात की। ताहिरा ने कहा, मैं इस फिल्म के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे यहां तक पहुंचने में काफी समय लगा है। मैं नर्वस भी हूं क्योंकि यह पहली बार है जब मैं अपनी फिल्म बड़े पर्दे पर देखने जा रही हूं। कहानी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कहानी हमेशा मेरे दिमाग में थी। जब हमारे पास सही कलाकार थे तो हमने इसे चुना। यह विभिन्न आयु वर्ग की 5 महिलाओं के बारे में है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। मैं वास्तव में चाहती हूं कि लोग इसे देखें और आशा करती हूं कि उन्हें यह पसंद आएगी।

राज कुंद्रा की "यूटी 69" की बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक शुरूआत

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा भी एक्टिंग में डेब्यू कर चुके हैं। उनकी बायोपिक "यूटी 69" 3 नवंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को लेकर पिछले कई दिनों से काफी चर्चा हो रही थी। फिल्म की रिलीज के बाद पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, राज कुंद्रा की "यूटी 69" ने पहले दिन सिर्फ 10 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि फिल्म की शुरूआत निराशाजनक रही। हालांकि अनुमान है कि वीकेंड पर कमाई में बढ़ोतरी हो सकती है। राज कुंद्रा को 2021 में पोर्नोग्राफी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

उन पर अश्लील ओटीटी ऐप्स के जरिए अश्लील सामग्री बनाने का आरोप था। इस मामले में उन्हें दो महीने तक आर्थर रोड जेल में रहना पड़ा था। "यूटी 69" आर्थर रोड जेल में राज कुंद्रा के दिनों पर प्रकाश डालती है। इस फिल्म में राज कुंद्रा ने मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म को डायरेक्टर शाहनवाज अली ने डायरेक्ट किया है। इस बीच, जेल से बाहर आने के बाद राज कुंद्रा हमेशा सार्वजनिक स्थानों और मीडिया के सामने मास्क पहनकर दिखाई दिए, जिससे उन्हें "मास्क मैन" के रूप में एक नई पहचान मिली। इस मास्क की वजह से उन्हें अक्सर ट्रोल किया जाता था।

आलिया भट्ट ने बेटी राहा का चेहरा छिपाने की बताई वजह

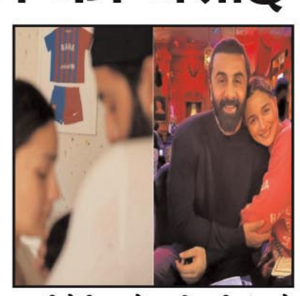

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बॉलीवुड के सबसे क्यूट कपल्स में से एक हैं। दोनों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर हमेशा वायरल होते रहते हैं। दोनों पिछले साल नवंबर में माता-पिता बने हैं। आलिया ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम राहा है, लेकिन आलिया-रणबीर ने अभी तक बेटी की एक भी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की है। आलिया ने खुलासा किया है कि वह राहा की पहली तस्वीर कब शेयर करेंगी। एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने मीडिया कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उस वक्त उनसे पूछा गया था कि फैंस राह की पहली झलक देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस पर आलिया ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी बेटी का चेहरा छिपाती हूं। मुझे अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। शुरूआत में हमने तय किया था कि राहा का चेहरा नहीं दिखाएंगे। क्योंकि हम नए माता-पिता थे और वह एक साल की भी नहीं थी। हमें नहीं लगता कि उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होनी चाहिए। वह अभी बहुत छोटी है। आलिया ने आगे कहा कि हम राहा का चेहरा किसी को नहीं दिखा रहे हैं, ऐसा बिल्कुल नहीं है, लेकिन जब हमें लगेगा कि समय सही है और हम इसके लिए तैयार है। फिर दिखाएंगे राहा की पहली झलक। ये चीजें जल्द ही हो सकती हैं। जैसे ही हम तैयार होंगे हम राहा की पहली झलक जरूर दिखाएंगे। आलिया-रणबीर के काम की बात करें, तो आलिया जल्द ही जिगरा में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। साथ ही रणबीर की फिल्म एनिमल भी दर्शकों के सामने आएगी। इस फिल्म में वह साउथ की मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे। साथ ही आलिया और रणबीर एक बार फिर ब्रह्मास्त्र-2 में साथ नजर आएंगे।

सूडोकु नवताल- 6604

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6603 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7351

हा	द	सा	ला	प	र	तू	ग	झ	क	नि
ग	ल	च	ह	रिं	मं	डी	दि	शा	को	शां
इ	पु	म	र	दा	ल	ग	र	ला	ल	त
कु	दा	रु	धा	ण	क	प	म	श	र	म
आ	श	न्न	ष	क	दा	री	ग	न	ता	द
रं	क्रो	प	व	गा	र्त	स	ती	प	ह	ती
गा	ल	श	अं	प	म	प	चो	ला	व	क
बा	अ	र्थ	ला	क	छ	श	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	च	ज	द	क्ति	जू	नी	द
र	ल	प	ति	रं	क्र	ऐ	बें	न	रु	थे
ड	स	न	म	क	ह	रा	म	प	क	र

शब्द जाल में स्मिता पाटिल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हादसा, मंडी, चक्र, आक्रोश, निशांत, गमन, नमक हराम, चरणदास चोर, शक्ति, अर्थ

शब्दजाल - 7350 का हल

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डे	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	जी	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड्री	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6304

7		4	5	2		
3	38		33		27	1
	4	7		1	6	3
2	32		35		33	
	1	6			5	2
1	24		35		30	
	3		7	4		5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6303 का हल

1	5	7	3	2	4	6
6	34	6	40	7	33	1
3	1	5	6	4	2	7
2	22	1	34	5	34	4
5	1	4	6	3	7	2
4	30	3	30	6	33	5
7	4	2	5	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्वकप : बांग्लादेश और श्रीलंका में आज होगी टक्कर

नई दिल्ली ।
यहां सोमवार को श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मैच होना है। इस मैच को लेकर आशंकाएं भी लग गयी हैं क्योंकि वायु प्रदूषण बढ़ने से खिलाड़ियों के लिए खेलना आसान नहीं होगा। प्रदूषण अधिक होने के कारण ही टीम अभ्यास भी नहीं कर पायी हैं। मैच को लेकर अंतिम फैसला इसके शुरु होने के पहले ही अंपायर लेंगे। बांग्लादेश की टीम नौवें स्थान पर होने के कारण पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर गयी है जबकि श्रीलंका की टीम सातवें स्थान पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच अभी तक जो 53 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं उनमें से श्रीलंका ने 42 में जीत दर्ज की है जबकि 9 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने हालांकि विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में श्रीलंका को हराया था और इस कारण उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

वहीं श्रीलंका की टीम भारत के हाथों पिछले मैच में 302 रन से मिली हार से उबरकर इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत के खिलाफ लंकाई टम 55 रन ही बना पायी थी। ऐसे में उसके बल्लेबाजों का लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। टीम को अपने खिलाड़ियों की चोटों से भी नुकसान हुआ है।

श्रीलंका के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन भी खास नहीं रहा है। स्पिनर भी उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश की टीम का प्रदर्शन भी अभी तक अच्छा नहीं रहा है। टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संघर्ष करती दिखी है।

दोनो ही टीमें

टीम इस प्रकार हैं :

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो (उपकप्तान), तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), महमुदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद , मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब

श्रीलंका :

कुसल मेंडिस (कप्तान और विकेटकीपर), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, कसुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पाकिस्तान को हराकर जीता कांस्य, पेनाल्टी शूटआउट में 6-5 से हासिल की जीत

नई दिल्ली । गोलकीपर एच एस मोहित ने पेनाल्टी शूटआउट में शानदार बचाव करते हुए भारतीय जूनियर हॉकी टीम को सुल्तान जोहोर कप में पाकिस्तान के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में 6–5 से जीत दिला दी। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3–3 से बराबरी पर थी। भारत की ओर से अरुण साहनी (11वां मिनट), पूवान्ना (42वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (52वां मिनट) ने गोल किए थे। पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (33वां मिनट), अब्दुल कयूम (50 वां मिनट) और कप्तान शाहिद हनान (57वां मिनट) ने गोल किए। नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया। शूटआउट के बाद सडेन डेथ में भारतीय गोलकीपर ने बेहतरीन बचाव करते हुए हनान का शॉट रोककर भारत के खाते में जीत दर्ज कर दी। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अरशद लियाकत, अब्दुल रहमान और एहतेशाम असलम ने गोल किए थे। भारत के लिए विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अंगदबीर सिंह और कप्तान उत्तम सिंह ने गोल किए थे। सडेन डेथ विष्णुकांत और पाकिस्तान के लिए अरशद लियाकत ने गोल किए थे लेकिन हनान मिस कर गए।

हसन रजा के बयान पर भड़के वसीम अकरम, कहा- दिमाग ठीक जगह पर नहीं

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने हमवतन पूर्व क्रिकेटर हसन रजा को

जमकर लताड़ लगाया हैं। जब अकरम से एक शो के दौरान बॉल चेंज करने वाले बयान को लेकर पूछा गया तो वसीम अकरम ने कहा, मैं पिछले कुछ दिनों से इसके बारे में सुन रहा हूं। मुझे इनकी बातें मजाक की तरह लग रही है, क्योंकि इनका दिमाग ठीक जगह पर नहीं है। आप खुद की तो बेइज्जती कराएंगे ही अपने साथ हमारी भी पूरी दुनिया के सामने कराएंगे। अकरम ने आगे कहा कि सब जानते हैं कि अंपायर आते हैं, जो टीम टॉस जीतती है अगर वो बॉलिंग करती है तो एक 12 गेंद का डब्बा होता है। उसमें से कप्तान 2 गेंद को पिक करता हैं। अंपायर दोनों बॉल रख लेता है ताकि अगर गेंद खराब भी हो तो दूसरी पिक की जा सके. इतने लोग बैठे हैं इस प्रोसेस में. पता नहीं ऐसा कौन सोचता है आपको भारत के गेंदबाजों की तारीफ करनी चाहिए ना कि आप इस तरह की बात करो। गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप में खराब परफॉर्म के चलते पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर हसन रजा कुछ ज्यादा ही दुखी हो गए और उनको शायद यह पसंद नहीं आया कि उनकी टीम खराब परफॉर्म क्यों कर रही है। टीम इंडिया के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने आईसीसी पर सवाल खड़े करते हुए यह कह दिया कि भारतीय टीम को मैच के दौरान अलग तरह की गेंद दी जा रही है। इसके लिए उनकी हर तरफ आलोचना हुई वसीम अकरम भी उनके इस बयान से खुश नहीं हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा ने पाकिस्तान के एक चैनल पर बात करते हुए कहा था कि इस साल कई सारी चीजें इंडिया के फेवर में गई है। चाहे वो रिव्यू हो या कुछ और मोहम्मद शमी और सिराज ये कैसी बॉलिंग कर रहे हैं।

पाक की जीत के बाद टीम का मजाक उड़ाने वालों पर बरसे शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत पर खुशी

जतायी है। पाक ने बारिश से प्रभावित ये मैच डकवर्थ लुईस नियम से जीता। इससे पाक टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं। इसी को लेकर अख्तर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, बहुत लोग हमारा मजाक उड़ा रहे थे और आज सबसे देखे लिया कि हमारी टीम क्या कर सकती है। टीम ने विशाल स्कोर का पीछा बड़ी हिम्मत से किया। इस जीत में बल्लेबाज फखर जमां की सबसे अहम भूमिका रही। हम इस विश्व कप में कहीं भी पहुंचे तो इसमें उनका बहुत योगदान होगा। बहुत सारे लोग 402 रनों के लक्ष्य को देखकर पहले ही हिम्मत हार जाते हैं लेकिन फखर ने जो किया वह असान नहीं था। उसने जिम्मेदारी ली और इस बात को भरोसा दिलाया कि रन बाते रहें। साथ ही कहा, कप्तान बाबर (आजम) ने भी उनका अच्छा साथ दिया पर सबसे काम फखर ने किया। अपनी बल्लेबाजी से उन्होंने विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा। बाबर भी पचास रन पूरे होने के बाद तेजी से खेलने लगा।था। मैच पूरा होता तो हम लक्ष्य तक पहुंच सकते थे।

अंडर 17 कबड्डी के क्वार्टर फाइनल में पहुंची चेन्नई–वाराणसी–गुरुग्राम की टीम

जम्मू ।
चेन्नई, वाराणसी और गुरुग्राम ने मौलाना आजाद स्टेडियम में जारी केंद्रीय विद्यालय संगठन की 52वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत लड़कियों के अंडर 17 आयुवर्ग के कबड्डी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

अंडर 17 आयुवर्ग के प्रीक्वार्टर फाइनल मुकाबलों में चेन्नई ने भुवनेश्वर को 52–15 अंकों, वाराणसी ने तिनसुकिया को 43–16 अंकों और गुरुग्राम ने जयपुर को 41–18 अंकों से परास्त कर जीत दर्ज की है।

इससे पहले खेले गए लीग मुकाबलों में गुरुग्राम ने बेंगलुरु को 38–14 से, कोलकाता ने एर्नाकुलम को 32–17 से, बेंगलुरु ने गुरुग्राम को 38–14 से रायपुर ने आगरा को 42–17 से, जयपुर ने अहमदाबाद को 47–11 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। गुवाहाटी ने चंडीगढ़ को 37–33 के रोमांचक मुकाबले में हराया।

कोलकाता ने जम्मू को 47-33 से किया पराजित

एक बेहद रोमांचक मुकाबले में तिनसुकिया और पटना के बीच 34–34 अंकों के साथ मैच बराबरी रहा। रांची ने वाराणासी को 21–20 के नज़दीकी मुकाबले में हराया। अन्य मुकाबलों में देहरादून ने भुवनेश्वर को 46–34 से, दिल्ली ने चंडीगढ़ को 45–32, कोलकाता ने जम्मू को 47–33 से पराजित किया।

अंडर-14 मुकाबले में गुरुग्राम ने जम्मू को 42-3 से हराया

इसी बीच अंडर–14 मुकाबलों में पटना ने चंडीगढ़ को 71–18 से, कोलकाता ने गुरुग्राम को 37–9 से, चेन्नई ने दिल्ली को 45–14 से, कोलकाता ने चंडीगढ़ को 48–5 से, गुरुग्राम ने जम्मू को 42–3 से, बेंगलुरु ने लखनऊ को 40–14 से, चेन्नई ने एर्नाकुलम को 34–5 से, पटना ने जम्मू को 44–10 से पराजित किया। हैदराबाद ने मुंबई को 28–26 तथा भोपाल ने रायपुर को 37–36 से रोमांचक मुकाबले में हराया।

वाराणासी ने भुवनेश्वर को 37-20 से हरा विजयी अभियान को रखा जारी

अंडर–14 कबड्डी के अन्य मुकाबलों में अहमदाबाद ने आगरा को 36–29 से, मुंबई ने आगरा को 43–31 से, जबलपुर ने भोपाल को 42–38 से, भुवनेश्वर ने दिल्ली को 39–29 से, पटना ने राँची को 34–24 से, रांची ने चंडीगढ़ को 36–24 से, अहमदाबाद ने मुंबई को 40–36 से, रायपुर ने जबलपुर को 42–24 से और वाराणासी ने भुवनेश्वर को 37–20 से पराजित कर अपना विजय रथ आगे बढ़ाया।

रचिन की सफलता देखकर अभिभावक अपने बच्चे का नाम रोको भी रखने लगेंगे : गावस्कर

नई दिल्ली । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने न्यूजीलैंड के युवा बल्लेबाज रचिन रवींद्र की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय मूल के रचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्वकप मैच में शानदार शतक लगाया था। ये विशकप में उनका तीसरा शतक है। रचिन ने इस मैच में 108 रन बनाये। रचिन ने इससे अब तक विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी शतक लगाये थे। गावस्कर ने कहा है कि आज के अभिभावको को अपने बच्चे का नाम रोको रखना चाहिए। गावस्कर ने ऐसा इसलिए , रचिन रवींद्र ने अपने नाम के पीछे का खुलासा करते हुए कहा था कि एक बार मेरे मम्मी–पापा मेरे नाम को लेकर चर्चा कर रहे थे। तब उन्हें सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की बल्लेबाजी पसंद थी। इसलिए उन्होंने मेरे नाम में इन दो खिलाड़ियों के नाम का पहला अक्षर लिया। इस प्रकार राहुल से र और सचिन से चिन मेरे नाम में आया। गावस्कर ने रचिन के शानदार प्रदर्शन पर कहा, रचिन का नाम जिस विश्वास से नाम रखा गया। उस हिसाब से अगर कोई अभिभावक अपने बच्चे का नाम रोको रख लें, तो मैं मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं होगी रचिन इस बार विश्वकप में न बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. रचिन ने 8 मैचों में अब तक 74 के औसत से 523 रन बनाए हैं। वहीं पहले नंबर पर केवल दक्षिण अफ्रका के क्विंटन डिकॉक हैं। डिकॉक ने अबतक 545 रन बनाये हैं।

द्रोणाचार्य द जिम के रितेश डोगरा ने प्रो ओलंपिया में रचा इतिहास, भारत के लिए 2 स्वर्ण और 1 जीता रजत

ऑरलैंडो ।
एक ऐतिहासिक क्षण में द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के छात्र रितेश डोगरा ने ऑरलैंडो (यूएसए) में प्रो ओलंपिया पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीता. प्रो ओलंपिया पावरलिफ्टिंग में अब तक केवल दो भारतीय स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं (2017 मुकेश सिंह और अब रितेश डोगरा). एक साल में 3 मेडल जीतकर रितेश एक कदम आगे निकल गए. मुकेश और रितेश दोनों द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के शिष्य हैं।

ये पदक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया आंदोलन को समर्पित हैं।

रितेश ने 90 किग्रा वर्ग में कुल 767.5 किग्रा वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया. चिली के रॉबर्टो कोरिया (शारीरिक वजन 90 किग्रा) के साथ उनकी कड़ी प्रतिस्पर्धा थी. दोनों ने समान वजन उठाया लेकिन तुलनात्मक रूप से रितेश के शरीर का वजन (86 किग्रा शरीर का वजन) कम था, इसलिए उन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

रॉ बेंच प्रेस में कोलंबिया के सैंटियागो रुइज़ ने कुल 180 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता और रजत पदक भारत के रितेश डोगरा ने 175 किग्रा उठाकर जीता।

90 किग्रा क्लास ओपन रॉ डेडलिफ्ट में रितेश डोगरा ने आज तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (302.5 किग्रा के साथ) किया और पहला स्थान हासिल किया और एक रिकॉर्ड बनाया. रजत पदक कोलंबिया के सैंटियागो रुइज़ (जिन्होंने 290 किग्रा वजन उठाया) ने जीता।

वैशाली ने स्टेपानोवा को हराकर एकल बढ़त हासिल की, विदित ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली ।
भारत की आर वैशाली फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में यहां पूर्व विश्व चैंपियन बुल्गारिया की एंटोनेटा स्टेपानोवा की रक्षण को भेदने में सफलता हासिल करने के बाद तालिका में एकल बढ़त बनाने में कामयाब रही। अपने कॅरिअर का सबसे बड़ा टूर्नामेंट खेल रहीं वैशाली ने इस प्रक्रिया में अपना चौथा 'ग्रैंडमास्टर नार्म (मानदंड)' भी पूरा किया। उन्हें इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला बनने के लिए केवल सात रेटिंग अंकों की आवश्यकता है।

शतरंज विश्वकप के फाइनल में पहुंच कर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने वाले आर प्रज्ञानंद की बड़ी बहन आर वैशाली को यहां चैंपियन बनने के लिए दो और मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उनके नाम सात अंक है और दो दौर के मुकाबले बचे है। इसमें चीन की झोंगी तान से उन्हें कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। ओपन वर्ग में विदित गुजराती ने रूस के आंद्रे एसिपेंको से ड्रॉ खेला और 6.5 अंकों के साथ छह खिलाड़ियों के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

अमेरिका के फैबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा, रोमानिया के डीक बोगडान–डैनियल, ईरान के परहम माघसूदलू और एसिपेंको भी इस स्कोर के साथ शीर्ष पर है। अर्जुन एरिगैसी ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ एक और ड्रा खेला। अन्य भारतीयों में निहाल सरीन जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। प्रज्ञानंद ने कजाकिस्तान के रिनैट जुमाबायेव को हराकर दूसरी जीत दर्ज की जबकि पी हरिकृष्णा ने आर्मेनिया के एच. मेलकुमियान में मात दी।

14 की उम्र में जुड़वां बेटों को जन्म दिया, अब पहलवान बनकर पदक जीते

पणजी ।
राष्ट्रीय खेलों में 57 भार वर्ग में कुश्ती का रजत पदक जीतने वाली नीतू सरकार की कहानी सुनकर कोई भी दांतों तले अंगुलिया दबा लेगा। पहले उन्हें 13 वर्ष की उम्र में एक अधेड़ व्यक्ति के पास भेज दिया गया। वहां से वह किसी तरह भागने में सफल रहीं तो थोड़े ही दिनों में उनकी शादी एक बेरोजगार के साथ कर दी गई। भिवानी में जन्मीं यह पहलवान 14 की उम्र में दो जुड़वां बेटों की मां बन गई। गुजारे के लिए उन्होंने सड़कों पर टाइलें लगाईं, ब्यूटी पार्लर, दर्जी और दुकान पर क्लर्क का काम किया, लेकिन एक योग अध्यापक का उन्हें कुश्ती कोच जिले सिंह से मिलाना वरदान बन गया। कोच ने मैरी कॉम की कहानी सुनाकर उन्हें पहलवान बनाया। उन्हीं नीतू ने राष्ट्रीय खेलों में तीसरी बार पदक जीतने में सफलता हासिल की।

परिवार के उठने से पहले करती थीं अभ्यास

नीतू के अनुसार जब उनकी शादी हुई तो उनका घर उनकी सास की पेंशन पर चलता था। जुड़वां बेटों के जन्म के बाद जब उन्होंने पहलवान बनने की इच्छा अपने पति को बताई तो उन्होंने इसका समर्थन नहीं किया, लेकिन उन्होंने काफी जोर दिया तो वह मान गए। हालांकि उन्होंने शर्त रखी कि उन्हें घर के लोगों से जागने से पहले ही अपना अभ्यास पूरा करना होगा। इसके बाद वह सुबह साढ़े तीन बजे उठकर 10 किलोमीटर की दौड़ लगातीं और अभ्यास कर वापस घर के कामों में जुट जाती थीं। जल्द ही उन्हें राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक मिल गया। उन्होंने 2015 के राष्ट्रीय खेल में उन्होंने कांस्य और

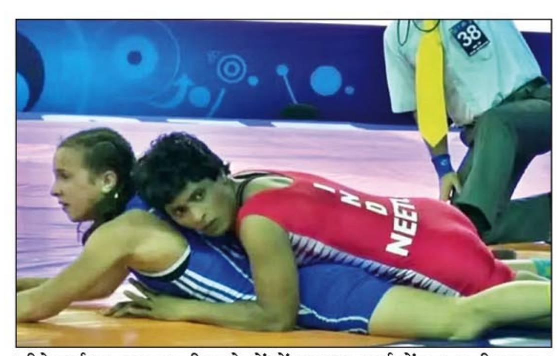

बीते वर्ष गुजरात राष्ट्रीय खेलों में 57 भार वर्ग में रजत जीता। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भी खेलीं।

अब कांस्टेबल हैं नीतू

महज सातवीं तक पढ़ीं नीतू बताती हैं कि उनकी शिक्षा के अनुसार कोई नौकरी नहीं मिल सकती थी। इसी वजह से उन्होंने खेलों को अपनाया। वह चाहती थीं जो उन्होंने झेला उनके बेटों को आगे नहीं सहना पड़े। नीतू अभी एसएसबी में कांस्टेबल हैं। उनका एक बेटा करनाल और एक रोहतक में है। एक बेटे को उन्होंने जेवलिन थ्रो में डाला है। उनकी निगाहें अब पेरिस ओलंपिक के ट्रायल पर हैं।

मैक्सवेल और मार्श की वापसी पर ग्रीन ने कहा, जो चयन हो रहा है उससे पूरी तरह सहमत

अहमदाबाद।
यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में इंग्लैंड पर ऑस्ट्रेलिया की 33 रनों की जीत में 52 गेंदों में 47 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलने के बावजूद, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा कि वह पूरी तरह से ठीक है अगर उन्हें भविष्य के मैचों में ग्लेन मैक्सवेल और मिशेल मार्श की वापसी के लिए रास्ता बनाना है

मैक्सवेल को गोल्फ के दिन चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर कर दिया गया था, जबकि मार्श निजी कारणों से पर्थ वापस घर चले गए, जहां उनके नाना रॉस का निधन हो गया. अब उनके मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले मुंबई में ऑस्ट्रेलिया की टीम में फिर से शामिल होने की उम्मीद है।

हम मैदान पर सर्वश्रेष्ठ टीम चाहते हैं और दुर्भाग्य से मैं चूक रहा हूं. हम कुछ बेहतरीन क्रिकेट खेल रहे हैं, लगातार पांच जीत रहे हैं, इसलिए हमें कुछ सही करना होगा मुझे लगता है कि वे (मैक्सवेल और मार्श) सीधे वापस आ गए हैं।

हम मिच और फिर मैक्सी को वापस लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, मुझे लगता है कि यह आठ दिवसीय प्रोटोकॉल है (जो अफगानिस्तान मैच के दिन समाप्त होता है) इसलिए मुझे लगता है कि वह जाने के लिए बिल्कुल तैयार है। मुझे पता है कि मेरे पास कुछ है।

क्रिकेट.कॉम.एयू ने ग्रीन के हवाले से कहा, मेरे सामने काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। अगर मैं टीम के अंदर और बाहर रहूं तो कोई समस्या नहीं है। जो चयन हो रहा है, मैं उससे पूरी तरह सहमत हूं।

ग्रीन के लिए 2023 बहुत व्यस्त रहा – फरवरी–मार्च में भारत में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में खेलना, उसके बाद मुंबई इंडियंस के लिए पहला आईपीएल 2023 अभियान, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीत, एशेज, द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला और अब पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच।

वैश्विक प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला से आराम दिए जाने पर, ग्रीन ने जोर देकर कहा कि कठिन 2023 ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की उनकी इच्छा कम नहीं हुई है।

मुझे लगता है कि यह बहुत कठिन है। आप ऑस्ट्रेलिया के लिए जितना संभव हो उतना खेलना चाहते हैं और दुर्भाग्य से, इस साल कार्यक्रम काफी व्यस्त है। लेकिन अपने देश के लिए खेलना बहुत पसंद है – और मुझे लगता है कि शायद अगले साल थोड़ा अंतर रह जाएगा।

18 महीने हो गए... छह महीने से ज्यादा दूर लेकिन (घर जाने के करीब)। जब आप हर समय टीम में रहते हैं तो हो सकता है कि आप थोड़ा आत्मसंतुष्ट हो जाएं। आपको खुद को याद दिलाते रहना होगा कि आप किसके लिए खेल रहे हैं ऑस्ट्रेलिया, और आपको हर समय अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

जब भी आप चूकते हैं, तो आप हमेशा सुधार करना चाहते हैं और यही हम करना पसंद करते हैं. इसलिए उम्मीद है कि रास्ते में कुछ सुधार होंगे। मेरे लिए सबसे बड़ी चीजों में से एक आईपीएल का हिस्सा बनना था और उससे मुझे जो आत्मविश्वास मिला था। काफी विशाल था।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, एशेज श्रृंखला में जाकर मुझे निश्चित रूप से यह महसूस हुआ कि मुझे ग्रुप में और अपने क्रिकेट के बारे में भी कैसा महसूस हुआ. यह अब तक एक शानदार साल रहा है – यह लंबा और चुनौतीपूर्ण रहा है – लेकिन जब मैं देखता हूं कि शुरुआत में मैं कहां था अब तक, मैं निश्चित रूप से एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में विकसित हुआ हूं।

ड्राई स्किन से मिलेगी राहत, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

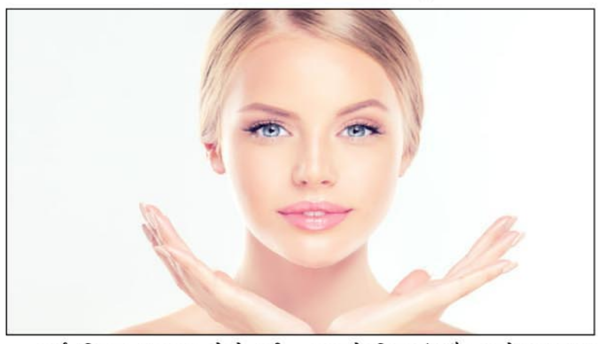

ड्राई स्किन अक्सर चेहरे की चमक को फीका कर देता है. ऐसे में चेहरे की त्वचा छील जाती है. इनको दूर करने के कुछ घरेलू नुस्खों से काफी काम आ सकते हैं.

केला

ड्राई स्किन को दूर करने के लिए केले को मैश करके साफ चेहरे पर लगाएं. थोड़ी देर बाद चेहरे को सादे पानी से धोलें. इससे चेहरा काफी साफ हो जाएगा.

शहद

चेहरे के डेड सेल्स निकालने के लिए शहद का इस्तेमाल फेस स्क्रब बनाने में किया जा सकता है. फेस स्क्रब बनाने के लिए नमक, चीनी पाउडर के साथ, आधा चमच नींबू का रस और एक चमच शहद लें. इसको मिलाएं और चहरे पर लगा लें. इससे डेड स्किन सेल्स निकल जाएंगे.

अंडा

अंडा त्वचा को आवश्यक प्रोटीन देता है. इसके अलावा अंडे के पैक को लगाने से चेहरी का रूखा पन ठीक हो जाता है.

ग्लिसरीन

कच्चे दूध में 2-4 बूंदें ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा कोमल हो जाती है.

जैतून तेल

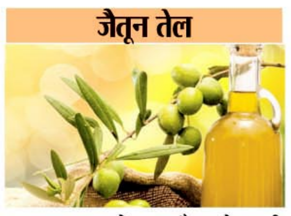

त्वचा पर रोजाना जैतून तेल की मसाज करने से त्वचा की झुर्रियां समाप्त हो जाती हैं. इसके अलावा त्वचा में चमक बनी रहती है.

गंदी आदतों से कम होती है आपकी एनर्जी

क्या आप जानते हैं कि रोजमर्रा की हमारी कुछ आदतें ऐसी होती है, जो हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है और हमारी एनर्जी को निचोड़ लेती है।

सभी के अंदर कुछ अच्छी तो कुछ गंदी आदतें होती है। अच्छी आदतें जहां एक ओर सेहतमंद बनाती है, वहीं दूसरी ओर बुरी आदतें आपकी सेहत को बिगाड़ देती है। जी हां रोजमर्रा की हमारी कुछ आदतें ऐसी होती है, जो हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है और हमारी एनर्जी को निचोड़ लेती है। आइए ऐसे ही कुछ बुरी आदतों के बारे में जानें जिनके चलते हमें पूरा दिन सुस्ती महसूस होती है।

बार-बार कॉफी पीना

यूं तो कॉफी पीने से आप तुरंत एलर्ट हो जाते हैं और यह नींद को छूमंतर कर देती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार कैफीन के सेवन से इसका उल्टा असर भी देखने को मिलता है यानी नींद में समस्या आने लगती है। कॉफी में मौजूद कैफीन आपको दिमाग के लिए उत्तेजक काम करता है और आपको नींद नहीं आती। सही तरीके से नींद आने की वजह से आपका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और आप पूरा सुस्ती महसूस करते हैं।

बिना ब्रेक लंबे समय तक काम

अगर आप भी पूरा दिन कुर्सी से चिपके रहते हैं? तो यह गंदी आदत आपको छोड़नी होगी। क्योंकि एक शोध के अनुसार जो लोग पूरा दिन कुर्सी से चिपकर काम करते हैं, उनकी तुलना में जो लोग बीच-बीच में ब्रेक लेकर काम करते हैं में एनर्जी का स्तर थोड़ा ज्यादा रहता है।

मैग्नीशियम युक्त आहार

अगर आप एनर्जी के स्तर को बढ़ाने के लिए मैग्नीशियम युक्त आहार जैसे, केला, कद्दू के बीज, बींस आदि का सेवन अधिक करते हैं तो अच्छी बात है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके अधिक सेवन से मसल्स रिलैक्स होती है, जिससे शरीर की एनर्जी लेवल कम हो जाती है।

कम पानी पीना

अगर आप खाना तो अच्छे से खा रहे हैं लेकिन पानी की मात्रा कम लेते हैं तो आपके शरीर में पानी की कमी हो जाएगी। इससे आप आलस और थकान से भर जाएंगे। इसलिए अपने एनर्जी के स्तर को हमेशा बनाए रखने के लिए रोजाना भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें।

कार्बोहाइड्रेट की कमी

यह सही है कि भोजन से कार्बोहाइड्रेट कम लेने से वजन अचानक से कम होता है लेकिन पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट ना लेने से ब्लड ग्लूकोज कम हो जाता है साथ ही साथ शरीर में स्टोर ग्लाइकोजेन भी कम हो जाता है। जिससे एनर्जी लेवल कम होने लगता है। कार्बोहाइड्रेट को अपने आहार में शामिल ना करने से ना सिर्फ आपको आलस बना रहेगा बल्कि आपके शरीर में ऊर्जा भी नहीं रहेगी।

बस आने वाली हैं सर्दियां, यूं करें बच्चों के लिए सही कपड़ों का चयन...

मौसम बदल रहा है और अब सर्दियां दरवाजे पर दस्तक देने ही वाली हैं. बदलते मौसम के साथ ही हमारे घरों में और खासकर अलमारी में बहुत कुछ बदल जाता है. हम गर्मियों के कपड़े हटा देते हैं और सर्दियों के लिए कपड़ों को अलमारी में जगह मिली है. ऐसे में सर्दी के मौसम में बच्चों को ठंड से बचाने के लिए उनके कपड़ों का चयन भी अहम है. इसमें बेहद सावधानी बरतनी चाहिए. बच्चे आजकल कपड़ों को लेकर बेहद स्टाइलिश हो गए हैं, ऐसे में उनके लिए कपड़े चूज करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उन्हें ठंड भी न लगे और वे स्टाइलिश भी दिखें. चमकीले रंग, जैसे लाल और हरे कपड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हैं और बच्चों पर जंचते भी हैं. कुछ टिप्स अपनाकर आप भी अपने बच्चे को ठंड के मौसम में स्टाइलिश लुक दे सकते हैं.

रंगों का ख्याल : अपने बच्चे के लिए सर्दियों के कपड़े चुनते हुए कुछ खास बातों का ख्याल रखें, जिनमें से एक है रंगों का चयन. सर्दियों में आप रंगों के साथ प्रयोग कर सकती हैं. आप अपने बच्चे के लिए पीले, भूरे, लाल, हरे, नारंगी और बेज आदि रंग के कपड़ों का चयन कर सकती हैं.

सॉफ्ट कपड़े चुनें : बच्चों की त्वचा बहुत ही संवेदनशील होती है इसलिए कपड़े लेते समय इस बात का पूरा ध्यान रखें. बच्चों के लिए मुलायम और नरम कपड़े खरीदें. सूती, ऊनी, फर, नॉयलान के कपड़े आप खरीद सकती हैं. बच्चों के लिए खरीदारी करने के दौरान मोजे, टोपी और दस्ताने जरूर खरीदें. यह आपके बच्चे को ठंड से बचाने के साथ ही गर्म भी रखेगा.

ज्यादा भारी कपड़ों को कहें न : इस बात का ध्यान रखें कि बच्चों के लिए सर्दियों का मतलब सिर्फ शरीर को गर्म रखना नहीं है. बच्चे को बहुत ज्यादा कपड़े पहना देने से वह खेल के मैदान में ज्यादा उछल-कूद भी नहीं कर पाएगा. अगर बच्चा खुद से सही कपड़ों का चुनाव करता है तो उसे करने दें.

मिट्टी से बनी इन चीजों को घर में रखने से दूर होगे वास्तु दोष

घर में खुशहाली और धन बड़ौतरी कौन नहीं चाहता। महंगाई के जमाने में हर कोई चाहता है कि उसके पास ढेर सारा पैसा हो, जिससे वह अपनी जरूरतों को पूरा करके खुशी जीवन बिता सकें। बहुत से लोगों के घरों में नेगेटिव ऊर्जा का वास होता है, जिससे हाथ में आया पैसों लंबे समय तक नहीं टिक पाता है। इन वास्तु दोष को मिटाने के लिए लोग घर में कई ऐसी चीजों लाकर रखते है, जिनसे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में धन की कमी नहीं होती है। अगर आप भी चाहते है कि घर में खुशहाली और धन बना रहे तो मिट्टी से बनी चीजों को रखें। हम आपको बताएंगे कौन सी मिट्टी की वस्तु घर में रखने से क्या फायदा होता है।

मिट्टी के पक्षी

घर के उत्तर-पूर्व दिशा में मिट्टी के पक्षी रखने से नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती है और बुरा समय भी टल जाता है। अगर आपकी कोई दुकान है और वहां का काम भी अच्छा नहीं चल रहा तो भी मिट्टी के पक्षी अपनी दुकान में रखें।

भगवान की मूर्ति

बहुत से लोग घर में छोटा सा मंदिर बनाकर वहां भगवान की मूर्ति सजा देते है लेकिन अगर मूर्ति मिट्टी की बनी हो तो घर की कई परेशानियां आसानी से टल जाती है। घर में कभी भी धन की कमी नहीं रहती।

मिट्टी का घड़ा

घर में रखा मिट्टी का घड़ा जहां पानी को ठंडा रखता है, वहीं घर में साकारात्क ऊर्जा को बनाएं रखता है।

मिट्टी के दीये

अगर किसी दांपत्ति के जीवन में परेशानिया चल रही है तो अपने घर और दुकान में मिट्टी के दीपक जलाकर रोशनी करें। इससे शादीशुदा जिंदगी काफी खुशहाल हो जाती है। इसके अलावा आप तुलसी के सामने मिट्टी का दीया जला सकते है।

कुल्हड़

कुल्हड़ के कपों में चाय या लस्सी पीने से रूके हुए काम भी बन जाते है। अगर आपके भी कोई काम अटके हुए तो इस उपाय को करना न भूलें।

त्योहार आने से पहले इस तरह करें घर की साफ-सफाई

मौसम बदलने के साथ-साथ त्योहार की एंट्री भी होने वाली है। इस समय घर खुशियों से भर जाता है। लोग महीनों पहले ही घर को सजाने की त्यारियां करनी शुरू कर देते हैं। घर के हर कोने को अच्छे से साफ करने के लिए स्मार्ट तरीकों का पता होना भी बहुत जरूरी है ताकि जल्दी से साफ-सफाई का काम निपटा कर शॉपिंग की तरफ भी ध्यान दिया जाए। आज हम आपको सफाई के कुछ आसान टिप्स बता रहे है,जिससे आपका काम आसान हो जाएगा और त्योहार आने से पहले ही आप घर का सारा काम निपटा लें।

शीशें

शीशों पर दाग-धब्बें साफ करने के लिए आप नींबू और पानी के घोल से साफ करें। आप इसमें लिक्विड सोप भी डाल सकते हैं। इससे शीशे चमक जाएंगे।

फर्श

घर के फर्श को आसानी से साफ करने के लिए पानी में बेकिंग सोड़ा और नींबू मिलाएं। आप इसमें सिरका भी डाल सकती हैं। इससे फर्श साफ करें,चमक उठेगे।

खिडकियों और ग्रिल

खिड़कियों का ग्रिल पर धूल-मिट्टी बहुत ज्यादा होती है। इनको साफ करने में बहुत पसीने भी छूट जाते हैं। साल भर में फैस्टिव सीजन ही होता है जब घर का हर कोना साफ किया जाए। चिमटे पर टॉवल लपेट कर इससे आप ग्रिल की सफाई करें। खिड़कियों की जाली को पेंट वाले ब्रश के साथ साफ करने से धूल-मिट्टी आसानी से साफ हो जाती है।

दरवाजे

साफ-सफाई में अक्सर लोग दरवाजों को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन यही मकडियों के छिपने की खास जगह होती है।लकड़ी के दरवाजों को सूखे कॉटन के कपड़े के साथ साफ करें।

बाजार से खरीदने की बजाए घर पर ही बनाएं ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट

अक्सर किसी भी तरह की क्रीम खरीदते वक्त आपको डर लगता है कि उससे आपकी स्किन को कोई नुकसान न हो जाएं। ऐसे में इस तरह के मंहगें प्रोडक्ट खरीदने की बजाएं आप उन्हें घर पर भी बना सकती है। प्रकृतिक तरीके से बने इन प्रोडक्ट से आपकी स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपके पैसे भी बच जाएंगे।

1. लिप बाम

घर पर लिप बाम बनाने के लिए आप कैलेंडुला, विटामिन ई तेल, नारियल और लैवेंडर के तेल में 1 चम्मच बादाम को अच्छी तरह पीस कर डाल दें। अब आप इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल कर सकते है।

2. फेस स्क्रब

प्रकृतिक फेस स्क्रब बनाने के लिए 1/2 नींबू का रस, 1/2 कप चीनी, 1 टेबलस्पून आलिव ऑयल और 1 टेबलस्पून शहद को अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे स्क्र की तरह 15 मिनट तक चेहरे पर रब करें। इस नेचुरल स्क्रब का इस्तेमाल करने से आपको कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपको इंस्टेंट निखार भी मिल जाएगा।

3. फेस मास्क

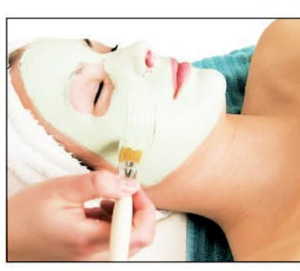

घरेलू फेस मास्क बनाने के लिए आप आधा कप दही में 1 टीस्पून शहद, कुछ बूंदे लैंवेंडर ऑयल और 1/3 टीस्पून पीसे हुए लैवेंडर फूलों को डाल कर चेहरे पर 10 मिनट के लगा लें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धों लें।

4. सनस्क्रीन लोशन

सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए 2 कप पानी को उबलने के रख दें। पानी को उबालने के बाद इसमें 4 टीस्पून मक्खन, 4 टीस्पून ऑक्साइड पाउडर, 2 टीस्पून लैवेंडर ऑयल और 2 टीस्पून नारियल का तेल मिक्स करें। अब इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रख दें। बाहर निकलने से पहले इसका इस्तेमाल करने से आप धूप से बचे रहेंगे।

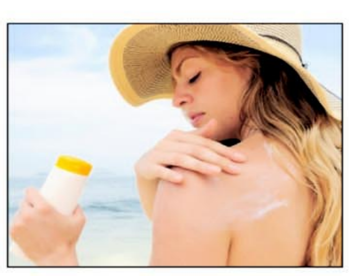

5. शैपू

एक खाली बोतल या गिलास में 4 oz पानी डाल कर उसमें 4 oz लिक्वट कैस्ट्रॉल साबुन डाल कर अच्छी तरह से घोल लें। अब आप इसमें रोज ऑयल या लैवेंडर ऑयल डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब आप इसे शैम्पू की तरह इस्तेमाल कर सकते है।

रेसिपी

रंगीला वेजीटेबल पुलाव

सामग्री

पुलाव के चावल-एक कटोरी, कटी सब्जियां (लाल, पीली, हरी शिमला मिर्च, बीन्स, टमाटर, पत्ता गोभी)-एक कटोरी, बारीक कटी प्याज-एक, घी-एक छोटा चम्मच, जीरा-1/4 छोटा चम्मच, मूंगफली दाना-एक बड़ा चम्मच, स्प्राउट्स-एक बड़ा चम्मच, दालचीनी टुकड़ा-एक इंच, तेजपात के पत्ते-दो, नमक स्वादानुसार।

विधि

चावल को धोकर दोगुने पानी में भिगो दें। गरम तेल में प्याज को गुलाबी होने तक भूनें। फिर दालचीनी, तेजपात और जीरे से तड़का लगाएं अब सभी सब्जियां, मूंगफली दाना, चावल, स्प्राउट्स और नमक डालकर पकाएं। ठंडा होने पर बच्चे के लंच में रखें। यदि बच्चे को टमेटो सॉस पसंद है तो मिलाएं।

झटपट कलाकंद

सामग्री

तीन चौथाई कप पनीर,
8 चम्मच मिल्कपाउडर,
एक चौथाई कप शक्कर,
आधा कप मलाई,
आधा चम्मच इलायची पाउडर,
10 बादाम।
5 पिस्ता

विधि

एक बर्तन में पनीर, मिल्क पावडर, शक्कर, मलाई, आधा चम्मच इलायची पाउडर का मिश्रण तैयार कर उसी हल्की आंच पर रख दें। उसके बाद 20-25 मिनट तक मिश्रण के गाढ़ा होने तक हिलाते रहें। अब उसे डिश में ले लें। ठंडा होने पर उसे बरफी के आकार में काटें, बाद में बादाम , पिस्ता के लंबे कटे बारीक टुकड़ों से इसे सजा। लीजिए हो गया तैयार आपका कलाकंद।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**